आज का विचार

समय और सम्मान यह दोनों बहुत ही कीमती होते हैं। एक बार चले जाए तो लौटते नहीं।

दैनिक

सिटी दर्पण

आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । वीरवार, 14 मई, 2026 | वर्ष 24, अंक 115, मूल्यः 3 रुपए, | पृष्ठ 8 | RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 | www.citydarpan.com

मान के प्रयासों को सफलता, लंबे समय से लटके ओवरब्रिजों और राजमार्गों के कार्यों को पूरा करने का रास्ता हुआ आसान

मक्खू, आदमपुर और भवानीगढ़ में फ्लाईओवर के रुके हुए कार्य जल्द ही होंगे पूरे, अमृतसर साहिब फ्लाईओवर प्रोजेक्ट पर भी आएगी तेजी: भगवंत मान

सिटी दर्पण संवाददाता

नई दिल्ली

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से एक महत्वपूर्ण मुलाकात के बाद केंद्र ने पंजाब में लंबे समय से लटके हाइवे और फ्लाईओवर प्रोजेक्ट्स को पूरा करने का भरोसा दिया, जिससे मक्खू, आदमपुर और भवानीगढ़ में रुके बुनियादी ढांचे के कार्यों में तेजी आएगी और प्रदेश भर के प्रमुख सड़क मार्गों के बड़े पैमाने पर विस्तार और चार-मार्गीकरण की संभावना है।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सड़कों, जिनमें अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट फिरोजपुर-फाजिल्का कॉरिडोर भी शामिल है, को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने की पंजाब की मांग भी उठाई। उन्होंने देरी और रुकावटों के कारण वर्षों से अटके प्रोजेक्ट्स को तेजी से लागू करने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र ने सुनाम, चीमा मंडी, भीखी, मानसा और मौड़ से होते हुए भवानीगढ़-कोटशमीर सड़क को चार-मार्गी करने का भी भरोसा दिया है। इसके अलावा बरनाला-बाजाखाना और मालेरकोटला-बरनाला कॉरिडोर का विस्तार भी किया गया है, जिसे पंजाब के सड़क संपर्क, आर्थिक आवागमन और जन सुरक्षा के लिए एक अहम कदम माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने पंजाब सरकार द्वारा प्रदेश भर में जानों की रक्षा और सुरक्षित हाइवे सुनिश्चित करने के लिए शुरू की गई 'सड़क सुरक्षा फोर्स' के कामकाज की भरपूर सराहना की। मुख्यमंत्री ने श्री नितिन गडकरी से आज मुलाकात कर सार्वजनिक हित में अमृतसर के वल्ला फ्लाईओवर के काम में तेजी लाने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट एनएचएआई द्वारा अवार्ड किया गया था, जो 15 सितंबर, 2023 तक पूरा होना था। उन्होंने कहा कि इसके

पूरा होने की अवधि में बार-बार वृद्धि होने के बावजूद यह कार्य अभी भी अधूरा है और इसे पूरा करने की तिथि बढ़ाकर 30 अप्रैल, 2026 तक तय की गई थी, लेकिन अभी तक केवल 76 प्रतिशत काम ही हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस लिंक रोड की बहुत अधिक अहमियत है क्योंकि यह अमृतसर एयरपोर्ट और श्री हरिमंदिर साहिब को जोड़ता है और वीआईपी की निरंतर आवाजाही सहित भारी ट्रैफिक को भी संभालता है। उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट में लगातार देरी होने से भीड़-भाड़ बढ़ती है और सुरक्षा के लिहाज से लोगों को मुश्किलें पेश आती हैं।

भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह समय की आवश्यकता है कि एनएचएआई को वल्ला फ्लाईओवर के बचे हुए कार्य को जल्द पूरा करने के लिए तुरंत उचित कदम उठाने चाहिए, ताकि निर्धारित समय में प्रोजेक्ट पूरा किया जा सके। जालंधर-होशियारपुर-मनाली रोड एनएच-70 के चार-मार्गीकरण का एक और महत्वपूर्ण मुद्दा उठाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जालंधर-होशियारपुर रोड धार्मिक, पर्यटन, आर्थिक और रणनीतिक नजरिए से बहुत अहम है। उन्होंने कहा कि यह रोड माता चिंतपुरनी मंदिर, माता ज्वाला मंदिर, माता चामुंडा देवी मंदिर, धर्मशाला, मनाली और पालमपुर सहित हिमाचल प्रदेश में प्रसिद्ध धार्मिक स्थानों और पर्यटन स्थलों को पंजाब के विभिन्न जिलों से जोड़ता है।

चंडीगढ़-लांडरां-चुन्नी-सरहिंद रोड को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने की मांग करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सड़क एसएएस नगर जिले को फतेहगढ़ साहिब जिले से जोड़ने वाली प्रदेश की महत्वपूर्ण सड़क है, जिसकी अधिक ऐतिहासिक महत्ता है। यह सड़क सोहाना में गुरुद्वारा सिंह शहीदां साहिब के निकट से शुरू होती है और लखनौर, लांडरां, झंझेड़ी और चुन्नी में से होकर गुजरती हुई फतेहगढ़ साहिब पर समाप्त होती है। वर्तमान समय में यह मुख्य रूप से 10-मीटर कैरेजवे चौड़ाई के साथ दो-मार्गी है, हालांकि कुछ हिस्सों को पहले ही चार-मार्गी कर दिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत अंबाला-चंडीगढ़ ग्रीनफील्ड हाइवे प्रोजेक्ट भी गांव झंझेड़ी में इस सड़क को पार करता है।

एमएसपी बढ़ाना किसानों की आय दोगुनी करने की सरकार की प्रतिबद्धता: नायब सैनी

मुख्यमंत्री ने खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाने का किया स्वागत

भूपेंद्र शर्मा

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का एक बार फिर किसान हित में बड़ा निर्णय लेने पर आभार व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री द्वारा विपणन सीजन 2026-27 के लिए सभी अधिसूचित खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी किए जाने का मुख्यमंत्री ने स्वागत किया।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह निर्णय किसानों की आय दोगुनी करने की सरकार की प्रतिबद्धता को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि धान (कॉमन) का एमएसपी मौजूदा 2369 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 2441 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है, जबकि ए-ग्रेड धान का एमएसपी 2389 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 2461 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। इसी प्रकार, मूंग दाल का एमएसपी 8768 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 8780 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। प्रवक्ता ने बताया कि बाजरा का एमएसपी

2775 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 2900 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। रागी का एमएसपी 4886 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 5205 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। इसी तरह मक्का का एमएसपी 2400 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 2410 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। अरहर/तूर का एमएसपी 8000 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 8450 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। ज्वार हाइब्रिड का एमएसपी 3699 रुपये से बढ़ाकर 4023 रुपये तथा ज्वार मालदांडी का एमएसपी 3749 रुपये से बढ़ाकर 4073 रुपये किया गया है। उड़द का एमएसपी 7800 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 8200 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। इसी प्रकार, मूंगफली का एमएसपी 7263 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 7517 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। सूरजमुखी बीज का एमएसपी 7721 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 8343 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। सोयाबीन का एमएसपी 5328 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 5708 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। तिल का एमएसपी 9846 रुपये से बढ़ाकर 10346 रुपये तथा निगरसीड (रामतिल) का एमएसपी 9537 रुपये से बढ़ाकर 10052 रुपये किया गया है। इसी प्रकार कपास (मीडियम स्टेपल) का एमएसपी 7710 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 8267 रुपये प्रति क्विंटल तथा कपास (लॉन्ग स्टेपल) का एमएसपी 8110 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 8667 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है।

हरियाणा में विकास, सुशासन पर जनता ने लगाई मुहरः मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हरियाणा के नगर निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत पर राज्य की जनता का आभार जताते हुए कहा कि इस परिणाम से विकास और सुशासन की नीतियों पर लोगों के अटूट विश्वास की पुष्टि हुई है। मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, हरियाणा के नगर निकाय चुनावों में भाजपा की शानदार विजय के लिए राज्य के मेरे परिवारजनों का बहुत-बहुत आभार। उन्होंने कहा कि इस जीत से एक बार फिर स्पष्ट हो गया है कि जनता-जनार्दन का भाजपा-राजग सरकार द्वारा किए जा रहे विकास और सुशासन की नीतियों पर अटूट विश्वास है। प्रधानमंत्री ने कहा कि

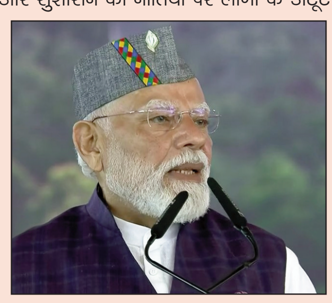

यह विजय राज्य की डबल इंजन सरकार पर हरियाणा के लोगों के भरोसे का भी प्रतीक है। उन्होंने इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि भाजपा की इस जीत में अहम भूमिका निभाने वाले सभी कार्यकर्ताओं का वह हृदय से अभिनंदन करते हैं।

चोरी कर बाहर ले जाई गईं 653 मूर्तियां व वस्तुएं मोदी के अभियान से वापस आईं : शेखावत

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बुधवार को कहा कि भारत की प्राचीन और ऐतिहासिक महत्व की मूर्तियां केवल कला की वस्तुएं नहीं हैं बल्कि हमारी हजारों वर्षों की सभ्यता की निरंतरता का जीवंत प्रतीक हैं। गजेंद्र शेखावत ने संस्कृति मंत्रालय द्वारा देश की बहुमूल्य और खोई हुई सांस्कृतिक विरासत की सफल वापसी के उपलक्ष्य में दिल्ली स्थित राष्ट्रीय संग्रहालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन के दौरान यह बात कही।

गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा यह भारत की विरासत को पुनः प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने भारत की सांस्कृतिक विरासत की वापसी को लेकर महत्वपूर्ण उपलब्धियां साझा करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चलाए जा रहे 'विरासत संरक्षण' अभियान के तहत अब तक कुल 666 प्राचीन कलाकृतियाँ भारत वापस लाई जा चुकी हैं। विशेष बात यह है कि इनमें से 653 वस्तुएं अकेले वर्ष 2014 के बाद स्वदेश लौटी हैं। जबकि 1972 से 2014 के बीच केवल 13 पुरावस्तुएं भारत लाई जा सकी थीं।

मंत्री ने कहा, हम अपनी सभ्यता की निरंतरता के इन जीवित प्रतीकों को घर वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। भारत सरकार अपने कूटनीतिक प्रयासों से हर उस धरोहर को वापस लाएगी, जो गलत तरीके से देश से बाहर गई है। अमेरिकी एजेंसियों ने 657 अन्य कलाकृतियां भी जब्त की हैं, जिन्हें भारतीय दूतावास को सौंप दिया गया है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण जल्द ही इनका परीक्षण और मूल्यांकन कर इन्हें प्रदर्शित करेगा।

शेखावत ने बताया कि कल रात 11 बजे अमेरिका से दो महत्वपूर्ण मूर्तियां भारत पहुँचीं। इनमें चोल काल (12वीं सदी) की सोमस्कंद की मूर्ति और विजयनगर काल (16वीं सदी) की संत सुरिंदर और पारवई की कांस्य प्रतिमा शामिल है। कुल 11 मूर्तियां ऑस्ट्रेलिया से प्राप्त हुई हैं, जिनमें नेशनल गैलरी ऑफ ऑस्ट्रेलिया से 8 और आर्ट गैलरी ऑफ न्यू साउथ वेल्स से 3 मूर्तियां शामिल हैं। इनमें शुंग कालीन टेराकोटा, पाल राजवंश की वराह प्रतिमा और 11वीं सदी की बोधिसत्व प्रतिमा प्रमुख हैं। भारत और अमेरिका के बीच हुए 'सांस्कृतिक संपत्ति विनिमय समझौते' ने इस प्रक्रिया को और गति दी है।

मंत्री ने बताया कि अमेरिका के प्रसिद्ध 'स्मिथसोनियन संस्थान' ने तमिलनाडु के मंदिरों से जुड़ी तीन अत्यंत महत्वपूर्ण कांस्य मूर्तियों को भारत को सौंप दिया है। तंजावुर के मंदिर की शिव नटराज की मूर्ति को स्मिथसोनियन संस्थान के अनुरोध पर 3 साल के 'शॉर्ट टर्म लोन' पर अमेरिका में प्रदर्शनी के लिए रखा गया है। इस मूर्ति को वर्तमान में दक्षिण एशिया और हिमालय में ज्ञान की कला प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया जा रहा है। इसके अलावा, उन्होंने 127 साल बाद भारत लौटे भगवान बुद्ध के अवशेषों की वापसी को एक बड़ी उपलब्धि बताया।

भगवंत मान और सुनील जाखड़ को बम से उड़ाने की धमकी मिली

मुख्यमंत्री कार्यालय, भाजपा कार्यालयों समेत संवेदनशील स्थानों की सुरक्षा बढ़ाई गई

एजेंसी (हि.स.)

चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ को जान से मारने और बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह ई-मेल मिलने के बाद पंजाब और दिल्ली की सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर आ गई हैं। पंजाब सरकार और प्रशासन को भेजे गए ई-मेल में लिखा गया है कि पंजाब मुख्यमंत्री कार्यालय और भाजपा कार्यालयों में बम धमाके किए जाएंगे। ई-मेल में भगवंत मान और सुनील जाखड़ को सिखों का दुश्मन

बताया गया है। ई-मेल में दावा किया गया है कि पंजाब मुख्यमंत्री ऑफिस में दोपहर 1 बजकर 11 मिनट पर धमाका किया जाएगा और पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की तरह हमला करने की धमकी दी गई है। इसके अलावा पंजाब और दिल्ली स्थित भाजपा कार्यालयों में रात 9 बजकर 11 मिनट पर बम धमाके करने की बात भी लिखी गई है। धमकी भरे ई-मेल में यह भी कहा गया है कि सुनील जाखड़ को 6 जून तक निशाना बनाया जाएगा। साथ ही ई-मेल में उनके पिता और पूर्व लोकसभा स्पीकर बलराम जाखड़ का भी जिक्र किया गया है। धमकी मिलने के बाद पुलिस, खुफिया एजेंसियों और सुरक्षा बलों ने मुख्यमंत्री कार्यालय समेत संवेदनशील स्थानों की सुरक्षा बढ़ा दी है। भाजपा कार्यालयों पर भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। फिलहाल एजेंसियां ई-मेल भेजने वाले की पहचान करने में जुटी हैं और पूरे मामले की जांच जारी है।

सीबीएसई 12वीं में 85.20 प्रतिशत विद्यार्थी पास, लड़कियों ने फिर मारी बाजी

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने बुधवार को 12वीं कक्षा का परिणाम घोषित कर दिया। इस वर्ष कुल 85.20 प्रतिशत विद्यार्थी परीक्षा में सफल रहे, जो पिछले साल के मुकाबले 3.19 प्रतिशत कम है। परीक्षा परिणाम में लड़कियों का प्रदर्शन लड़कों से बेहतर रहा है। बोर्ड द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष 17,80,365 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 17,68,818 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए। इनमें 15,07,109 विद्यार्थी सफल घोषित किए गए। पास प्रतिशत में 3.19 प्रतिशत की कमी आई, जो 2025 के 88.39 प्रतिशत से घटकर 2026 में 85.20 प्रतिशत हो गया।

सीबीएसई के अनुसार लड़कियों का पास प्रतिशत 88.86 रहा, जबकि लड़कों का उत्तीर्ण प्रतिशत 82.13 प्रतिशत दर्ज किया गया। इस तरह लड़कियों ने लड़कों से 6.73 प्रतिशत बेहतर प्रदर्शन किया।

क्षेत्रवार प्रदर्शन में त्रिवेंद्रम क्षेत्र सबसे आगे रहा, जहां 95.62 प्रतिशत विद्यार्थी सफल हुए। इसके बाद चेन्नई, बेंगलुरु और विजयवाड़ा क्षेत्र का स्थान रहा। दिल्ली पश्चिम क्षेत्र का परिणाम 92.34

प्रतिशत और दिल्ली पूर्व क्षेत्र का परिणाम 91.73 प्रतिशत रहा। ओवरऑल दिल्ली क्षेत्र का पास प्रतिशत 91.97 प्रतिशत दर्ज किया गया जबकि प्रयागराज में सबसे कम 72.43 प्रतिशत पास प्रतिशत रहा। विदेश स्थित सीबीएसई स्कूलों का परिणाम 90.50 प्रतिशत रहा। वहीं दिव्यांग (सीडब्ल्यूएसएन) विद्यार्थियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 90.16 प्रतिशत दर्ज किया गया।

बोर्ड ने बताया कि इस वर्ष 1,63,800 विद्यार्थियों को कंपार्टमेंट श्रेणी में रखा गया है, जो कुल परीक्षार्थियों का 9.26 प्रतिशत है। इसके अलावा, 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या 94,028 रही, जबकि 95 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करने वाले 17,113 विद्यार्थी रहे।

स्कूलों के प्रदर्शन की बात करें तो केंद्रीय विद्यालयों (केवी) का परिणाम सबसे बेहतर रहा, जहां 98.55 प्रतिशत विद्यार्थी सफल हुए।

योगी ने शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली को अधिक उत्तरदायी, अनुशासित और संसाधन-संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण निर्देश दिए

सिटी दर्पण संवाददाता

लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश मंत्रिमण्डल के सदस्यों से सप्ताह में कम से कम एक दिन सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने का आान करते हुए शासन में मितव्ययिता, ऊर्जा संरक्षण और जनप्रेरक आचरण की नई कार्य संस्कृति विकसित करने का संदेश दिया है। उन्होंने मंत्रिगण से अपनी वाहन फ्लीट को 50 प्रतिशत तक कम करने का आान भी किया है। मुख्यमंत्री ने अगले छह माह तक प्रदेश सरकार के सभी मंत्रियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों को अपरिहार्य परिस्थितियों को छोड़कर विदेश यात्राओं से परहेज करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री प्रदेश मंत्रिमण्डल के विस्तार के बाद आज यहाँ अपने सरकारी आवास पर विस्तारित मंत्रिमण्डल की प्रथम बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में मुख्यमंत्री ने शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली को अधिक उत्तरदायी, अनुशासित और संसाधन-संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से अनेक महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में ईंधन संरक्षण केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दायित्व भी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के पेट्रोल और डीजल की खपत को न्यूनतम रखने सम्बन्धी आान का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश मंत्रिमण्डल को स्वयं आदर्श प्रस्तुत करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्रिगण सप्ताह में एक निर्धारित दिन मेट्रो, बस, ई-रिक्शा, कार पूलिंग अथवा साइकिल जैसी सुविधाओं का उपयोग करें, ताकि समाज में सकारात्मक संदेश जाए और आमजन भी इनसे प्रेरणा लें। उन्होंने शासन एवं प्रशासनिक कार्यों में डिजिटल और वर्चुअल माध्यमों के अधिकतम उपयोग पर बल देते हुए निर्देश दिए कि अन्तरजनपदीय बैठकें, प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा विधानसभा एवं

विधान परिषद की स्टैण्डिंग कमेटियों की बैठकें यथासम्भव हाइब्रिड मोड में आयोजित की जाएं। मुख्यमंत्री ने सचिवालय और निदेशालय स्तर पर एयर कण्डीशनर एवं लिफ्ट के आवश्यकता-आधारित उपयोग के निर्देश देते हुए ए0सी0 का तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रखने तथा प्राकृतिक प्रकाश के अधिकतम उपयोग को प्रोत्साहित करने की बात कही। उन्होंने सार्वजनिक परिवहन, रेल यात्रा और कार पूलिंग को बढ़ावा देने के साथ 50 से अधिक कर्मचारियों वाले संस्थानों में सप्ताह में कम से कम दो दिन ह्यवर्क फ्रॉम होमह्व व्यवस्था अपनाने पर भी बल दिया।

मुख्यमंत्री ने ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरणीय संतुलन को शासन की प्राथमिकता बताते हुए सौर ऊर्जा के व्यापक उपयोग तथा जनजागरूकता अभियानों को रिहायशी कॉलोनियों, विद्यालयों और महाविद्यालयों तक विस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित करने के लिए नई नीति तैयार करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि स्वच्छ एवं ऊर्जा-कुशल परिवहन प्रणाली को बढ़ावा दिया जाए।

मुख्यमंत्री ने सामाजिक आयोजनों में भी मितव्ययिता और स्थानीय अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन देने का संदेश देते हुए कहा कि शादी-विवाह एवं अन्य समारोहों के लिए घरेलू स्थलों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, ताकि अनावश्यक व्यय पर रोक लगे और स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिले। उन्होंने ह्यवोकल फॉर लोकलह्व के मंत्र को व्यवहार में उतारने पर जोर देते हुए कहा कि मंत्रिगण उपहार स्वरूप उन्हीं वस्तुओं का उपयोग करें, जिनका निर्माण उत्तर प्रदेश में होता है। उन्होंने कहा कि ह्वएक जनपद, एक उत्पादह्व योजना के अन्तर्गत प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण स्थानीय उत्पादों की समृद्ध श्रृंखला उपलब्ध है, जिन्हें प्राथमिकता दी जानी चाहिए। बैठक में मुख्यमंत्री ने मंत्रिमण्डल में शामिल नए मंत्रिगण का औपचारिक परिचय कराया। उन्होंने कहा कि शासन के सभी अंगों में जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही सबसे अधिक होती है और जनता प्रतिदिन नेताओं एवं मंत्रियों के कार्यों का मूल्यांकन करती है। एक जनप्रतिनिधि का आचरण ही जनता के लिए सबसे बड़ा संदेश बनता है।

मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त मंत्रियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह बड़ा दायित्व है और आगामी विधानसभा चुनावों के दृष्टिगत समय भी अपेक्षाकृत कम है। ऐसे में सभी मंत्रियों को कम समय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना होगा। उन्होंने नए मंत्रियों को वरिष्ठ एवं अनुभवी मंत्रियों से संवाद बनाए रखते हुए सीखने और प्रभावी कार्यशैली विकसित करने की सलाह देते हुए निर्देश दिए कि कैबिनेट मंत्री विभागीय नीतिगत विषयों में अपने सहयोगी राज्य मंत्रियों का अभिमत अवश्य लें।

मंडी नगर निगम चुनावः मुख्यमंत्री सुक्खू ने संभाला मोर्चा, जयराम ठाकुर पर साधा तीखा निशाना

कहा, भाजपा ने पांच साल में नहीं किया कोई काम, कांग्रेस की सरकार में नहीं रहेगी पैसे की कमी

एजेंसी (हि.स.)

मंडी

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू भी बुधवार को मंडी नगर निगम के प्रचार में कूद गए। शिमला से मंडी सड़क मार्ग से शाम पांच बजे मंडी पहुंचे मुख्यमंत्री ने दस वार्डों के लिए चार जनसभाएं की।

उन्होंने प्रचार के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष पर ताबड़तोड़ हमले करते हुए कहा कि मंडी नगर निगम में भाजपा का शासन था और उस समय भाजपा की सरकार भी थी मगर उसके बावजूद भी कोई काम यहां पर नहीं हुआ। जयराम ठाकुर ने भी मुख्यमंत्री रहते हुए सराज का ही ख्याल रखा, वहां पर धड़ाधड़ 18 तो रेस्ट हाउस ही बना दिए मगर मंडी शहर की अनदेखी की। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वह कांग्रेस के उम्मीदवारों को जिताएं। यदि जिता दिया तो जैसे ही पार्षद कोई भी एस्टीमेट अपने वार्ड का लाएगा उसे तुरंत उसके लिए 50 लाख तक की राशि दे दी जाएगी। भले ही वह एक साथ 10 एस्टीमेट क्यों न लेकर आए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार के पास पैसे की कोई कमी नहीं है। भले ही उन्हें जितना मर्जी तंग किया जाए, मगर वह घबराने वाले नहीं हैं। भ्रष्टाचार के चोर दरवाजे बंद करेंगे और हिमाचल प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाकर ही दम लेंगे। उन्होंने कहा कि वह नगर निगम के कामों को जानते हैं, लोगों की तकलीफें व उनके छोटे छोटे कामों से वाकिफ हैं क्योंकि वह खुद पार्षद रह चुके हैं। टारना, नेला व टाऊन हाल में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के शासनकाल में नगर निगम का गठन जनभावनाओं के अनुरूप नहीं हुआ था। उन्होंने जयराम ठाकुर को घेरते हुए कहा कि आज वह ग्रामीण क्षेत्रों (जैसे बेहना वार्ड) को बाहर करने की बात कर रहे हैं, जबकि सत्ता में रहते हुए उन्होंने ही इन्हें शामिल किया था। मुख्यमंत्री ने तंज कसा कि शायद जयराम भूल गए हैं कि अब उनकी सरकार नहीं है। अब सरकार हमारी है और निर्णय हम लेंगे। सुक्खू ने आरोप लगाया कि जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री रहते हुए केवल अपने विधानसभा क्षेत्र सराज का ख्याल रखा, जहां 18-18 विश्राम गृह बना दिए गए, लेकिन मंडी शहर की अनदेखी की। उन्होंने कहा कि जब सत्ता में थे तो सराज का विकास किया और अब चुनाव आते ही मंडी मेरी है का रोना रो रहे हैं। उन्होंने भाजपा पर शिवधाम के लिए बजट का प्रावधान न करने और केवल चुनावी लाभ के लिए बिना स्टाफ के संस्थान खोलने का भी आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि कांग्रेस ने ओपीएस का वादा निभाया और शिक्षा के स्तर में सुधार के लिए पहली कक्षा से अंग्रेजी माध्यम शुरू किया। उन्होंने घोषणा की कि मंडी को 180 करोड़ रुपये से संवारा जाएगा और आइआरडीपी की 1.20 लाख महिलाओं को 1500-1500 रुपए की मासिक सम्मान निधि दी जाएगी।

भाजपा का संकल्प पत्र ही है समृद्ध मंडी का रोडमैप : जयराम

एजेंसी (हि.स.)

मंडी

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष ने सभी 14 वार्डों पर हो रहे चुनाव में मंडी वासियों से भाजपा प्रत्याशियों को जिताने की अपील की है। उन्होंने कहा कि मंडी नगर निगम चुनावों को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने अपने संकल्प पत्र' के माध्यम से शहर के सर्वांगीण विकास का एक विस्तृत खाका जनता के सामने प्रस्तुत किया है।

उन्होंने मंडी नगर निगम के सभी 14 वार्डों के निवासियों से भाजपा प्रत्याशियों को भारी मतों से जिताने की अपील की है, ताकि शहर को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाया जा सके। उन्होंने कहा कि भाजपा का यह संकल्प पत्र न केवल विकास के लक्ष्य हासिल करने का दस्तावेज है, बल्कि यह मंडी की सांस्कृतिक विरासत, आधुनिक अधोसंरचना, महिला सुरक्षा, युवा सशक्तिकरण और जन-सुविधाओं को एकीकृत करने का एक ठोस प्रयास है। जयराम ठाकुर ने कहा कि संकल्प पत्र के मुख्य बिंदुओं पर नजर डालें तो महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है, जिसके अंतर्गत शहर के प्रमुख बाजारों, बस स्टैंडों और संवेदनशील क्षेत्रों में एआई-पावर्ड हाई-रेजोल्यूशन सीसीटीवी कैमरों का जाल बिछाया जाएगा ताकि कानून व्यवस्था सुदृढ़ हो सके। साथ ही, स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम और इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से मंडी की यातायात समस्या का स्थायी समाधान निकालने का वादा किया गया है। महिलाओं के लिए 'स्वच्छता एवं सम्मान केंद्र' और 'पिंक टॉयलेट' की स्थापना, सैनिटरी वेंडिंग मशीनें और क्यूआर -आधारित निगरानी प्रणाली जैसे कदम महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण हैं। आपदा प्रबंधन के लिए भाजपा ने 'अर्ली वार्निंग सिस्टम' और मोबाइल अलर्ट सेवा का प्रस्ताव रखा है, जो विशेष रूप से मानसून के दौरान टारना हिल और पड्डल ग्राउंड जैसे क्षेत्रों के लिए जीवन रक्षक साबित होगा। शहर की स्वच्छता को लेकर 'स्वच्छ छोटी काशी - स्वच्छ भारत अभियान' के तहत घर-घर कचरा संग्रहण, जीपीएस-युक्त वाहन और कंपोस्टिंग यूनिट का वादा किया गया है। युवाओं के लिए मुफ्त हाई-स्पीड वाई-फाई, आधुनिक पुस्तकालय और वार्षिक 'कौशल विकास मेला' जैसे प्रावधान किए गए हैं ताकि स्वरोजगार के अवसर बढ़ें।

वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के लिए 'वरिष्ट सम्मान सेवा' के तहत निशुल्क पिक-अप और ड्रॉप सुविधा और 24/7 स्वास्थ्य परामर्श का वादा भाजपा की संवेदनशीलता को दशार्ता है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मंडी की 500 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए मंडी 500 वर्ष गौरव अभियान'चलाया जाएगा, जिसमें हेरिटेज वॉक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से पर्यटन को बढ़ावा देना शामिल है। इसके अतिरिक्त, सकोड़ी खड्ड के तटीकरण, नई सड़कों के निर्माण, बहुमंजिला पार्किंग परियोजनाओं और 'सेवासेतु' डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से घरेलू सेवाओं की उपलब्धता जैसे वादे मंडी को एक आधुनिक शहर बनाने की दिशा में भाजपा की प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं। 'चिट्टा मुक्त और नशा मुक्त मंडी' का संकल्प भाजपा के विजन का एक अनिवार्य हिस्सा है, जिसका उद्देश्य आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित भविष्य प्रदान करना है। जयराम ठाकुर ने विश्वास जताया है कि केंद्र और राज्य में भाजपा की सोच और नगर निगम में भाजपा की उपस्थिति 'विकास की गारंटी' बनेगी, जिससे मंडी न केवल हिमाचल बल्कि पूरे देश के लिए एक आदर्श नगर निगम के रूप में उभरेगा।

नशा मुक्त समाज के लिए जागरूकता ही सबसे बड़ा हथियारः जीडीसी बसोहली

एजेंसी (हि.स.)

कठुआ/बसोहली

नशा मुक्त भारत अभियान 2026 के तहत गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज बसोहली में जागरूकता व्याख्यान एवं सिग्नेचर अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाना और एक स्वस्थ व नशा मुक्त समाज को बढ़ावा देना रहा।

कार्यक्रम की शुरूआत कॉलेज के प्राचार्य प्रो. राजकिरण शर्मा द्वारा एक जागरूकता व्याख्यान से हुई। उन्होंने जनगणना 2027 के लिए कॉलेज में चल रहे तीन दिवसीय प्रशिक्षण में शामिल फील्ड ट्रेनर्स, एन्यूमरेटर और सुपरवाइजरों को संबोधित करते हुए नशे की बढ़ती समस्या को सामाजिक और स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त भारत के निर्माण में शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी एजेंसियों और समाज की साझा जिम्मेदारी है। प्रो. शर्मा ने जनगणना अधिकारियों से अपील की कि वे केवल अपने दायित्व तक सीमित न रहकर समाज में जागरूकता के दूत के रूप में भी कार्य करें। उन्होंने नशा मुक्त भारत अभियान के उद्देश्यों, जागरूकता, रोकथाम, पुनर्वास और सामुदायिक भागीदारी पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए शपथ ली और सिग्नेचर अभियान में भाग लेकर इस संकल्प को दोहराया।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 9 इंस्पेक्टरों को वापस बुलाया, 7 का तबादला किया एसीबी में

जम्मू। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने भ्रष्टाचार-विरोधी ब्यूरो (एसीबी) से नौ इंस्पेक्टरों को उनके संबंधित क्षेत्रों में वापस बुला लिया है जबकि सात अन्य इंस्पेक्टरों का तबादला तत्काल प्रभाव से एसीबी में कर दिया गया है। पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार यह फेरबदल प्रशासनिक हित में किया गया है और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) द्वारा अनुमोदित है। एसीबी से वापस बुलाए गए इंस्पेक्टरों में शौकत अहमद खान, मंजूर अहमद बेग, मोहम्मद सलीम, इम्तियाज अहमद, मोहम्मद तुफैल, मनजीत सिंह, राजपाल, तनवीर हुसैन और मोहम्मद हाफिज शामिल हैं। उन्हें क्रमशः कश्मीर जोन, जम्मू जोन और सशस्त्र जोन में तैनात किया गया है। इस बीच एसीबी में स्थानांतरित किए गए अधिकारियों में तारिक हसन, जसपाल सिंह, निसार हुसैन, सोहेल अहमद, आबिद अशरफ भट, मुख्तार अली और मोहम्मद इकबाल शामिल हैं जिन्हें पीएचक्यू, कश्मीर जोन, जम्मू जोन, सशस्त्र जोन और जीआरपी सहित विभिन्न इकाइयों से स्थानांतरित किया गया है। एक अलग आदेश में इंस्पेक्टर विमल कुमार कौल को सशस्त्र जोन से अलग करके तत्काल प्रभाव से एसीबी में स्थानांतरित कर दिया गया है।

ईंधन बचत के लिए हिमाचल के राज्यपाल ने काफिला आधा किया, हेलिकॉप्टर इस्तेमाल बंद

एजेंसी (हि.स.)

शिमला

पश्चिम एशिया में जारी तनाव और बढ़ती वैश्विक ईंधन चुनौतियों के बीच हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने ईंधन बचत को लेकर कई बड़े फैसलों का ऐलान किया है। राज्यपाल ने अपने सरकारी काफिले में शामिल वाहनों की संख्या आधी करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा है कि पश्चिम एशिया संकट खत्म होने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईंधन की कीमतों में स्थिरता आने तक वह सरकारी हेलिकॉप्टर का इस्तेमाल नहीं करेंगे।

राज्यपाल ने बुधवार को लोक भवन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन बचत और आत्मनिर्भरता की अपील को ध्यान में रखते हुए लोक भवन में ईंधन संरक्षण को लेकर विशेष कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने लोक भवन को ह्लफ्यूल कंजर्वेशन जोनह्व घोषित करते हुए कहा कि अब हर रविवार को यहां किसी भी सरकारी वाहन में पेट्रोल या डीजल का इस्तेमाल नहीं होगा। रविवार के दिन अधिकतर सरकारी काम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग या सीमित संयुक्त यात्रा व्यवस्था के जरिए किए जाएंगे। राज्यपाल ने कहा कि गैर-जरूरी बैठकों को ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया जाएगा ताकि अनावश्यक यात्रा और ईंधन खर्च को कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि जब देश के लोगों से ईंधन बचाने की अपील की जा रही है, तब सार्वजनिक पदों पर बैठे लोगों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। इसी सोच के तहत उन्होंने अपने सरकारी काफिले को छोटा करने और हेलिकॉप्टर का उपयोग बंद करने का फैसला लिया है। राज्यपाल ने लोगों से भी कारपूलिंग अपनाने, सार्वजनिक परिवहन का अधिक उपयोग करने और छोटी दूरी के लिए पैदल चलने या साइकिल का इस्तेमाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि ईंधन बचत केवल आर्थिक जरूरत नहीं बल्कि राष्ट्रीय जिम्मेदारी भी है।

राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति होने के नाते राज्यपाल ने सभी कुलपतियों से भी परिसरों में ऊर्जा और ईंधन संरक्षण को बढ़ावा देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने छात्रों और युवाओं से इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील करते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश हमेशा राष्ट्रीय हित के मुद्दों में आगे रहा है और आगे भी अपनी जिम्मेदारी निभाता रहेगा।

संक्षिप्त-समाचार

बिजली के झटके से तीन अलग-अलग घटनाओं में एक मजदूर की मौत, दो अन्य घायल

श्रीनगर। बुधवार को श्रीनगर के विभिन्न इलाकों में बिजली के झटके से तीन अलग-अलग घटनाएं हुईं जिनमें एक मजदूर की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि सौरा पुलिस स्टेशन की एक टीम ने हावल में काम करते समय गलती से बिजली के तार के संपर्क में आने से घायल एक व्यक्ति को बेहोशी की हालत में एसकेआईएमएस सौरा अस्पताल पहुंचाया। मृतक की पहचान नूरानी गोजर तुर्क के रूप में हुई जो खमीम गुलाम तुर्क के पुत्र और चुंटीमुल्ला बांदीपोरा का निवासी था। अधिकारियों ने बताया कि वह हैदरपोरा स्थित एक निजी कंपनी ₹ग्रीन ग्लॉसर₹ में मजदूर के रूप में काम करता था और हावल के इस्लामिया कॉलेज के पास एक बिजली के खंभे पर रंग लगा रहा था तभी यह घटना घटी। एसकेआईएमएस में डॉक्टरों ने उसे अस्पताल पहुंचते ही मृत घोषित कर दिया। एक अन्य घटना में मुनवरबाद इलाके से बिजली के झटके से झुलसे एक व्यक्ति को एसएमएचएस अस्पताल श्रीनगर लाया गया। अधिकारियों ने घायल व्यक्ति की पहचान इश्तियाक अहमद के रूप में की है जो गुलाम हसन का पुत्र और गांदरबल निवासी है। सहायकों के अनुसार वह मुनव्वरबाद के होटल नुमरूज में काम कर रहा था कि तभी उसे बिजली का झटका लगा। अस्पताल सूत्रों ने बताया कि उसकी हालत स्थिर है।

किश्तवाड़ निवासी मशकूर अहमद उर्फ मशकूर मास्टर गैर कानूनी गतिविधियों के तहत गिरफ्तार

किश्तवाड़। किश्तवाड़ जिले में पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने आतंकवाद के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। छात्रू निवासी मशकूर अहमद उर्फ मशकूर मास्टर को गैर कानूनी गतिविधियों के तहत गिरफ्तार किया गया है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार आरोपी सरकारी प्राइमरी स्कूल गुजराड़ी में शिक्षक था। मशकूर पर गंभीर आरोप हैं कि उसने पाकिस्तानी आतंकियों को छिपने की पनाह दी थी। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बताया जा रहा है कि आरोपी शिक्षक के साथ एक और व्यक्ति भी गिरफ्तार हुआ है। दोनों आरोपी पाकिस्तानी आतंकियों की मदद करते थे और जैश कमांडर सैफुल्लाह के इशारों पर काम करते थे। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि गिरफ्तार शिक्षक लंबे समय से आतंकियों को लॉजिस्टिक और स्थानीय सहायता प्रदान करवा रहा था। आरोपी शिक्षक आतंकियों को भोजन राशन उपलब्ध करवाता था। इसके अलावा उन्हें छिपाने के लिए ठिकाना मुहैया करवाने के साथ-साथ उनकी सुरक्षित आवाजाही में मदद भी करता था। आरोपी मास्टर की गतिविधियों पर काफी समय से निगरानी रखी जा रही थी और उसे क्षेत्र की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा माना जा रहा था। पुलिस ने विस्तृत जांच और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे गिरफ्तार किया है और उनके मददगारों के नेटवर्क को तोड़ने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है।

एमजीएच कठुआ में स्वास्थ्य सेवाओं और इंफ्रास्ट्रक्चर पर मंथन, सभी 23 एजेंडा प्रस्ताव पास

कठुआ। महात्मा गांधी अस्पताल कठुआ की रोगी कल्याण समिति की बैठक बुधवार को विधायक कठुआ डॉ. भारत भूषण की अध्यक्षता में मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक में अस्पताल के संचालन और विकास से जुड़े 23 एजेंडा बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई और सभी प्रस्तावों को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई। इस दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने, इंफ्रास्ट्रक्चर के उन्नयन, मरीजों को बेहतर सुविधाएं देने और स्टाफ की कमी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ। सदस्यों ने अस्पताल की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने, साफ-सफाई व्यवस्था में सुधार, आधुनिक जांच सुविधाओं के विस्तार और आवश्यक दवाओं की समय पर उपलब्धता पर भी जोर दिया। इस मौके पर डॉ. भारत भूषण ने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और विकास कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए ताकि अस्पताल की सेवाओं को और बेहतर बनाया जा सके। सीएमओ डॉ. विजय रैना ने बैठक में शामिल सभी अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सुझावों से जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ बनाने में मदद मिलेगी। बैठक में एमजीएच कठुआ के प्रभारी, जिला सूचना अधिकारी, जिला आयुष अधिकारी, जेपीडीसीएल, पीएचई और पीडब्ल्यूडी के कार्यकारी अभियंता, सीडीपीओ, बीडीओ, जेडईओ और एनएचएम के जिला लेखा प्रबंधक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

टाइनी स्कॉलर्स स्कूल के छात्रों ने 56 पदकों के साथ जीती कराटे चैंपियनशिप ट्रॉफी

कठुआ। टाइनी स्कॉलर्स स्कूल कठुआ के छात्रों ने इंटर स्कूल/कॉलेज ओपन कराटे-डो चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 56 पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया। यह प्रतियोगिता 10 मई 2026 को एसएमडीआरएसडी कॉलेज पठानकोट में आयोजित हुई जिसमें कई स्कूलों और कॉलेजों ने भाग लिया। स्कूल के खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल कौशल, अनुशासन और आत्मविश्वास का परिचय देते हुए 15 स्वर्ण, 18 रजत और 23 कांस्य पदक अपने नाम किए। इस शानदार प्रदर्शन के दम पर स्कूल ने विजेता ट्रॉफी भी हासिल की। स्कूल की मैनेजिंग डायरेक्टर मनीषा गुप्ता और प्रिंसिपल पूजा गुप्ता ने सभी विजेताओं और उनके मेंटर सचिन को बधाई देते हुए उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि छात्रों की मेहनत और प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में स्कूल परिसर में जश्न मनाया गया। स्कूल प्रबंधन ने सभी विजेताओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शिमला में बाइक कंपनी का शोरूम जलकर खाक, कार समेत कई वाहन राख

एजेंसी (हि.स.)

शिमला

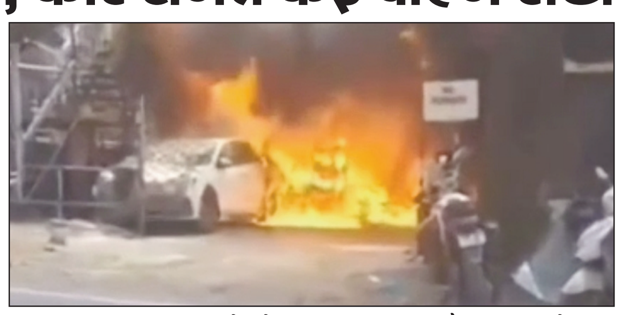

राजधानी शिमला के कच्ची घाटी इलाके में बुधवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब कालका-शिमला नेशनल हाईवे के किनारे स्थित एक नामी बाइक निमार्ता कंपनी हीरो-होंडा के शोरूम में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में पूरा शोरूम धुएं और आग की लपटों से घिर गया। हादसे में एक कार, कई बाइकें और स्कूटियां जलकर राख हो गईं। हालांकि राहत की बात यह रही कि समय रहते सभी कर्मचारी बाहर निकल आए और किसी तरह की जनहानि नहीं हुई।

जानकारी के अनुसार यह शोरूम पांच मंजिला भवन के चौथे फ्लोर में स्थित था। शोरूम के साथ ही कंपनी की वर्कशॉप भी चल रही थी। सुबह करीब साढ़े नौ बजे अचानक आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। आग लगते ही शोरूम में मौजूद कर्मचारियों ने बाहर भागकर अपनी जान बचाई। देखते ही देखते आग ने शोरूम के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। हाईवे से गुजर रहे लोग भी आग की ऊंची लपटें और धुएं का गुबार देखकर रुक गए। घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। बालूगंज, मॉल रोड और छोटा शिमला अग्निशमन केंद्रों से पांच फायर टेंडर आग बुझाने के लिए भेजे गए। दमकल कर्मियों ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया। आग बुझाने के दौरान आसपास के इलाके में लोगों की भारी भीड़ जमा रही और कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित हुआ। अग्निशमन केंद्र बालूगंज के प्रभारी गोपाल दास ने बताया कि शुरूआती आकलन के अनुसार इस अग्निकांड में करीब 50 लाख रुपये की संपत्ति जलकर राख हो गई है। उन्होंने कहा कि अगर समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता तो नुकसान और अधिक हो सकता था। अग्निशमन विभाग की टीमों ने करोड़ों रुपये की संपत्ति को बचाने में सफलता हासिल की। गोपाल दास के अनुसार आग में 15 बाइकें और 11 स्कूटियां पूरी तरह जल गईं।

राज्यपाल से प्रेरणा ले सुक्खू सरकार, फिजूल खर्च और ईंधन बचत पर उठाए कदमः भाजपा

शिमला। हिमाचल प्रदेश भाजपा ने राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल का ईंधन संरक्षण और सरकारी खर्चों में कटौती की पहल का स्वागत किया है। भाजपा के वरिष्ठ प्रदेश प्रवक्ता त्रिलोक कपूर ने बुधवार को एक बयान में कहा कि राज्यपाल ने हेलीकॉप्टर के सीमित उपयोग, सरकारी काफिले को छोटा करने और गैर-जरूरी बैठकों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आयोजित करने जैसे फैसले लेकर सादगी और जवाबदेही का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि अब मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और उनकी सरकार को भी इससे प्रेरणा लेकर ठोस कदम उठाने चाहिए। खासतौर पर फिजूल खर्च और ईंधन बचत पर कदम उठाने की जरूरत है। त्रिलोक कपूर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लंबे समय से देशवासियों से ईंधन संरक्षण और संसाधनों के सही उपयोग की अपील करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्यपाल ने इन बातों को व्यवहार में उतारकर एक उदाहरण पेश किया है। उनके अनुसार आज के समय में जब वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट और ईंधन की बढ़ती कीमतें चिंता का विषय हैं, तब संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति द्वारा इस तरह की पहल करना सराहनीय है।

नगर निगम चुनावी रण में उतरेंगे पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर

एजेंसी (हि.स.)

धर्मशाला

नगर निगम चुनावों के बीच भाजपा ने अपने चुनाव प्रचार अभियान को और तेज करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद अनुराग ठाकुर को मैदान में उतार दिया है। अनुराग ठाकुर 14 मई को कांगड़ा और धर्मशाला में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेकर भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में चुनाव प्रचार करेंगे।

भाजपा नेताओं ने कहा कि अनुराग ठाकुर का हिमाचल प्रदेश विशेषकर युवा वर्ग और भाजपा कार्यकताओं के बीच मजबूत जनाधार है और उनके चुनाव प्रचार में उतरने से नगर निगम चुनावों में भाजपा को और मजबूती मिलेगी। जारी कार्यक्रम के अनुसार अनुराग ठाकुर 14 मई को दोपहर 12:30 बजे बैजनाथ (कांगड़ा) के पंडोल रोड में आयोजित स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके बाद शाम 5 बजे धर्मशाला के कोतवाली बाजार स्थित सामुदायिक भवन में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे। भाजपा नेताओं का कहना है कि नगर निगम चुनावों में भाजपा का प्रचार अभियान लगातार गति पकड़ रहा है और प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर के नेताओं की सक्रिय भागीदारी से कार्यकताओं में उत्साह बढ़ा है। अनुराग ठाकुर की जनसभा को लेकर धर्मशाला और आसपास के क्षेत्रों में भाजपा कार्यकताओं ने तैयारियां तेज कर दी हैं। भाजपा का मानना है कि केंद्र सरकार की उपलब्धियों, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और भाजपा के स्थानीय विजन डॉक्यूमेंट को जनता का व्यापक समर्थन मिल रहा है। पार्टी नेताओं का कहना है कि नगर निगम चुनावों में भाजपा विकास, पारदर्शिता और बेहतर शहरी सुविधाओं के मुद्दों को लेकर जनता के बीच जा रही है।

जनता की दहलीज पर प्रशासन समस्याओं के त्वरित समाधान का भरोसा

एजेंसी (हि.स.)

कठुआ

आम लोगों की समस्याओं का जमीनी स्तर पर त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने बुधवार को ब्लॉक नगरी के पंचायत घर जराई में सार्वजनिक शिकायत निवारण शिविर आयोजित किया।

शिविर में स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए सड़क संपर्क, पेयजल आपूर्ति, बिजली, स्कूलों के बुनियादी ढांचे, खेल मैदानों की उपलब्धता और उद्योगों में रोजगार से जुड़ी विभिन्न समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखीं। इस दौरान डीसी ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ लोगों की समस्याएं ध्यानपूर्वक सुनीं। कई शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया गया जबकि शेष मामलों के शीघ्र निपटारे के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए। कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त ने पंचायत परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और हरित आवरण को बनाए रखने में सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर दिया। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने जिला प्रशासन की पारदर्शी, जवाबदेह और जन-केंद्रित कार्यप्रणाली को दोहराया तथा आश्वासन दिया कि सभी वास्तविक शिकायतों का समयबद्ध समाधान किया जाएगा। उन्होंने विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र लोगों से इनका लाभ उठाने की अपील की। उपायुक्त ने युवाओं से नशे से दूर रहने और अपनी ऊर्जा को सकारात्मक कार्यों एवं रोजगार के अवसरों में लगाने का आह्वान किया।

मौसम | 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से अंधड़ चलने की चेतावनी

हिमाचल में 16 मई तक बारिश-आंधी का अलर्ट

हिमाचल में मौसम का मिजाज बिगड़ा

एजेंसी (हि.स.)

शिमला

हिमाचल प्रदेश में अगले चार दिनों तक मौसम पूरी तरह स्थिर रहने वाला नहीं है। मौसम विभाग ने 16 मई तक प्रदेश के कई हिस्सों में आंधी, बारिश, बिजली चमकने और तेज हवाएं चलने का अलर्ट जारी किया है।

विभाग के अनुसार, 13, 15 और 16 मई को प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। वहीं 14 मई को भी कुछ स्थानों पर गर्जन और बिजली चमकने की संभावना जताई गई है। हालांकि 18 और 19 मई से मौसम के साफ और शुष्क रहने के आसार हैं। इससे राज्य में गर्मी का असर बढ़ना शुरू हो जाएगा। इसी बीच, बुधवार सुबह शिमला सहित प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में धूप खिली रही। राजधानी शिमला में मौसम साफ रहने से लोगों को सुहावना मौसम देखने को मिला, जबकि ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर और सिरमौर जैसे निचले और मैदानी इलाकों में हल्की उमस महसूस की गई। दूसरी ओर जनजातीय और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में अब भी ठंड का असर बना हुआ है।

लाहौल-स्पीति के केलांग में न्यूनतम तापमान 2.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सबसे कम रहा। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश का औसत न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस नीचे चल रहा है। प्रदेश के अलग-अलग शहरों के न्यूनतम तापमान पर नजर डालें तो शिमला में 15.6 डिग्री, सुंदरनगर 16.9, भुंतर 12.3, कल्पा 6.4, धर्मशाला 13.8, ऊना 20.2, नाहन 17.7, पालमपुर 17.5, सोलन 15.2, मनाली 9.8, कांगड़ा 19.6, मंडी 17.3, बिलासपुर 21 डिग्री, चंबा 15.2, जुब्बड़हट्टी 18.2, कुफरी 10.6, कुकुमसेरी 5.7, सेओबाग 9 डिग्री, बरठीं 18.4, पांवटा साहिब 23, सराहन 12, देहरा गोपीपुर 20 और ताबो में 3.1 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। बीते 24 घंटों के दौरान प्रदेश के कुछ इलाकों में हल्की बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक 12.6 मिलीमीटर वर्षा कुकुमसेरी में हुई। इसके अलावा सेओबाग में 4.8 मिमी, रेणुका-ददाहू में 3.6 मिमी, गोंदला में 3.4 मिमी, सलोनी में 3.2 मिमी, धौलाकुआं में 1.5 मिमी, जोगिंदरनगर, संगड़ाह और चंबा में 1-1 मिमी, जबकि कल्पा में 0.2 और कोटखाई में 0.1 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने बताया कि कांगड़ा और भुंतर में बिजली चमकने की घटनाएं भी हुईं, हालांकि कहीं से किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय बना हुआ है और 15 मई से एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित कर सकता है। इसी के चलते 16 मई तक मौसम खराब रहने की संभावना बनी हुई है, जबकि 18 मई से मौसम खुलने की उम्मीद है।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का

न्वोन्मेषकः स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापकः स्व. सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।

संपर्कः 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

किशाऊ बांध परियोजना में आए तेजी, पड़ोसी राज्यों में जल्द हो एमओयू: नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर की चर्चा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सीआर पाटिल की अध्यक्षता में नई दिल्ली स्थित उनके निवास स्थान पर बुधवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी और राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा के बीच बैठक हुई। इस दौरान दोनों राज्यों के आला अधिकारी भी शामिल हुए। बैठक में हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने केंद्रीय मंत्री के समक्ष कुछ पड़ोसी राज्यों से जुड़े साझा मुद्दों व हरियाणा से जुड़े पानी के विषयों को रखा। उन्होंने किशाऊ बांध परियोजना में तेजी लाने और जल्द से जल्द पड़ोसी राज्यों के बीच इस परियोजना को लेकर एमओयू किए जाने का विषय रखा।

इस पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सीआर पाटिल ने अपने सचिव को निर्देश दिए कि जल्द से जल्द किशाऊ बांध को लेकर हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान के अधिकारियों की बैठक आयोजित की जाए और बांध से जुड़े जल बंटवारे व बिजली को लेकर फैसला किया जाए। इसके उपरांत इसे लेकर शीघ्र ही मुख्यमंत्रियों की बैठक बुलाई जाए और एमओयू से जुड़े काम को पूरा किया जाए। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह बांध परियोजना सभी प्रदेशों के लिए महत्वपूर्ण है। इससे बड़ी मात्रा में पानी मिलेगा, जो सभी के लिए बेहद आवश्यक है। इससे सभी राज्यों को लाभ मिलेगा। इस विषय पर केंद्रीय मंत्री श्री सीआर पाटिल ने अपने विभाग के अधिकारियों को जल्द से जल्द इस विषय पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने फरीदाबाद और पलवल के लिए उत्तर प्रदेश से अपर गंगा कैनाल से पानी लेने को लेकर चर्चा की। उन्होंने इस संबंध में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सीआर पाटिल से मार्गदर्शन कर जल्द से जल्द इस योजना को आगे बढ़ाने का अनुरोध भी किया। बैठक में मुनक कैनाल से गुरुग्राम और नूंह जिला तक पानी की सप्लाई पहुंचाने से जुड़ी 2000 करोड़ की परियोजना की भी केंद्रीय जल शक्ति मंत्री से चर्चा की। इस संबंध में केंद्रीय मंत्री ने इस परियोजना को लेकर जो भी संभव सहायता होगी, उसे देने का आश्वासन दिया। बैठक में आरआरटीएस परियोजना को लेकर राजस्थान से जुड़े विषय पर चर्चा भी हुई। नजफगढ़ में जलभराव को लेकर भी चर्चा की गई।

इस दौरान हरियाणा के मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री अनुराग अग्रवाल व अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम आज विवादों की सुनवाई करेगा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- मंच 1 लाख रुपये से 3 लाख रुपये तक की राशि के वित्तीय विवादों से संबंधित शिकायतों की करेगा सुनवाई

उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम उपभोक्ताओं को विश्वसनीय और निर्बाध बिजली की आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है। उपभोक्ता संतुष्टि के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बिजली निगम द्वारा अनेक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम प्रारंभ किये गए हैं ताकि उपभोक्ताओं की समस्याओं को त्वरित रूप में सुलझाया जा सके।

उक्त जानकारी देते हुए बिजली निगम के प्रवक्ता ने बताया कि उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच रेगुलेशन 2.8.2 के अनुसार में 1 लाख रुपये से अधिक और 3 लाख रुपये तक की राशि के वित्तीय विवादों से संबंधित शिकायतों की सुनवाई करेगा। रोहतक जोन के अंतर्गत आने वाले जिलों (करनाल, पानीपत, सोनीपत, झज्जर और रोहतक) के उपभोक्ताओं की शिकायतों का निवारण रोहतक जोन की उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच की कार्यवाही 14 मई, 2026 को राजीव गांधी विद्युत भवन, पॉवर हाउस रोहतक के कांफ्रेंस हॉल में प्रातः 11 बजे से दोपहर 01 बजे तक किया जायेगा।

उन्होंने बताया कि रोहतक जोन के अंतर्गत आने वाले जिलों के उपभोक्ताओं के गलत बिलों, बिजली की दरों से सम्बंधित मामलों, मीटर सिक्योरिटी से जुड़े मामलों, खराब हुए मीटरों से सम्बंधित मामलों, वोल्टेज से जुड़े हुए मामलों का भी निस्तारण किया जाएगा। इस दौरान बिजली चोरी, बिजली के दुरूप्योग और घातक गैर-घातक दुर्घटना आदि मामलों पर विचार नहीं किया जाएगा। उपभोक्ता और निगम के बीच किसी भी विवाद के निपटान के लिए फोरम में वित्तिय विवादों से संबंधित शिकायत प्रस्तुत करने से पहले पिछले छह महीनों के दौरान उपभोक्ता द्वारा भुगतान किए गए बिजली के औसत शुल्क के आधार पर गणना की गई प्रत्येक माह के लिए दावा की गई राशि या उसके द्वारा देय बिजली शुल्क के बराबर राशि, जो कम है, उपभोक्ता को जमा करवानी होगी। इस दौरान उपभोक्ता को प्रमाणित करना होगा कि यह मामला अदालत, प्राधिकरण या फोरम के समक्ष पेंडिंग (लंबित) नहीं है क्योंकि इस न्यायालय या फोरम में विचाराधीन मामलों पर बैठक के दौरान विचार नहीं किया जाएगा।

उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम उपभोक्ताओं से अपील करता है कि वे अपनी बिजली से संबंधित समस्याओं का समाधान कार्यवाही 14 मई, 2026 को राजीव गांधी विद्युत भवन, पॉवर हाउस रोहतक के कांफ्रेंस हॉल में प्रातः 11 बजे से दोपहर 01 बजे तक होने वाली कार्यवाही में सम्मिलित होकर अपनी समस्याओं का समाधान करवाएं। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम प्रदेश के सभी उपभोक्ताओं को निरंतर एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति मुहैया करवाने के लिए वचनबद्ध है।

एमडीयू में प्रवेश समिति की बैठक आयोजित

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- दाखिला प्रक्रिया को व्यवस्थित, पारदर्शी और स्टूडेंट सेंट्रिक बनाने पर जोर

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) रोहतक में कुलगुरु प्रो. मिलाप पूनिया की अध्यक्षता में प्रवेश समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 की प्रवेश प्रक्रिया को सुचारू, पारदर्शी एवं स्टूडेंट सेंट्रिक बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कुलगुरु प्रो. मिलाप पूनिया ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना है। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, समयबद्ध और तकनीक आधारित हो ताकि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि ऑनलाइन आवेदन, दस्तावेज सत्यापन तथा काउंसलिंग प्रक्रिया को सरल और प्रभावी बनाया जाए। बैठक में विभिन्न संकायों एवं विभागों में उपलब्ध सीटों, प्रवेश नियमों, मेरिट प्रक्रिया तथा नई शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के तहत लागू प्रावधानों पर भी चर्चा की गई। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को आधुनिक एवं रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और इसी उद्देश्य से पाठ्यक्रमों को समयानुकूल बनाया जा रहा है। कुलगुरु प्रो. पूनिया ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रवेश से संबंधित सभी सूचनाएं समय-समय पर विश्वविद्यालय की वेबसाइट और अन्य माध्यमों से विद्यार्थियों तक पहुंचाई जाए, ताकि उन्हें आवेदन प्रक्रिया में किसी प्रकार की दिक्कत न हो। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों के लिए अनुकूल और सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित किया जाएगा।

प्राकृतिक और जैविक खेती करने वाले किसानों को मिलेगा पांच वर्षों तक 10,000 रुपये प्रति एकड़ अनुदान : श्याम सिंह राणा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में प्राकृतिक और जैविक खेती को व्यापक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए ठोस और दूरगामी कदम उठा रही है। इस पहल का उद्देश्य न केवल किसानों की आय में वृद्धि करना है, बल्कि भूमि की उर्वरता को बनाए रखते हुए रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग को भी कम करना है।

उन्होंने बताया कि बदलते समय में उपभोक्ता भी स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूक हो रहे हैं और जैविक उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है। ऐसे में हरियाणा सरकार किसानों को इस दिशा में प्रोत्साहित कर रही है ताकि उन्हें अपनी उपज का बेहतर बाजार मूल्य मिल सके।

श्री राणा ने आगे बताया कि राज्य में कृषि विभाग के स्वामित्व वाली लगभग 800 एकड़ भूमि को भी इस योजना के तहत उपयोग में लाया जाएगा। यह भूमि केवल उन्हीं किसानों को पट्टे पर दी जाएगी, जो कम से कम 10 वर्षों तक उस पर प्राकृतिक या जैविक खेती करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। इस कदम से दीर्घकालिक रूप से जैविक खेती का एक मजबूत आधार तैयार होगा और किसानों को स्थायी लाभ मिलेगा।

कृषि मंत्री ने यह भी बताया कि किसानों को प्रमाणन प्रक्रिया में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए राज्य स्तर पर ही एक अधिकृत संस्था विकसित की जा रही है। इसके तहत ₹हरियाणा राज्य बीज प्रमाणीकरण एजेंसी₹ को जैविक खेती के प्रमाणीकरण के लिए अधिकृत संस्था के रूप में नामित किया जाएगा। इससे किसानों को बाहर की एजेंसियों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और समय व लागत दोनों की बचत होगी।

उन्होंने बताया कि राज्य के विभिन्न जिलों—पंचकूला, यमुनानगर, करनाल, सोनीपत, रोहतक, गुरुग्राम, फरीदाबाद, हिसार, चरखी दादरी और नारनौल—में प्राकृतिक और जैविक खेती करने वाले किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए मंडियों में विशेष स्थान उपलब्ध करवाया जाएगा। इन मंडियों में उपज की गुणवत्ता जांच के लिए आधुनिक प्रयोगशालाओं का भी निर्माण किया जाएगा, जिन्हें ₹ हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड₹ द्वारा विकसित किया जाएगा। श्री राणा ने कहा कि इन प्रयोगशालाओं के स्थापित होने के बाद, उपज के परीक्षण और प्रमाणीकरण के लिए एपीडा से मान्यता प्राप्त करने की प्रक्रिया भी पूरी कर ली जाएगी, जिसे हरियाणा राज्य बीज प्रमाणीकरण एजेंसी द्वारा संचालित किया जाएगा। इससे हरियाणा के जैविक उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में पहचान मिलेगी।

उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक होगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, मिट्टी की गुणवत्ता सुधार और लोगों को स्वस्थ खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

संक्षिप्त-समाचार

एमडीयू का बीए इंग्लिश कोर्स देगा ग्लोबल करियर की उड़ान, एडमिशन शुरू

चंडीगढ़। आज के दौर में अंग्रेजी भाषा केवल एक विषय नहीं, बल्कि बेहतर करियर और वैश्विक अवसरों की मजबूत कुंजी बन चुकी है। इसी कड़ी में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू), रोहतक ने सत्र 2026-27 के लिए 4 वर्षीय बीए (इंग्लिश) पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के अनुरूप तैयार यह कोर्स विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा, डिजिटल स्किल्स और रोजगारपरक क्षमताओं से जोड़ने पर केंद्रित है। विश्वविद्यालय की ओर से 4 वर्षीय बीए (इंग्लिश) पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 11 मई से शुरू हो चुकी है, जबकि आवेदन की अंतिम तिथि 26 मई निर्धारित की गई है। बीए इंग्लिश कार्यक्रम में लगभग 60 सीटें उपलब्ध हैं। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को भाषा दक्षता, प्रभावी संचार कौशल, क्रिटिकल थिंकिंग, रचनात्मक लेखन और डिजिटल समझ विकसित करने का अवसर देता है। नई शिक्षा नीति के तहत तैयार चार वर्षीय संरचना विद्यार्थियों को मल्टीपल एग्जिट ऑप्शन, स्किल एन्हांसमेंट कोर्स, रिसर्च प्रोजेक्ट, इंटर्नशिप और इंटरडिसिप्लिनरी अध्ययन जैसी सुविधाएं प्रदान करेगी। इससे विद्यार्थी केवल डिग्री तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि व्यावहारिक अनुभव और प्रोफेशनल स्किल्स भी हासिल कर सकेंगे।

एमडीयू में इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों की मई-2026 परीक्षाएं 20 मई से शुरू

चंडीगढ़। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) रोहतक के इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों- बी.आर्क तथा एम.टेक/एम.आर्क/एम.प्लानिंग के विभिन्न सेमेस्टर की मई-2026 सत्र की थ्योरी परीक्षाएं 20 मई से प्रारंभ होंगी। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि बी.आर्क के द्वितीय, चतुर्थ, षष्ठ एवं अष्टम सेमेस्टर (रेगुलर एवं री-अपीयर) तथा एम.टेक, एम.आर्क एवं एम. प्लानिंग के द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर (रेगुलर एवं री-अपीयर) और तृतीय सेमेस्टर (केवल री-अपीयर) की परीक्षाएं 20 मई से शुरू होंगी। डेटशीट विश्वविद्यालय वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी।

हरियाणा कैबिनेट की बैठक 18 को, मुख्यमंत्री सैनी की अध्यक्षता में होगी मंत्रिमंडल की बैठक

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक आगामी 18 मई को प्रातः 10:00 बजे हरियाणा सिविल सचिवालय के मुख्य सभा कक्ष में होगी। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की गई है।

हिसार-मंगाली-स्याहड़वा सडक की होगी विशेष मरम्मत, लोगों को मिलेगी बड़ी राहत

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने अत्यधिक जलभराव से खराब हुए हिसार-मंगाली-स्याहड़वा सडक मार्ग की विशेष मरम्मत को स्वीकृति प्रदान कर दी है। लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस सडक मार्ग की विशेष मरम्मत के लिए 3 करोड़ 9 लाख से 24 हजार रुपये की राशि मंजूर की गई है। गत वर्ष हुई अत्यधिक बारिश और जलभराव के कारण यह सडक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी, जिससे इस मार्ग से जुड़े अनेक गांवों के लोगों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने बताया कि सडक की खराब स्थिति के कारण ग्रामीणों को वैकल्पिक रास्ता अपनाना पड़ता था। अब इस सडक मार्ग की विशेष मरम्मत होने से क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। कैबिनेट मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि सडक के सुधरने से हिसार क्षेत्र के आसपास के गांवों की कनेक्टिविटी मजबूत होगी और लोगों का सफर अधिक सुरक्षित व सुगम बनेगा। उन्होंने बताया कि सड़क मार्ग की विशेष मरम्मत के लिए मेंटेनेंस पॉलिसी और डीएलपी की शर्तों में भी छूट दी गई है ताकि कार्य को जल्द से जल्द पूरा किया जा सके। सरकार का उद्देश्य है कि आम जनता को बेहतर सडक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में किसी प्रकार की बाधा न आए।

हरियाणा में ग्रुप-डी के रिक्त पदों की भर्ती प्रक्रिया में तेजी, विभागों को एचएसएससी पोर्टल पर 31 मई तक भेजनी होगी मांग

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य के विभिन्न विभागों, बोर्डों, निगमों, प्राधिकरणों तथा अन्य सरकारी एजेंसियों में रिक्त ग्रुप-डी के नियमित पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके तहत चौकीदार और स्वीपर के पदों को छोड़कर अन्य सभी रिक्त नियमित ग्रुप-डी पद हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) के माध्यम से भरे जाएंगे। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने इस संबंध में सभी प्रशासनिक सचिवों, बोर्डों, निगमों, वैधानिक निकायों तथा राज्य सरकार के स्वामित्व और नियंत्रण वाली अन्य एजेंसियों के प्रमुखों को रिक्त पदों की नई मांग 31 मई, 2026 तक एचएसएससी के पोर्टल अपलोड करने के निर्देश दिए हैं। विभागों को स्वीकृत पदों, नियमित कर्मचारियों द्वारा भरे गए पदों तथा हरियाणा अनुबंध कर्मचारी (सेवा सुरक्षा) अधिनियम, 2024 के तहत कार्यरत अनुबंध कर्मचारियों द्वारा भरे गए पदों का विवरण देने के भी निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा, पांच वर्ष की सेवा पूरी कर चुके अनुबंध कर्मचारियों और पांच वर्ष की सेवा पूरी नहीं करने वाले कर्मचारियों का अलग-अलग विवरण उपलब्ध कराने को कहा गया है।

हरियाणा के युवाओं के साथ अन्याय और अपारदर्शी भर्ती प्रक्रिया बेहद चिंताजनक: कुमारी सैलजा

चंडीगढ़। सिरसा की सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री, सीडब्ल्यूसी की मेंबर एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव कुमारी सैलजा ने हरियाणा में असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती प्रक्रिया को लेकर भाजपा सरकार पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं के भविष्य के साथ लगातार अन्याय हो रहा है। भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता की कमी, पेपर लीक, लंबे समय तक भर्तियों का लंबित रहना और चयन प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवाल युवाओं में भारी निराशा पैदा कर रहे हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि असिस्टेंट प्रोफेसर (हिंदी) भर्ती में अनारक्षित वर्ग की 67 पोस्ट में से 7 पद खाली छोड़ दिए गए, जबकि चयनित 60 अभ्यर्थियों में से 41 दूसरे राज्यों से चुने गए। वहीं असिस्टेंट प्रोफेसर (साइकोलाजी) के 85 पदों के लिए लगभग 400 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, लेकिन केवल 3 अभ्यर्थियों को ही पास घोषित किया गया।

निकाय चुनाव में जनता ने मोदी और भाजपा की नीतियों पर लगाई मुहर: नायब सिंह सैनी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने निकाय चुनाव में जीत दर्ज करने पर सभी विजयी उम्मीदवारों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आम जनता ने निकाय चुनाव में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी की नीतियों पर जीत की मुहर लगाई है। मुख्यमंत्री बुधवार को नई दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। इस मौके पर विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद है, उनके नेतृत्व में नॉन स्टॉप भारतीय जनता पार्टी की सरकारें बन रही हैं। प्रधानमंत्री की नीतियों पर लगातार आम जनता का विश्वास बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लगातार झूठ का सहारा लेकर लोगों के बीच में जाती है। लोग कांग्रेस के चेहरे को जान गई है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जो कहते हैं, उसे पूरा करते हैं। उनके नेतृत्व में पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक जीत दर्ज की, असम में भारी बहुमत से भाजपा ने जीत दर्ज की। इसी तरह हरियाणा में हुए निकाय चुनाव में एकतरफा जीत दर्ज की गई है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जनता ने चुनावों में कांग्रेस के चेहरे से नकाब उतारा है। कांग्रेस झूठ बोलने का काम करती है। जनता ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी की नीतियों पर विश्वास जताया है।

अम्बाला की धरा से गगन चूमेगी राष्ट्रभक्ति, 210 फुट ऊंचे तिरंगे से सुसज्जित होगा 1857 का शहीद स्मारक: विज

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- शहीद स्मारक में लगा तिरंगा लोगों को राष्ट्रभक्ति का संदेश देगा, अम्बाला में होगा यह सबसे ऊंचा तिरंगा
- ऊर्जा मंत्री ने शहीद स्मारक में तिरंगा लगाने के स्थान का मुआयना किया, दिशा-निर्देश दिए

हरियाणा की वीर भूमि, अम्बाला छावनी में बना शहीद स्मारक न केवल राज्य के लिए बल्कि पूरे देश के लिए देशभक्ति का एक नया केंद्र बनने जा रहा है। 1857 में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की यादों को समेटे शहीद स्मारक में अब एक और भव्य अध्याय जुडऩे जा रहा है।

हरियाणा के ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज ने बताया कि अब शहीद स्मारक परिसर में विशाल तिरंगा फहराया जाएगा, जिसकी ऊंचाई 210 फुट होगी। यह तिरंगा स्मारक में 206 फुट ऊंचे मेमोरियल टॉवर से भी ऊंचा होगा, जो दूर से ही लोगों को राष्ट्रभक्ति का संदेश देगा। अम्बाला में यह सबसे ऊंचा तिरंगा होगा। विज ने तिरंगा लगाने के स्थान को लेकर अम्बाला कैंट स्थित शहीद स्मारक में मुआयना किया और अधिकारियों के साथ चर्चा कर तिरंगा जल्द लगाने के दिशा-निर्देश दिए। मौके पर मौजूद शहीद स्मारक के निदेशक डा. कुलदीप सैनी ने बताया कि तिरंगा फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा लगाया जाएगा और जल्द तकनीकी टीम इसको लेकर शहीद स्मारक में आ रही है। शहीद स्मारक में 210 फुट की ऊंचाई पर लहराता तिरंगा इस बात का प्रमाण होगा कि शहीदों का बलिदान सर्वोच्च है। यह स्मारक आने वाले समय में कुरुक्षेत्र और अन्य ऐतिहासिक स्थलों की तरह दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित करेगा। शहीद स्मारक न केवल हरियाणा का बल्कि भारत का एक प्रमुख ऐतिहासिक गंतव्य बनेगा। किसी भी स्मारक में तिरंगा सबसे ऊंचा होना चाहिए, यह भावना सम्मान और संप्रभुता का प्रतीक है। अधिकारियों के अनुसार, यह निर्णय इसलिए लिया गया ताकि जब कोई पर्यटक स्मारक को देखे, तो सबसे पहले उसकी नजर देश की आन-बान और शान तिरंगे पर पड़े। 1857 में देश के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम को समर्पित शहीद स्मारक का निर्माण ऊर्जा मंत्री अनिल विज के प्रयासों से अम्बाला छावनी में किया जा रहा है। जीटी रोड पर 22 एकड़ भूमि पर निर्मित शहीद स्मारक में 1857 में शहीद हुए अनसंग वीरों को नमन किया जा सकेगा। लगभग 700 करोड़ रुपए की लागत से शहीद स्मारक बन चुका है।

प्रदेश के राजकीय कॉलेजों को मिले 435 नए असिस्टेंट प्रोफेसर

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा ने दी बधाई

हरियाणा की उच्च शिक्षा प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ और प्रभावी बनाने की दिशा में प्रदेश सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है।

हरियाणा के शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा ने आज प्रदेश के राजकीय कॉलेजों के लिए नवनियुक्त 435 असिस्टेंट प्रोफेसरों को उनके नियुक्ति स्थान (स्टेशन) सहित नियुक्ति पत्र दिए।

इस भर्ती प्रक्रिया के तहत प्रदेश के कॉलेजों को विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों में नए शिक्षक मिले हैं। इन नियुक्तियों में ज्योग्राफी (भूगोल) के 277, राजनीति विज्ञान के 71 और इतिहास के 87 असिस्टेंट प्रोफेसर शामिल हैं।

शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा ने नवनियुक्त शिक्षकों बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का समाज के निर्माण में सर्वोच्च स्थान होता है और उच्च शिक्षा की गुणवत्ता सीधे तौर पर हमारे युवाओं के भविष्य को निर्धारित करती है।

शिक्षा मंत्री ने नवनियुक्त प्रोफेसरों से आह्वान किया कि वे पूरी निष्ठा और मेहनत के साथ विद्यार्थियों को पढ़ाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य प्रदेश के हर युवा को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। उम्मीद है कि आपकी नियुक्ति से कॉलेजों में शैक्षणिक वातावरण और अधिक बेहतर होगा और विद्यार्थियों को अपने विषयों में गहन शोध और ज्ञान प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

श्री ढांडा ने कहा कि कॉलेजों में खाली पदों को भरना सरकार की प्राथमिकता है, ताकि किसी भी कॉलेज में शैक्षणिक कार्य बाधित न हो। इन 435 नियुक्तियों से प्रदेश के राजकीय कॉलेजों में शिक्षकों की कमी दूर होगी, जिससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के हजारों विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा।

एनबीए मान्यता प्राप्त करने वाले संस्थानों को मिलेगा 5 लाख का प्रोत्साहन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद में नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रीडिटेशन (एनबीए), हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद तथा तकनीकी शिक्षा निदेशालय, हरियाणा सरकार के संयुक्त तत्वावधान में हरियाणा के इंजीनियरिंग कॉलेजेस के लिए आउटकम बेस्ड एजुकेशन एवं प्रत्यायन विषय पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रदेशभर के तकनीकी शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों, प्राचार्यों एवं प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राजीव कुमार, तकनीकी शिक्षा विभाग के महानिदेशक श्री प्रभजोत सिंह, हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा, उपाध्यक्ष प्रो. एस.के. गक्खड़, तकनीकी शिक्षा विभाग के निदेशक डॉ. वाई.पी.एस. बेरवाल, एनबीए के सदस्य सचिव डॉ. अनिल कुमार नासा तथा हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के राज्य परियोजना निदेशक प्रो. आर.एस. राठौर विशेष रूप से उपस्थित रहे।

हरियाणा तकनीकी शिक्षा विभाग के महानिदेशक श्री प्रभजोत सिंह ने हरियाणा सरकार की ओर से एनबीए प्रत्यायन को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण प्रोत्साहन योजनाओं की घोषणा की। उन्होंने बताया कि 1 अप्रैल के बाद एनबीए प्रत्यायन प्राप्त करने वाले संस्थानों को 5 लाख की प्रोत्साहन राशि तथा प्रत्यायन शुल्क की प्रतिपूर्ति प्रदान की जाएगी, जबकि पहले से प्रत्यायित संस्थानों को शुल्क का 50 प्रतिशत वापस किया जाएगा। उन्होंने सरकारी एवं निजी दोनों प्रकार के संस्थानों से गुणवत्ता सुधार और प्रत्यायन के लिए सक्रिय प्रयास करने का आह्वान किया। प्रो. आर.एस. राठौर ने कहा कि तकनीकी शिक्षा में गुणवत्ता सुनिश्चित करने और वैश्विक मानकों के अनुरूप संस्थानों को तैयार करने के लिए ऐसी कार्यशालाएं अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने एनबीए का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हरियाणा में इस प्रकार की पहल संस्थानों को आउटकम बेस्ड एजुकेशन को बेहतर ढंग से समझने और लागू करने में सहायक होगी। कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए डॉ. अनिल कुमार नासा ने बताया कि एनबीए प्रत्यायन विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उच्च शिक्षा एवं रोजगार के अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने बताया कि एनबीए, वाशिंगटन समझौता का सदस्य होने के कारण मान्यता प्राप्त संस्थानों के छात्रों को वैश्विक स्तर पर अकादमिक स्वीकार्यता मिलती है। उन्होंने संस्थानों से संशोधित ग्रेजुएट एट्रिब्यूट और प्रोफेशनल कॉम्पिटेंसी ग्रेजुएट एट्रिब्यूट्स और प्रोफेशनल कॉम्पिटेंसीज (जीएपीसी संस्करण 4) के अनुरूप अपने पाठ्यक्रमों को ढालने तथा आवश्यक छात्र-शिक्षक अनुपात एवं गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित करने का आह्वान किया। डॉ. वाई.पी.एस. बेरवाल ने कहा कि एनबीए प्रत्यायन से न केवल छात्रों को वैश्विक स्तर पर लाभ मिलता है, बल्कि संस्थानों की शैक्षणिक गुणवत्ता, रोजगारपरकता और सरकारी सहायता प्राप्त करने की संभावनाएं भी बढ़ती हैं। उन्होंने बताया कि तकनीकी शिक्षा विभाग संस्थानों को प्रत्यायन के लिए आवश्यक सहयोग प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है। प्रो. एस.के. गक्खड़ ने उच्च शिक्षा में गुणवत्ता, शोध संस्कृति और संस्थागत आत्ममंथन की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि छोटे-छोटे सुधार भी शिक्षा व्यवस्था में बड़े परिवर्तन ला सकते हैं। उन्होंने शोध एवं नवाचार को राष्ट्रीय विकास का आधार बताते हुए संस्थानों से इन क्षेत्रों में विशेष ध्यान देने की अपील की। प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा ने एनबीए प्रत्यायन को उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि इससे संस्थान वैश्विक मानकों के अनुरूप अपनी शैक्षणिक गुणवत्ता को स्थापित कर सकते हैं। उन्होंने छात्र-शिक्षक अनुपात, शोध, नवाचारी शिक्षण पद्धतियों तथा छात्रों में ज्ञान, कौशल, दृष्टिकोण एवं नैतिक मूल्यों के विकास पर विशेष बल दिया।

संपादकीय

मितव्ययिता का संदेश: मोदी सरकार का आत्मनिर्भर नेतृत्व

वैश्विक ऊर्जा संकट के इस दौर में जब पश्चिम एशिया युद्ध की लपटें तेल बाजारों को झुलसा रही हैं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक साहसी और प्रतीकात्मक पहल की है। उन्होंने न केवल देशवासियों से मितव्ययिता अपनाने की अपील की, बल्कि स्वयं अपने काफिले में पचास प्रतिशत की कटौती करके यह सिद्ध किया कि नेतृत्व शब्दों से नहीं, कर्मों से होता है। मंत्रियों की विदेश यात्राओं पर अंकुश, घर से काम करने की प्रेरणा और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने का यह अभियान आज के समय की सबसे प्रासंगिक आर्थिक रणनीति बन गई है। ईरान पर अमेरिका और इजराइल के संयुक्त युद्ध के कारण वैश्विक ऊर्जा कीमतों में भारी उछाल आया है, जिसका सीधा असर भारत की विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ रहा है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का लगभग पचासी प्रतिशत आयात करता है और होर्मुज जलसंधि से उसके लगभग पचास प्रतिशत कच्चे तेल का आयात होता है। ऐसे में जब यह महत्वपूर्ण जलमार्ग संघर्ष के कारण अवरुद्ध होने लगा, तो भारत के सामने ऊर्जा सुरक्षा का गंभीर प्रश्न खड़ा हो गया। इस पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री का मितव्ययिता का आह्वान केवल राजनीतिक भाषण नहीं, बल्कि एक आर्थिक अनिवार्यता बन गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने हैदराबाद में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान देशवासियों से अपील की कि वे घर से काम करने, आभासी बैठकों का उपयोग करने, सार्वजनिक परिवहन अपनाने और कारपूलिंग को प्राथमिकता देने जैसे उपाय अपनाएं ताकि ईंधन की खपत में कमी लाई जा सके। उन्होंने इस राष्ट्रीय कर्तव्य को देशभक्ति से जोड़ते हुए कहा कि सीमा पर बलिदान ही देशप्रेम नहीं, बल्कि अपनी दैनिक जीवनशैली में जिम्मेदारी का परिचय देना भी राष्ट्रसेवा है। उन्होंने नागरिकों से यह भी अनुरोध किया कि वे कम से कम एक वर्ष के लिए अनावश्यक विदेश यात्राओं और सोने की खरीद से बचें ताकि विदेशी मुद्रा भंडार को संरक्षित किया जा सके। इस अपील को केवल एक नागरिक आग्रह तक सीमित न रखते हुए मोदी सरकार ने स्वयं आगे बढ़कर उदाहरण पेश किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने काफिले में पचास प्रतिशत की कटौती के निर्देश दिए और विशेष सुरक्षा समूह को इसे तत्काल लागू करने को कहा। साथ ही उन्होंने बिना नए वाहन खरीदे काफिले में विद्युत वाहनों की संख्या बढ़ाने का भी आदेश दिया। यह प्रतीकात्मक कदम अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि जब सत्ता के शीर्ष पर बैठा व्यक्ति स्वयं सुविधाओं का त्याग करता है, तो वह संदेश पूरे तंत्र में स्वतः फैल जाता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी अपने काफिले का आकार आधे से अधिक घटा दिया है। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले मुंबई में मेट्रो ट्रेन से सफर करते नजर आए और उन्होंने लोगों से भी सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने का आग्रह किया। इस तरह मंत्रिमंडल के स्तर पर जो व्यवहारिक बदलाव दिख रहे हैं, वे इस अभियान को महज एक घोषणा से ऊपर उठाकर एक सच्चे आंदोलन का रूप देते हैं। राज्य सरकारों ने भी इस अभियान में कंधे से कंधा मिलाया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने और अपने मंत्रियों के काफिलों में पचास प्रतिशत की कटौती के आदेश दिए और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंत्रियों, विधायकों और अन्य जनप्रतिनिधियों के लिए आधिकारिक वाहनों के उपयोग पर अंकुश लगाने की घोषणा की। महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने ऐलान किया कि राज्य के मंत्रियों को अब आधिकारिक हवाई यात्रा के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पूर्व अनुमति लेनी होगी। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा केवल पाँच वाहनों के न्यूनतम काफिले के साथ आवाजाही करते देखे गए और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपना काफिला तेरह से घटाकर मात्र आठ वाहनों तक सीमित कर लिया। उत्तर प्रदेश में यह भी निर्देश दिया गया कि सभी आंतरिक बैठकों में से पचास प्रतिशत आभासी माध्यम से आयोजित की जाएं और बड़े प्रतिष्ठानों में दो दिन घर से काम करने की नीति लागू की जाए। यह कदम उन कोरोना काल के अनुभवों को पुनर्जीवित करता है जब वर्क फ्रॉम होम ने सिद्ध किया था कि प्रशासनिक और कॉर्पोरेट कार्य बिना कार्यालय के भी सुचारु रूप से चल सकते हैं। इस पूरे अभियान का आर्थिक आधार अत्यंत ठोस है। भारत ने मार्च 2026 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों पर लगभग एक सौ पचहत्तर अरब डॉलर खर्च किए, जो देश के कुल आयात का बाईस प्रतिशत है। इसके अलावा भारतीयों ने सोने के आयात पर बहत्तर अरब डॉलर और विदेश यात्राओं पर बत्तीस अरब डॉलर से अधिक खर्च किए। ये तीनों मिलकर विदेशी मुद्रा के सबसे बड़े रिसाव बिंदु बनते हैं। यदि इन तीनों क्षेत्रों में भी सीमित कटौती हो जाए, तो विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ने वाला दबाव काफी हद तक कम हो सकता है। हालांकि इस अभियान की कुछ आलोचनाएं भी सामने आई हैं। महाराष्ट्र में विरोधी दलों ने उस समय प्रधानमंत्री की अपील और सत्तारूढ़ दल के नेताओं के आचरण में विरोधाभास की ओर ध्यान खींचा जब मुंबई के एक बीजेपी नेता के साथ पचीस वाहनों का काफिला नाला सफाई निरीक्षण के दौरान देखा गया। वित्तीय बाजारों ने भी इस अभियान को लेकर सतर्कता दिखाई और बीएसई सेंसेक्स प्रधानमंत्री के बयान के अगले दिन 1.70 प्रतिशत गिर गया। ये संकेत बताते हैं कि निवेशक और बाजार इस कदम में अनिश्चितता की झलक देख रहे हैं। किंतु यह ध्यान में रखना आवश्यक है कि मितव्ययिता के अभियान हमेशा अल्पकाल में लोकप्रिय नहीं होते। वे दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता के लिए आवश्यक औषधि होते हैं। जब वैश्विक परिस्थितियां किसी राष्ट्र के नियंत्रण के बाहर हों, तब घरेलू स्तर पर संसाधनों का सुविवेकपूर्ण उपयोग ही एकमात्र विश्वसनीय रणनीति बचती है। इस संदर्भ में मोदी सरकार का यह कदम केवल एक प्रशासनिक निर्देश नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय चरित्र निर्माण का अवसर है। जब सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोग खुद सुविधाएं छोड़ते हैं, तो समाज में एक नैतिक संदेश जाता है कि संकट में सब मिलकर बोझ उठाते हैं। यही लोकतंत्र की असली भावना है और यही किसी राष्ट्र की सामूहिक शक्ति का प्रमाण भी। अब देखना यह है कि यह अभियान कागजी घोषणाओं की सीमा लाँघकर जमीनी हकीकत में कितना उतर पाता है। यदि नेतृत्व के स्तर पर यह संकल्प बना रहा और आम नागरिकों ने भी इसे अपनी जीवनशैली में स्थान दिया, तो यह मितव्ययिता अभियान भारत की आर्थिक लचीलेपन की एक नई इबारत लिख सकता है।

दूरगामी सोच का परिणाम है प्रधानमंत्री की अपील

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा (हि.स)

ऐसा नहीं है कि भारत विदेशी मुद्रा मामले में संकट में हो बल्कि वास्तविकता यह है कि 10 अप्रैल, 2026 के आंकड़ों की ही बात करें तो भारत का विदेशी मुद्रा भण्डार आज उच्चतम स्तर पर है। 700 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भण्डार भारत के पास है। एक अनुमान के अनुसार आगामी 11 माह से अधिक समय तक आयात मांग की पूर्ति इस राशि से आसानी से हो सकती है। विदेशी मुद्रा भण्डार से एफसीए यानी कि विदेशी मुद्रा संपत्ति, स्वर्ण भण्डार और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में आरक्षित राशि पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। इसके सबके बावजूद भविष्य के संभावित संकट के हालातों से निपटने की आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरी की जाती है तो यही दूरदृष्टि कहलाती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भविष्य के वैश्विक हालात साफ दिखाई दे रहे हैं। इसमें सुधार की संभावना निकट भविष्य में दिखाई भी नहीं दे रही है। ऐसे में उन्होंने देशवासियों से केवल एक वर्ष के लिए अनावश्यक खर्चों में कटौती का आग्रह किया है। इसमें ईंधन बचाना, सोना नहीं खरीदने, विदेशी यात्राओं व विदेशों में शादी नहीं करने, खाने के तेल के उपयोग में 10 प्रतिशत तक की कटौती व खेती में रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में 50 प्रतिशत तक की कटौती का सुझाव प्रमुख है। प्रधानमंत्री के देशवासियों से आग्रह को आलोचक भले मुद्दा बनाने का प्रयास करें पर वैश्विक हालात आज सबके सामने है।

देशवासियों को मालूम है कि पेट्रोलियम उत्पादों इनमें कच्चे तेल से लेकर गैस आदि शामिल है, उसके लिए आयात पर निर्भरता अधिक है। देश में 979 अरब अमेरिकी डॉलर का सालाना आयात होता है जिसमें करीब 38 प्रतिशत आयात केवल पेट्रोलियम पदार्थों पर हो रहा है। सोना-चांदी और इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ फर्टिलाइजर के मामले में भी विदेशों पर निर्भरता अधिक है। करीब 10 प्रतिशत राशि सोने के आयात पर खर्च होती है। यदि समग्र रुप से देखा जाए तो प्रधानमंत्री मोदी ने तेलंगाना के सिकन्दराबाद से देशवासियों से जो आग्रह किया है वह ऐसा नहीं है जो किसी भी तरह से देशवासियों के लिए दुविधाजनक हो।

वैश्विक संकट के चलते देश-दुनिया की इकोनॉमी पर पड़ने वाले संभावित असर को देखते हुए प्रधानमंत्री मोदी की देशवासियों से दूरदृष्टियुक्त अपील से कोरोना काल की याद ताजा हो रही है तो पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लालबहादुर शास्त्री की तत्कालीन अन्न संकट के दौरान सप्ताह में एक दिन के उपवास के आग्रह की ओर चला जाता है। ईरान के साथ अमेरिका-इजराइल के सीजफायर के आसार अभी दिखाई नहीं दे रहे हैं तो दूसरी ओर दोनों पक्षों की हठधर्मिता के कारण हार्मुज जलडमरुमध्य से परिवहन बाधित होने का परिणाम दुनिया के देशों के सामने है। दुनिया के देशों को यह समझ लेना होगा कि अमेरिका-ईरान युद्ध केवल दो या तीन देशों के बीच सीमित ना होकर इसके असर से आज कोई देश अछूता नहीं है। यह दो देशों की अहम की लड़ाई न होकर समूची मानवता को प्रभावित करने वाले हालात हैं। आज दुनिया के देशों की एक-दूसरे पर निर्भरता बढ़ी है। बिना किसी अन्य देश के सहयोग के कोई भी देश अपने स्तर पर अपने देशवासियों की आवश्यकताओं को पूरा करने की स्थिति में नहीं है। आर्थिक उदारीकरण के बाद से आज दुनिया एक विश्व ग्राम में परिवर्तित हो गयी है। एक बात यह भी साफ हो जानी चाहिए कि आज ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल संकट का हल निकल भी आता है तब भी वैश्विक हालात सामान्य होने में लंबा समय लग जाएगा। युद्धरत देश यह समझने की कोशिश नहीं कर रहे कि उनके चलते दुनिया आज सालों पीछे जा रही है। विकास बाधित हो रहा है, आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं और हालात दिन-प्रतिदिन बिगड़ते जा रहे हैं।

सबको मालूम है कि अमेरिका-ईरान युद्ध के चलते रास्ता अवरुद्ध होने के कारण आज कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का आयात प्रभावित है। हार्मुज का रास्ता अवरुद्ध है। हालात की गंभीरता इसी से समझी जा सकती है कि ईरान को प्रतिदिन 2800 करोड़ रुपए के कच्चे तेल को समुद्र में बहाना पड़ रहा है। तेल उत्पादक अन्य देश भी संकट के दौर से गुजर रहे हैं। ऐसे में जीवाश्म ईंधन के उपयोग में कमी लाने, सार्वजनिक परिवहन वाहनों के उपयोग और वाहन पूलिंग का एक साल का सुझाव या आग्रह दूरदृष्टिपूर्ण व देशहित में माना जाना चाहिए। इसके साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग का बढ़ावा देना भविष्य के पर्यावरण संकट से बचाव और हरित उर्जा को बढ़ावा देने में ही सहायक हो सकेगा।

हमारे देश में सोने की खरीद के प्रति खास मोह रहा है पर हालात को देखते हुए व्यापक राष्ट्रहित में एक साल के लिए सोना नहीं खरीदें तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। उसी प्रकार केवल शान-ओ-शौकत के लिए विदेशी यात्रा करने से बचने की सलाह और विदेशों में शादी करने के स्थान पर स्थानीय पर्यटन और देश में ही एक से एक बेहतरीन वेडिंग डेस्टिनेशंस पर शादी करने से जहां खर्च कम होगा, देश के डेस्टिनेशनों की वैश्विक पहचान के साथ विदेशी पूंजी भी बचेगी। रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से खेती और खेतों की उर्वरा शक्ति प्रभावित होने से आज देश दो चार हो रहा है। जैविक खाद और जैविक खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है। ऐसे में रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को सीमित करने का आग्रह निश्चित रुप से सकारात्मक ही है। जहां तक मीटिंग्स का प्रश्न है, कोविड के बाद से सरकारी और गैर सरकारी स्तर पर अधिकांश मीटिंग्स अब हाईब्रीड मोड पर ही होने लगी है। वर्क फ्रॉम होम को अवश्य प्रोत्साहित किया जा सकता है। लब्बोलुआब यह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से जो आग्रह किया है उनमें से एक भी ऐसा आग्रह नहीं है जिससे हमारी जीवनचर्या प्रभावित हो रही हो। सीधे-सीधे एक साल के लिए अपनी आदत व आवश्यकताओं में जरुरी बदलाव के लिए कहा जा रहा है ताकि वैश्विक संकट का असर देश की अर्थव्यवस्था व देश के आमलोगों को प्रभावित ना कर सके। एक साल सोना नहीं खरीदने या ईवी वाहन या सार्वजनिक वाहन का उपयोग या विदेशों में शादी आदि कार्यक्रम आयोजित ना करने या विदेश घूमने नहीं जाने से कोई खास फर्क नहीं पड़ने वाला है। इन सबसे बचने से देश वैश्विक हालातों का अधिक कुशलता से मुकाबला कर सकेगा और सबसे बड़ी बात कि स्वदेशी को बढ़ावा मिलेगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

नीट संकट: परीक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल

डॉ. सत्यवान सौरभ (हि.स)

भारत की प्रतियोगी परीक्षा व्यवस्था केवल प्रवेश की प्रक्रिया नहीं बल्कि सामाजिक न्याय, अवसर और प्रतिभा-परीक्षण का आधार है। जब राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा यानी नीट जैसी राष्ट्रीय परीक्षा को लेकर अनियमितता, संदिग्धता या रद्दीकरण की स्थिति बनती है तो केवल एक परीक्षा प्रभावित नहीं होती बल्कि लाखों विद्यार्थियों का भरोसा, समय और मानसिक संतुलन भी टूटता है। परीक्षा किसी तकनीकी आयोजन भर का नाम नहीं है; यह उस भरोसे का प्रतीक है जिसमें राज्य यह सुनिश्चित करता है कि परिश्रम, योग्यता और तैयारी का उचित मूल्य मिलेगा। इसलिए परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता किसी भी लोकतांत्रिक शिक्षा-व्यवस्था की रीढ़ होती है।

नीट जैसे मामलों में सबसे चिंताजनक तथ्य केवल यह नहीं कि कोई एक घटना घट गई बल्कि यह है कि ऐसी घटनाएँ बार-बार क्यों सामने आती हैं। जब कोई राष्ट्रीय परीक्षा संदेह के घेरे में आती है, तो पूरा सार्वजनिक विश्वास डगमगाने लगता है। विद्यार्थी, अभिभावक, शिक्षक, कोचिंग संस्थान और प्रशासन, सभी एक ऐसे प्रश्न से जूझते हैं जिसका उत्तर केवल प्रेस विज्ञप्तियों से नहीं मिल सकता। प्रश्न यह है कि क्या हमारी परीक्षा-व्यवस्था वास्तव में इतनी मजबूत है कि वह पारदर्शिता, निष्पक्षता और सुरक्षा—तीनों मोर्चों पर एक साथ टिक सके? यदि नहीं तो समस्या केवल एक परीक्षा की नहीं बल्कि पूरे तंत्र की है।

परीक्षा-व्यवस्था का संकट अचानक पैदा नहीं होता। यह उन छोटी-छोटी कमजोरियों से बनता है जिन्हें समय रहते ठीक नहीं किया जाता। प्रश्नपत्र निर्माण की प्रक्रिया, गोपनीय सामग्री का संरक्षण, लॉजिस्टिक ट्रांसपोर्ट, परीक्षा केंद्रों की निगरानी, तकनीकी सत्यापन, पहचान-प्रक्रिया और उत्तर-पत्रों की हैंडलिंग—इन सभी स्तरों पर यदि एक भी कड़ी कमजोर हो जाए, तो पूरी व्यवस्था संदेह के घेरे में आ सकती है। आधुनिक समय में परीक्षा केवल कागज-कलम का आयोजन नहीं रह गयी है; वह सूचना, सुरक्षा और नियंत्रण के अत्यंत जटिल नेटवर्क से जुड़ी प्रणाली बन चुकी है। इसलिए किसी भी स्तर पर हुई लापरवाही का सीधा प्रभाव छात्रों के भविष्य पर पड़ता है।

यह भी समझना होगा कि परीक्षा-प्रणाली में भरोसा केवल पारदर्शिता से नहीं बनता बल्कि निरंतरता से बनता है। यदि विद्यार्थी को यह आश्वासन न हो कि उसकी मेहनत का मूल्य स्थिर और सुरक्षित है, तो उसकी तैयारी अनिश्चितता में बदल जाती है। एक ईमानदार छात्र परीक्षा केंद्र तक पहुँचने से पहले ही मन में कई प्रश्न लेकर आता है- क्या प्रश्नपत्र सुरक्षित रहेगा? क्या कोई अनुचित लाभ नहीं ले जाएगा? क्या पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष होगी? जब ऐसे प्रश्न सामान्य हो जाएँ, तब समझ लेना चाहिए कि संकट केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि नैतिक भी है। शिक्षा का मूल उद्देश्य अवसर की समानता है, और यदि वही कमजोर पड़ जाए, तो व्यवस्था अपने उद्देश्य से भटक जाती है।

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा जैसी परीक्षा में यह चिंता और अधिक गंभीर हो जाती है, क्योंकि यह केवल एक पेशेवर प्रवेश-परीक्षा नहीं, बल्कि लाखों परिवारों के सामाजिक-आर्थिक सपनों का केंद्र है। ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र, निम्न-मध्यम वर्ग के अभ्यर्थी और छोटे शहरों के युवा सीमित संसाधनों के बावजूद अपनी योग्यता के बल पर आगे बढ़ने का सपना देखते हैं। लेकिन जब परीक्षा की शुचिता पर प्रश्न उठते हैं, तब सबसे अधिक नुकसान इन्हीं विद्यार्थियों का होता है। जिनके पास प्रभाव, संसाधन या नेटवर्क है, वे कई बार व्यवस्था की कमजोरियों से निकल जाते हैं; पर जिनके पास केवल मेहनत है, वे सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। इसलिए परीक्षा की पारदर्शिता केवल प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का भी प्रश्न है।

परीक्षा-व्यवस्था का संकट विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा असर डालता है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पहले ही अत्यधिक तनावपूर्ण होती है। छात्र लंबे समय तक कठोर अनुशासन, सीमित सामाजिक जीवन, पारिवारिक अपेक्षाओं और भविष्य की अनिश्चितता के बीच रहते हैं। जब ऐसी स्थिति में परीक्षा का भविष्य ही संदिग्ध हो जाए तो मानसिक दबाव कई गुना बढ़ जाता है। कुछ विद्यार्थी हताश हो जाते हैं, कुछ अपनी रणनीति बार-बार बदलते हैं, और कुछ गहरे अवसाद में भी चले जाते हैं। इसलिए परीक्षा-प्रशासन को यह समझना चाहिए कि वह केवल तिथियाँ घोषित करने या केंद्र स्थापित करने का काम नहीं कर रहा बल्कि युवाओं के भविष्य का भरोसा संभाल रहा है।

डिजिटल युग ने परीक्षा-प्रशासन को सुविधाएँ भी दी हैं और नई चुनौतियाँ भी। ऑनलाइन पंजीकरण, डिजिटल पहचान, सीसीटीवी निगरानी, एन्क्रिप्टेड डेटा और केंद्रीकृत नियंत्रण जैसी व्यवस्थाओं ने परीक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाया है। लेकिन इसी के साथ तकनीकी जोखिम भी बढ़े हैं। डेटा लीक, सॉफ्टवेयर में छेड़छाड़, आंतरिक मिलीभगत, साइबर घुसपैठ और गलत सूचना का प्रसार—ये सभी नई चुनौतियाँ बनकर सामने आए हैं। इसलिए केवल तकनीक अपनाना पर्याप्त नहीं है; उसकी सुरक्षा, ऑडिट और जवाबदेही भी उतनी ही मजबूत होनी चाहिए। यदि तकनीक ही कमजोर हो जाए, तो पारदर्शिता का दावा खोखला साबित होगा।

परीक्षा-व्यवस्था में सुधार के लिए सबसे पहले जवाबदेही तय करनी होगी। जब कोई परीक्षा विवाद में आती है, तो अक्सर ध्यान केवल घटना पर केंद्रित रहता है। लेकिन असली प्रश्न यह है कि उस घटना की अनुमति किसकी लापरवाही से मिली। परीक्षा-आयोजक संस्था, संबंधित मंत्रालय, सुरक्षा एजेंसियाँ, केंद्र-स्तरीय अधिकारी और स्थानीय प्रशासन-सभी की भूमिका की समीक्षा आवश्यक है। जवाबदेही का अर्थ केवल किसी एक अधिकारी को हटाना नहीं बल्कि पूरे ढाँचे का पुनर्मूल्यांकन करना है। यदि दोषी पकड़े नहीं जाते, प्रक्रिया की कमियाँ सार्वजनिक नहीं होतीं और सुधारात्मक कदम नहीं उठाए जाते, तो हर बार वही संकट दोहराया जाएगा।

दूसरी आवश्यकता स्वतंत्र और समयबद्ध ऑडिट की है। प्रश्नपत्र निर्माण से लेकर परीक्षा-समापन तक हर चरण का सुरक्षित रिकॉर्ड होना चाहिए। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की स्थिति में तत्काल जांच संभव हो, इसके लिए ऐसा तंत्र चाहिए जो पारदर्शी भी हो और तेज भी। साथ ही परीक्षा-प्रबंधन में बहुस्तरीय निगरानी व्यवस्था विकसित करनी होगी, जहाँ कोई एक व्यक्ति या विभाग पूरी प्रक्रिया पर एकाधिकार न रखे। नियंत्रण का विकेंद्रीकरण और निगरानी का केंद्रीकरण- यही संतुलन सुरक्षित परीक्षा तंत्र की आधारशिला बन सकता है।

तीसरी आवश्यकता विश्वसनीय संवाद व्यवस्था की है। सोशल मीडिया के दौर में अफवाहें बहुत तेजी से फैलती हैं। ऐसे में संस्थाओं को केवल सही सूचना ही नहीं बल्कि समय पर सूचना भी देनी चाहिए। अस्पष्टता संदेह को जन्म देती है। यदि छात्रों को यह स्पष्ट न हो कि अगला कदम क्या होगा, परिणाम कब आएगा या पुनर्परीक्षा होगी या नहीं, तो वे अनावश्यक तनाव में घिर जाते हैं। इसलिए परीक्षा-प्रशासन को अपने संवाद को औपचारिकता से निकालकर भरोसेमंद सार्वजनिक सेवा में बदलना होगा।

चौथी और सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता कठोर और निश्चित दंड व्यवस्था की है। प्रश्नपत्र लीक, जालसाजी, सेंधमारी या आंतरिक सहयोग जैसी अनियमितताओं पर केवल नैतिक निंदा पर्याप्त नहीं है। जब तक अपराधियों को त्वरित और निश्चित दंड नहीं मिलेगा, तब तक व्यवस्था में सुधार अधूरा रहेगा। शिक्षा-क्षेत्र में दंड का उद्देश्य प्रतिशोध नहीं बल्कि निवारण होना चाहिए। व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए कि अनियमितता करने वाला यह समझ सके कि उसे लाभ नहीं बल्कि त्वरित क्षति मिलेगी। तभी ईमानदार विद्यार्थी को यह भरोसा मिलेगा कि उसकी मेहनत सुरक्षित है।

भारत को अब ऐसी परीक्षा संस्कृति की आवश्यकता है जिसमें छात्र को शक नहीं, सुरक्षा का अनुभव हो; जिसमें प्रशासन केवल आदेश देने वाला नहीं बल्कि उत्तरदायी संरक्षक बने; और जिसमें पारदर्शिता केवल शब्दों में नहीं, बल्कि हर प्रक्रिया में दिखाई दे। यही वह मार्ग है जिससे शिक्षा-व्यवस्था पर लौटता विश्वास संभव हो सकता है। यदि सुधार अभी नहीं किए गए, तो हर नई परीक्षा पुराने संदेहों की पुनरावृत्ति बनती रहेगी। और जब भरोसा बार-बार टूटता है, तो केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि एक पीढ़ी का आत्मविश्वास भी आहत होता है।

इसलिए नीट संकट को केवल एक घटना मानकर भूल जाना समाधान नहीं होगा। इसे एक चेतावनी की तरह समझना होगा। यह चेतावनी है कि यदि परीक्षा-व्यवस्था को तकनीकी चमक, औपचारिक घोषणाओं और तात्कालिक प्रतिक्रियाओं के भरोसे छोड़ दिया गया, तो भविष्य में संकट और गहरे होंगे। अब समय आ गया है कि परीक्षा-व्यवस्था को केवल नियंत्रण का नहीं, बल्कि न्याय, विश्वास और जवाबदेही का संस्थान बनाया जाए। यही सुधार आने वाली पीढ़ियों के लिए आवश्यक है और वर्तमान विद्यार्थियों के प्रति राज्य की नैतिक जिम्मेदारी भी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का राशिफल

मेष: आज नौकरीपेशा लोगों को कार्यभार से काफी राहत मिलेगी। परिवार के सदस्यों का सहयोग और स्नेह मन को प्रसन्न रखेगा। भाई-बहनों के बीच आपसी समझ और प्रेम बढ़ेगा। आमदनी के नये स्रोत बनने की सम्भावना है। *(सिटी दर्पण)*

वृषभ: दिन की शुरूआत उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा के साथ होगी। कार्यस्थल की समस्याओं को घरेलू जीवन पर हावी न होने दें। माइग्रेन से पीड़ित लोगों को समय पर भोजन करने की सलाह दी जाती है। मित्रों के साथ मधुर सम्बन्ध बनाकर रखें। *(सिटी दर्पण)*

मिथुन: स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से दिन अनुकूल रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके प्रदर्शन से अधिकारी बेहद संतुष्ट रहेंगे। नयी संपत्ति या वाहन खरीदने के योग बन सकते हैं। घर का माहौल सुखद और सकारात्मक रहेगा। लोग आपकी सलाह और विचारों को महत्व देंगे। *(सिटी दर्पण)*

कर्क: कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धियों से कड़ी चुनौती मिल सकती है। किसी मित्र की ओर से महँगा या विशेष उपहार मिलने के संकेत हैं। व्यवसाय में अधिक मेहनत करनी पड़ेगी, लेकिन उसके परिणाम आपके पक्ष में रहेंगे। परिवार के साथ समय बिताकर मानसिक शान्ति महसूस करेंगे। *(सिटी दर्पण)*

सिंह: आपका विनम्र और स्नेहपूर्ण व्यवहार लोगों को प्रभावित करेगा। कार्यक्षेत्र में बड़े अनुबन्ध या नई जिम्मेदारियाँ मिल सकती हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा और मान-सम्मान में वृद्धि होगी। युवा अपने करियर को लेकर गंभीर और सतर्क रहेंगे। *(सिटी दर्पण)*

कन्या: जीवनसाथी से किसी भी बात को छिपाने से बचें। खानपान की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने के लिये अधिक संघर्ष करना पड़ सकता है। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्रयोग सावधानी से करें। शाम के समय मन थोड़ा उदास रह सकता है। *(सिटी दर्पण)*

तुला: व्यापार में अचानक धन लाभ होने की सम्भावना है। विद्यार्थी शिक्षा के क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन करेंगे। निर्धारित समय पर अपने लक्ष्य पूरे कर पाने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत होगी। प्रेम संबंधों में विवाह को लेकर गंभीर चर्चा हो सकती है। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिक: निजी परेशानियों को अपने प्रोफेशनल जीवन पर हावी न होने दें। पुरानी संपत्ति बेचने के अचानक अवसर मिल सकते हैं। आप समय का सही उपयोग करेंगे और अपने कार्यों को तेजी से पूरा करेंगे। धन के लेन-देन में सतर्कता बरतें, छोटी गलती नुकसान दे सकती है। *(सिटी दर्पण)*

धनु: कार्यक्षेत्र में आपके काम और व्यवहार की सराहना होगी। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और रोमांस बढ़ेगा। व्यवसाय में कुछ नया प्रयोग करने का विचार सफल हो सकता है। बच्चों की खुशी के लिये उपहार या विशेष योजना बना सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

मकर: आज लम्बी दूरी की यात्रा से बचना बेहतर रहेगा। माता के स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। दूसरों के मामलों में अनावश्यक हस्तक्षेप करने से बचें। कोई महत्वपूर्ण कार्य टल सकता है, जिससे थोड़ी निराशा हो सकती है। अधिकारों का गलत उपयोग आपके लिये परेशानी खड़ी कर सकता है। *(सिटी दर्पण)*

कुंभ: कार्यक्षेत्र का तनाव धीरे-धीरे कम होगा। यात्रा से जुड़ी योजनाओं में बदलाव संभव है। स्वादिष्ट भोजन और मनोरंजन का आनंद उठायेंगे। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को मीडिया में पहचान मिल सकती है। समझदारी से लिये गये फैसले भविष्य में लाभदायक साबित होंगे। *(सिटी दर्पण)*

मीन: आर्थिक मामलों के लिये दिन काफी शुभ रहने वाला है। ब्लड प्रेशर के मरीज अपनी सेहत को लेकर लापरवाही न करें और असहज महसूस होने पर तुरंत चिकित्सक से सलाह लें। स्वभाव में थोड़ी कठोरता रह सकती है। कार्यक्षेत्र में महिलाओं को तनाव का सामना करना पड़ सकता है। *(सिटी दर्पण)*

पीएम मोदी की अपील पर राहुल-अखिलेश की नकारात्मक राजनीति !

डॉ. मयंक चतुर्वेदी (हि.स)

होर्मुज जलडमरूमध्य पर मंडराते खतरे ने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा कर रखी है। भारत जैसा देश, जोकि विश्व की विशाल जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करता है, स्वभाविक है कि अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है, स्वाभाविक रूप से इस संकट से प्रभावित है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से ईंधन बचाने, अनावश्यक सोना खरीदने से बचने, सार्वजनिक परिवहन अपनाने और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की अपील की है तो इसमें अनुचित क्या है?

यह अपील न तो किसी भय का संकेत थी और न ही किसी आपातकाल की घोषणा, बल्कि आर्थिक अनुशासन और राष्ट्रीय जिम्मेदारी का संदेश है, किंतु कांग्रेस नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने इसे सरकार की विफलता बताकर राजनीतिक हमला शुरू कर दिया है। सवाल यह है कि क्या हर राष्ट्रीय चुनौती को राजनीति के चश्मे से देखना उचित है? क्या राष्ट्रहित में की गई अपील का मजाक उड़ाना जिम्मेदार विपक्ष की पहचान है?

आज दुनिया जिस दौर से गुजर रही है, वह सामान्य परिस्थितियां नहीं हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद वैश्विक सप्लाई चेन पहले ही प्रभावित थी। अब पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष ने कच्चे तेल की आपूर्ति पर गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया की लगभग 20 प्रतिशत ऊर्जा आपूर्ति गुजरती है। इस मार्ग में आई बाधा ने तेल की कीमतों में विस्फोटक वृद्धि कर दी है। जिसमें कि भारत लगभग 40 प्रतिशत कच्चा तेल और करीब 90 प्रतिशत एलपीजी आयात करता है। अब ऐसी स्थिति में यदि सरकार जनता से ऊर्जा संरक्षण की अपील करती है तो यह उसकी दूरदर्शिता ही है, न कि विफलता।

वस्तुतः दुनिया के अधिकांश देश अपने नागरिकों से ऐसे समय में संयम और सहयोग की अपेक्षा करते हैं। जापान, जर्मनी और कई यूरोपीय देशों में ऊर्जा संकट के दौरान नागरिकों ने स्वेच्छा से बिजली और ईंधन की बचत की थी। वहां इसे राष्ट्रहित माना गया, लेकिन भारत में विपक्ष इसे राजनीतिक हथियार बनाने में जुट गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से कहा कि पेट्रोल-डीजल का कम उपयोग करें, मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन अपनाएं, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दें, वर्क फ्रॉम होम और वर्चुअल मीटिंग्स को प्राथमिकता दें तथा सोने की अनावश्यक खरीद से बचें। इनमें ऐसा क्या है जिसे राष्ट्रविरोधी या जनविरोधी कहा जाए?

असल में यह अपील तीन स्तरों पर महत्वपूर्ण है, एक- विदेशी मुद्रा की बचत के संदर्भ में। भारत का व्यापार घाटा मुख्य रूप से तेल, सोना और इलेक्ट्रॉनिक्स के आयात से बढ़ता है। सिर्फ सोने के आयात पर ही हर साल अरबों डॉलर खर्च होते हैं। दो- ऊर्जा सुरक्षा के लिए। तेल की कीमत बढ़ने का सीधा असर महंगाई पर पड़ता है। परिवहन महंगा होता है, उद्योगों की लागत बढ़ती है और अंततः आम जनता प्रभावित होती है।

तीसरा इसका मुख्यकारण देश की आत्मनिर्भरता की दिशा तय करना है। क्योंकि ह्यवोकल फॉर लोकलह्न, इलेक्ट्रिक वाहन, सार्वजनिक परिवहन और डिजिटल कार्य संस्कृति- ये सभी दीर्घकालिक आर्थिक मजबूती के स्तंभ हैं। प्रधानमंत्री की अपील वर्तमान संकट से निकलने के लिए ही नहीं दिखती, यह तो भारत के हित में भविष्य की तैयारी भी है।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री की अपील को 'सरकार की नाकामी' बताते हुए कहा कि जनता को त्याग और बचत की सलाह देना विफल शासन का प्रमाण है, किंतु कहना होगा कि यह तर्क बेहद सतही है। क्योंकि कोई भी राष्ट्र सिर्फ सरकार से नहीं चलता, नागरिकों की भागीदारी उसमें बराबर की चाहिए रहती है। वस्तुतः राहुल गांधी की राजनीति की सबसे बड़ी समस्या यही है कि वे हर राष्ट्रीय मुद्दे में विरोध का अवसर खोजते हैं। चाहे सेना का मनोबल हो, विदेश नीति हो, वैक्सीन अभियान हो या आर्थिक अनुशासन, आप देखेंगे कि वे हर जगह नकारात्मकता उनकी राजनीति का आधार बनती हुई दिखी है। विडंबना यह है कि जिन देशों की आर्थिक नीतियों की कांग्रेस अक्सर प्रशंसा करती है, वहां नागरिक अनुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। अमेरिका और यूरोप में ऊर्जा संकट के दौरान सरकारों ने हीटिंग कम करने, सार्वजनिक परिवहन बढ़ाने और ईंधन बचाने की अपील की थी। तब उसे जिम्मेदार नेतृत्व कहा गया था।

राहुल गांधी के साथ सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी मोदी सरकार की आलोचना में शामिल दिखाई दे रहे हैं। यह वही राजनीति है जिसमें राष्ट्रीय संकट भी राजनीतिक अवसर बन जाता है। अखिलेश यादव लगातार भाजपा विरोध की राजनीति में इतने आगे बढ़ चुके हैं कि उन्हें हर सरकारी पहल में खामी ही दिखाई देती है। ऐसे में सवाल यह है कि क्या उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री होने के नाते उन्हें यह समझ नहीं कि तेल की कीमतों का असर किसानों, परिवहन और रोजमर्रा की वस्तुओं पर कितना व्यापक पड़ता है? यदि सरकार पहले से लोगों को जागरूक कर रही है और विकल्प सुझा रही है तो इसमें गलत क्या है?

विपक्ष का दायित्व केवल आलोचना करना नहीं होता, बल्कि संकट के समय सकारात्मक सहयोग देना भी होता है। दुर्भाग्य से आज का विपक्ष राष्ट्रहित से अधिक राजनीतिक लाभ-हानि पर केंद्रित दिखाई देता है। दूसरी ओर विपक्ष जिस प्रकार यह चित्र प्रस्तुत करने की कोशिश कर रहा है कि देश में ईंधन संकट खड़ा हो गया है, वह वास्तविकता से दूर है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि देश में कच्चे तेल और एलपीजी का पर्याप्त भंडार है। किसी पेट्रोल पंप या गैस एजेंसी से कमी की सूचना नहीं मिली है।

सरकार ने रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। तेल विपणन कंपनियां वैश्विक कीमतें बढ़ने के बावजूद घरेलू बाजार में कीमतें स्थिर रखने का प्रयास कर रही हैं। कंपनियां प्रतिदिन भारी आर्थिक दबाव झेल रही हैं ताकि आम जनता पर अतिरिक्त बोझ न पड़े। यानी सरकार अपील ही नहीं कर रही, वह संकट से निपटने के लिए ठोस कदम भी उठा रही कहना होगा कि प्रधानमंत्री मोदी का संदेश मूलतः 'साझी जिम्मेदारी' का संदेश है। पश्चिम एशिया संकट के बीच प्रधानमंत्री मोदी की अपील आर्थिक अनुशासन, ऊर्जा सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक जिम्मेदार पहल है। इसमें न तो भय फैलाने की कोशिश है और न ही जनता पर बोझ डालने का प्रयास। यह एक ऐसी चेतावनी है जो भविष्य की चुनौतियों के प्रति देश को तैयार करने का प्रयास करती है।इसके विपरीत राहुल गांधी और अखिलेश यादव का रवैया राजनीतिक अवसरवाद अधिक प्रतीत होता है। उन्होंने न तो कोई वैकल्पिक समाधान दिया और न ही संकट की गंभीरता को स्वीकार किया।

अच्छा हो कि राजनीतिक दल कम से कम राष्ट्रीय आर्थिक चुनौतियों पर परिपक्वता दिखाएं। यदि देश की ऊर्जा सुरक्षा, विदेशी मुद्रा भंडार और आर्थिक स्थिरता मजबूत रहती है तो उसका लाभ हर नागरिक को मिलेगा, चाहे वह किसी भी विचारधारा का समर्थक क्यों न हो।प्रधानमंत्री मोदी की अपील को राजनीति के बजाय राष्ट्रहित के दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है।

बटाला दोहरा हत्याकांड: गैंगस्टर हैप्पी जट्ट के तीन गुर्गे भूटान भागने की कोशिश करते समय अंतरराष्ट्रीय सीमा से गिरफ्तार

गिरफ्तार आरोपियों ने फरार हैंडलर हैप्पी जट्ट के निर्देशों पर योजनाबद्ध हत्याओं को दिया था अंजाम: डीजीपी गौरव यादव

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

बटाला में हुए सनसनीखेज दोहरे हत्याकांड मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए पंजाब पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों के साथ समन्वित कार्रवाई करते हुए पश्चिम बंगाल में भारत-भूटान सीमा से विदेश में छिपे फरार गैंगस्टर हैप्पी जट्ट के तीन गुर्गों को उस समय गिरफ्तार कर लिया, जब वे भूटान भागने की कोशिश कर रहे थे। यह जानकारी आज यहां डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी।

ऑपरेशन नेस्ट रैकर नाम के तहत चलाए गए इस अभियान को एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब, इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (आईजीपी) आशीष चौधरी के नेतृत्व में ओवरसीज फ्यूजिटिव ट्रैकिंग एंड एक्सट्राडिशन सेल (ओएफटीईसी) और बटाला पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से अंजाम दिया गया।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान अमृतसर के कथूनंगल निवासी जतिन सिंह, तरनतारन के गांव संगर कोट निवासी साजनदीप सिंह तथा अमृतसर के बलिया मंझपुर निवासी महिकदीप सिंह के रूप में हुई है। आरोपी जतिन सिंह का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड है, जिसके खिलाफ आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट आदि के तहत कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 27 अप्रैल 2026 को रात 9 बजे के करीब बटाला के गांव भोमा में दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार अज्ञात हमलावरों ने तीन व्यक्तियों पर गोलियां चलाई थीं। इस घटना में दो व्यक्तियों की गोली लगने से मौत हो गई थी, जबकि तीसरा व्यक्ति घायल हो गया था। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी विदेश में बैठे फरार हैंडलर हैप्पी जट्ट के निर्देशों पर काम कर रहे थे और उसी के आदेश पर उन्होंने इन योजनाबद्ध हत्याओं को अंजाम दिया था।

डीजीपी ने कहा कि जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि वित्तीय संबंधों, लॉजिस्टिक सहायता, हथियारों की खरीद और मामले में शामिल अन्य सहयोगियों की भूमिका सहित पूरी साजिश का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

कार्रवाई के विवरण साझा करते हुए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) एजीटीएफ प्रमोद बान ने कहा कि घटना के बाद एजीटीएफ, बटाला पुलिस, खुफिया और तकनीकी इकाइयों की पुलिस टीमों ने संयुक्त रूप से जांच की और विभिन्न स्थानों की सीसीटीवी फुटेज खंगाली।

एडीजीपी ने बताया कि आरोपियों की तकनीकी ट्रैकिंग और खुफिया जानकारी से उक्त आरोपियों की अंतरराष्ट्रीय सीमावर्ती क्षेत्र की ओर गतिविधियों का पता चला। इसके बाद तेजी से कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार करने और पंजाब वापस लाने के लिए एजीटीएफ और बटाला पुलिस के अधिकारियों/कर्मचारियों की एक टीम रवाना की गई।

इस संबंध में पुलिस स्टेशन घुमाण, बटाला में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103 एवं 109 तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत एफआईआर नंबर 70 दिनांक 28.04.2026 पहले ही दर्ज की जा चुकी है।

गैंगस्टरों ते वार का 113वां दिन: पंजाब पुलिस द्वारा 552 स्थानों पर छापेमारी; 268 गिरफ्तार

चंडीगढ़। गैंगस्टरों के विरुद्ध शुरू किए गए निर्णायक गैंगस्टरों ते वार अभियान के 113वें दिन पंजाब पुलिस ने आज राज्यभर में गैंगस्टरों के सहयोगियों के चिन्हित और मैप किए गए 552 ठिकानों पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि गैंगस्टरों ते वार पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए एक निर्णायक लड़ाई है, जिसे 20 जनवरी, 2026 को पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने शुरू किया था। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें राज्यभर में विशेष अभियान चला रही हैं। 113वें दिन पुलिस टीमों ने तीन हथियारों सहित 268 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिससे अभियान की शुरुआत के बाद कुल गिरफ्तारियों की संख्या 28,819 हो गई है। इसके अलावा 102 व्यक्तियों के विरुद्ध एहतियाती कार्रवाई की गई है, जबकि 21 व्यक्तियों को जांच और पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। पुलिस टीमों ने कार्रवाई के दौरान 6 भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया है। लोग एंटी गैंगस्टर हेल्पलाइन 93946-93946 के माध्यम से गुप्त रूप से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों संबंधी जानकारी दे सकते हैं तथा अपराध और आपराधिक गतिविधियों संबंधी सूचनाएं भी साझा कर सकते हैं। इस दौरान पुलिस टीमों ने नशों के खिलाफ अपनी मुहिम युद्ध नशों विरुद्ध को 438वें दिन भी जारी रखते हुए आज 92 नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 5.9 किलोग्राम हेरोइन, 273 नशीली गोलियां/कैप्सूल और 5315 रुपये की ड्रग मनी बरामद की। इसके साथ ही केवल 438 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 63,869 हो गई है। नशा मुक्ति अभियान के तहत पंजाब पुलिस ने आज 12 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने और पुनर्वास उपचार करवाने के लिए भी प्रेरित किया है।

40 हजार रिश्वत लेने के आरोप में विजिलेंस ब्यूरो ने कानूनगो के खिलाफ मामला दर्ज किया

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा अपनाई गई जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्रवाई करते हुए पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने जिला फरीदकोट के गांव गोलेवाला स्थित माल कार्यालय में तैनात कानूनगो वरिंदर सिंह भुट्टर के खिलाफ 40 हजार रुपये रिश्वत लेने के आरोप में मामला दर्ज किया है। आज यहां यह जानकारी देते हुए राज्य विजिलेंस ब्यूरो के सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि यह मामला मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार विरोधी एक्शन लाइन पोर्टल पर जिला फरीदकोट के गांव बगथला निवासी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि अदालत ने माल विभाग फरीदकोट को शिकायतकर्ता को जमीन का कब्जा दिलाने के आदेश जारी किए थे। इस संबंध में आरोपी कानूनगो ने शिकायतकर्ता को जमीन का कब्जा दिलाने के बदले उससे 80 हजार रुपये रिश्वत की मांग की।प्रवक्ता ने आगे बताया कि शिकायतकर्ता ने आरोपी कानूनगो को रिश्वत की पहली किस्त के रूप में 40 हजार रुपये दिए और रिश्वत देते समय की वीडियो भी रिकॉर्ड कर ली। इस संबंध में आरोपी के खिलाफ विजिलेंस ब्यूरो के पुलिस थाना फिरोजपुर में भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है।

डॉ. रवजोत सिंह ने ऑनलाइन मिलनी के दौरान विदेशों में बसे पंजाबियों की शिकायतें और सुझाव सुने

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

पंजाब सरकार के एनआरआई मामलों के मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने आज ह्लऑनलाइन मिलनीह्व आयोजित कर विदेशों में बसे पंजाबियों की समस्याएं, शिकायतें और सुझाव सुने। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार प्रवासी पंजाबियों की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

डॉ. रवजोत सिंह ने बताया कि ऑनलाइन मिलनी के दौरान जमीन-जायदाद विवाद, विवाह संबंधी मामले, धोखाधड़ी, कब्जों तथा डराने-धमकाने से संबंधित शिकायतें सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि सभी शिकायतों को गंभीरता से दर्ज करते हुए संबंधित विभागों और अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि एनआरआई पंजाबी समुदाय को न्याय, सुरक्षा और पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराना पंजाब सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है।

डॉ. रवजोत सिंह ने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा एनआरआई समुदाय के साथ सीधा संपर्क बनाए रखने के लिए ऑनलाइन और फिजिकल मिलनियां नियमित रूप से हर महीने आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक माह लगभग दो बैठकें आयोजित की जाएंगी और उनकी जानकारी पहले से साझा की जाएगी, ताकि अधिक से अधिक प्रवासी पंजाबी इस पहल का लाभ उठा सकें।

उन्होंने बताया कि आज की ऑनलाइन मिलनी के दौरान अमेरिका, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे देशों में बसे पंजाबियों के 16 मामले सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि जनवरी 2026 से अप्रैल 2026 तक एनआरआई विभाग को कुल 590 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 430 मामलों का निपटारा किया जा चुका है, जबकि 160 मामले कार्रवाईधीन हैं। इसी प्रकार मई 2026 के दौरान अब तक 56 नई शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिन पर कार्रवाई जारी है।

एनआरआई मंत्री ने ऑनलाइन मिलनी में शामिल हुए सभी एनआरआई भाइयों और बहनों का धन्यवाद करते हुए भरोसा दिलाया कि पंजाब सरकार उनके अधिकारों की रक्षा और समस्याओं के शीघ्र समाधान के लिए हर संभव प्रयास करेगी। इस ऑनलाइन मिलनी के दौरान एनआरआई विभाग के सचिव श्री वी. एन. जादे, एडीजीपी एनआरआई श्री आर. के. जायसवाल, डिवीजनल कमिश्नर जालंधर श्री रामवीर, विशेष सचिव एनआरआई श्रीमती अमनदीप कौर सहित वरिष्ठ विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

हरजोत सिंह बैंस ने स्थानीय निकाय मंत्री के रूप में पदभार संभाला

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

पंजाब के कैबिनेट मंत्री स हरजोत सिंह बैंस ने यहां म्यूनिसिपल भवन में स्थानीय निकाय विभाग का कार्यभार संभाल लिया है। उल्लेखनीय है कि स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा एवं भाषाएं, तकनीकी शिक्षा तथा सूचना एवं लोक संपर्क विभाग की अगुवाई कर रहे युवा मंत्री का स्थानीय सरकारें विभाग के प्रशासनिक सचिव श्री मनजीत सिंह बराड़, विशेष सचिव श्रीमती दीप्ति उप्पल और विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। पदभार संभालने के उपरांत स बैंस ने पंजाब के मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक श्री अरविंद केजरीवाल का उन पर विश्वास जताने के लिए धन्यवाद किया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे इस जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाएंगे।

उन्होंने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चल रही परियोजनाओं की समीक्षा करने के लिए बैठक बुलाई और उन्हें कचरा प्रबंधन, बुनियादी ढांचे के नवीनीकरण और नागरिक-केंद्रित सेवाएं प्रदान करने वाली परियोजनाओं में तेजी लाने के निर्देश दिए। स हरजोत सिंह बैंस ने कहा, हमारे शहरी केंद्र पंजाब के भविष्य का आधार हैं। शिक्षा क्षेत्र की तरह स्थानीय निकाय विभाग में भी पूर्ण पारदर्शिता और कार्यकुशलता सुनिश्चित करने को प्राथमिकता दी जाएगी।

धान के एमएसपी में बढ़ोतरी किसानों के साथ मजाक: अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने आने वाले खरीफ सीजन के लिए धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य (टरढ) में की गई मामूली बढ़ोतरी को खारिज करते हुए कहा कि यह किसानों के साथ ह्लमजाकह्व है। उन्होंने कहा कि टरढ में जो बढ़ोतरी की गई है, वह किसानों की खेती की लागत में हुई भारी बढ़ोतरी के मुकाबले बहुत कम है। राजा वड़िंग ने कहा कि महंगाई बढ़ने के कारण किसानों की लागत लगातार बढ़ रही है। डीजल, खाद, कीटनाशक, मजदूरी और मशीनों का खर्च पहले से काफी ज्यादा हो चुका है। सरकार को टरढ तय करते समय इन बढ़े हुए खर्चों का ध्यान रखना चाहिए था।

उन्होंने कहा कि पंजाब देश के सबसे बड़े धान उत्पादक राज्यों में से एक है, इसलिए यहां के किसानों को इसका सबसे ज्यादा नुकसान होगा। उन्होंने सवाल उठाया, जब खेती की लागत हजारों रुपये प्रति एकड़ बढ़ चुकी है, तो सिर्फ 72 बढ़ाकर किसानों को क्या राहत मिलेगी?

राजा वड़िंग ने कहा, बीजेपी सरकार ने धान के टरढ में सिर्फ 72 की बढ़ोतरी की है, लेकिन किसानों का खर्च प्रति एकड़ सैकड़ों और हजारों रुपये बढ़ चुका है। कागजों पर जो राहत दिखाई जा रही है, वह फसल तैयार होने से पहले ही खत्म हो जाती है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को किसानों की आय दोगुनी करने के वादे की याद दिलाते हुए पूछा कि आखिर वह वादा पूरा क्यों नहीं हुआ।

सरस्वती सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जैतो की हरलीन शर्मा को 10वीं कक्षा में पंजाब में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया

सिटी दर्पण संवाददाता

जैतो

सरस्वती सीनियर सैकेंडरी स्कूल, जैतो की 10वीं कक्षा की छात्रा हरलीन शर्मा को पंजाब में अपनी कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। इसके अलावा, मैरिट सूची में आने वाली तीन अन्य छात्राओं अवनीत कौर, एकमदीप कौर और सिमरनजीत कौर ने भी 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। इन छात्राओं के सम्मान में स्कूल की प्रबंधन समिति द्वारा एक अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर, स्कूल की प्रबंधन समिति के संरक्षक पवन कुमार गोयल ,अध्यक्ष राकेश रोमाना, उपाध्यक्ष रमेश वर्मा, सचिव मदन लाल गोयल, प्रबंधक दिनेश गोयल, कोषाध्यक्ष अनिल बंसल, सहायक सचिव पंकज सिंगला, उप-प्रबंधक मुकेश गोयल, सेल्स बोर्ड के अध्यक्ष पुरुषोत्तम सिंगला, तथा सदस्य साहिल मित्तल, अशोक गोयल, दीपांशु गोयल, रिंकू बंसल, वरुण लोहिया और संजीव कुमार बंसल अपने परिवार के सदस्यों के साथ उपस्थित थे। यह काफिला पूरे शहर में एक रोड शो करते हुए स्कूल पहुंचा। स्कूल पहुंचने पर, माँ सरस्वती का आशीर्वाद लिया गया। इसके बाद, छात्राओं का फूलों की माला पहनाकर और उन पर पुष्प वर्षा करके गर्मजोशी से स्वागत किया गया। स्कूल की प्रबंधन समिति द्वारा पंजाब में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा हरलीन शर्मा को 51,000 रुपये का चेक देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही, मैरिट सूची में शामिल अन्य तीनों छात्राओं को भी 5,100-5,100 रुपये की नकद राशि देकर सम्मानित किया गया, जिन्होंने 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए थे। उपलब्धि हासिल करने वाली इन छात्राओं को 1,100 रुपये का नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, यशिका और हिमांशु जिंदल द्वारा छात्राओं के लिए 'पिंक फोकस' और केक की व्यवस्था की गई थी। छात्राओं को पढ़ाने वाले शिक्षकगण और प्रधानाचार्या कुसुम कालरा जी को भी सम्मानित किया गया और उनके प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। जैतो मंडी के पुस्तक विक्रेता संघ जैतो ने भी इन छात्राओं को बधाई देते हुए 5,100 रुपये की नकद राशि और उपहार देकर सम्मानित किया।

2.42 लाख से अधिक विद्यार्थी हुए पास, 91.46 प्रतिशत रही पास प्रतिशतता : हरजोत सिंह बैंस

12वीं कक्षा के परिणामों में लड़कियों ने मारी बाजी, 500 में से 500 अंक प्राप्त कर पहले तीन स्थान किए हासिल

सिटी दर्पण संवादाता

चंडीगढ़

- ये परिणाम विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत और शिक्षकों के समर्पण को दर्शाते हैं : बैंस
- शिक्षा मंत्री ने सभी सफल विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए दी शुभकामनाएं

पंजाब के शिक्षा क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करते हुए तीन छात्राओं ने 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं में 500 में से 500 अंक प्राप्त कर इतिहास रच दिया है। पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा आज घोषित किए गए 12वीं कक्षा के परिणामों के अनुसार गुरुकुल अकादमी पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, उभा (मानसा) की छात्रा सुपनीत कौर ने साइंस स्ट्रीम में 500/500 अंक प्राप्त कर पहला स्थान हासिल किया।

बीसीएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल, एचएम 150, जमालपुर कॉलोनी, फोकल प्वाइंट, लुधियाना की छात्रा सुहानी चौहान ने ह्यूमैनिटीज स्ट्रीम में 500/500 अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि तेजा सिंह सुतंतर मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, शिमलापुरी (लुधियाना) की छात्रा दिवांशी ने ह्यूमैनिटीज स्ट्रीम में 500/500 अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान हासिल किया। उल्लेखनीय है कि तीनों टॉपर छात्राएं खेल गतिविधियों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। कुल 2,65,417 विद्यार्थियों ने 12वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा दी, जिनमें से 2,42,755 विद्यार्थी पास हुए। इस प्रकार कुल पास प्रतिशतता 91.46 प्रतिशत रही। कॉमर्स स्ट्रीम में सबसे अधिक 98.78 प्रतिशत पास परिणाम दर्ज किया गया, जिसमें 34,496 विद्यार्थियों में से 34,074 विद्यार्थी सफल हुए। साइंस स्ट्रीम में 98.47 प्रतिशत पास प्रतिशतता रही, जहां 56,456 विद्यार्थियों में से 55,593 विद्यार्थी पास हुए। ह्यूमैनिटीज स्ट्रीम में 1,65,457 विद्यार्थियों में से 1,45,179 विद्यार्थी सफल हुए, जिससे 87.74 प्रतिशत परिणाम दर्ज किया गया। इसके अलावा, वोकेशनल स्ट्रीम में 87.80 प्रतिशत पास प्रतिशतता रही, जिसमें 9,008 विद्यार्थियों में से 7,909 विद्यार्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण की। शिक्षा मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस ने कहा, ये परिणाम हमारे विद्यार्थियों की अथक मेहनत, शिक्षकों के समर्पण तथा मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा किए गए ऐतिहासिक शिक्षा सुधारों को दर्शाते हैं। तीनों टॉपर छात्राओं की शानदार उपलब्धि की सराहना करते हुए स. बैंस ने सभी सफल विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विभिन्न स्ट्रीमों में विद्यार्थियों द्वारा पूर्ण अंक प्राप्त करना अत्यंत प्रशंसनीय है। उन्होंने बेहतर परिणामों का श्रेय डिजिटल कक्षाओं, शिक्षक प्रशिक्षण और समय पर पाठ्यक्रम पूरा करने को लेकर राज्य सरकार की प्राथमिकता को दिया।

संक्षिप्त-समाचार

स्टार ऑफ ट्राईसिटी ग्रुप द्वारा मदर डे समारोह का भव्य आयोजन, 100 से अधिक महिलाओं को किया सम्मानित

चंडीगढ़। स्टार ऑफ ट्राईसिटी ग्रुप द्वारा बीते 10 मई को चंडीगढ़ प्रेस क्लब में मदर डे के उपलक्ष्य में एक भव्य समारोह आयोजित किया गया। इस खास आयोजन में ट्राईसिटी सहित देश के विभिन्न हिस्सों से आई 100 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का माहौल उत्साह, सम्मान और महिला सशक्तिकरण की भावना से सराबोर रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी सुरिंदर वर्मा ने शिरकत की, जबकि स्पेशल गेस्ट के रूप में डिवाइन सोहेल जी, समाज सेविका आशा कहलों जी, आर्टिस्ट एवं मॉडल अमरजीत कौर जी, परख चैनल की चीफ एंड एडिटर सना जी, हरियाणा न्यूज फ्लैश के चीफ एंड एडिटर रमेश गिलहोत्रा जी, गुरजीत सिंह जी, मैडम मनदीप जी, ह्लस्मार्टेस्ट वूमेन इन चंडीगढ़ह्व शैली तनेजा जी, डॉ. एच.के. बेदी, सिंगर जसविंदर कौर जी और डॉ. अदिति जी विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में अनिकेत जी और राजिंदर बजाज जी का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। समारोह के दौरान ट्राईसिटी की लगभग 30 महिलाओं को उनके सामाजिक, सांस्कृतिक और मीडिया क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। वहीं, बेस्ट एडिटर के रूप में मैडम सना को विशेष सम्मान प्रदान किया गया। इसके अलावा देशभर से आई कई नामी महिला रिपोर्टर्स को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर सुरिंदर वर्मा और कार्यक्रम की ऑर्गेनाइजर प्रीति अरोड़ा मैडम ने कहा कि महिलाओं को सम्मानित करना उनके लिए गर्व और खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि समाज में महिलाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है और ऐसे आयोजन महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। समारोह में अलका, मनदीप, नीरज, लीना, खुशबू, विजय लक्ष्मी, वंदना, महाश्वेता, भूपिंदर मान, गीतू जैन, प्रतिभा पंडित, दीपिका सहित कई महिलाओं को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। सभी महिलाओं को उपहार भी भेंट किए गए तथा उनके लिए विशेष लंच की भी शानदार व्यवस्था की गई। पूरा कार्यक्रम सम्मान, संस्कृति और महिला शक्ति के उत्सव के रूप में यादगार बन गया।

टीवाईई चंडीगढ़ चैप्टर फाइनल 2025-26: युवा उद्यमियों का शानदार प्रदर्शन, छात्रों ने लाइव स्टार्टअप पिच किए

मोहाली। टीआईई चंडीगढ़ द्वारा इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी), मोहाली के एमपीएच हॉल में टीआईई यंग एंटरप्रेन्योर्स (टीवाईई) चैप्टर फाइनल 2025-26 का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के प्रमुख स्कूलों के प्रतिभाशाली छात्र उद्यमियों ने भाग लेकर अपने अभिनव स्टार्टअप आइडियाज प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों की 19 टीमों ने हिस्सा लिया, जिनमें से 9 टीमों ने फाइनल राउंड में जगह बनाई। इनमें सतलुज पब्लिक स्कूल की 4 तथा डीसीएम ग्रुप ऑफ स्कूल्स की 5 टीमें शामिल रहीं। छात्रों ने नवाचार, समस्या समाधान, सामाजिक प्रभाव और स्थिरता पर आधारित अपने बिजनेस मॉडल जूरी के सामने प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का मूल्यांकन प्रतिष्ठित जूरी सदस्यों डॉ. दपिंदर कौर बख्शी, जॉइंट डायरेक्टर, पंजाब स्टेट काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी, सोमवीर आनंद, सीईओ एवं मिशन डायरेक्टर, इनोवेशन मिशन पंजाब तथा शुभम सागर साहू, सीनियर प्रोग्राम मैनेजर, एआईसी-आईएसबी द्वारा किया गया। जूरी ने छात्रों की रचनात्मकता, आत्मविश्वास और प्रस्तुति कौशल की सराहना की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. रजनीश शर्मा, वाइस चांसलर, चितकारा यूनिवर्सिटी (एचपी), टीआईई ग्लोबल बीओटी 2026-27 एवं पूर्व अध्यक्ष टीआईई चंडीगढ़ हरित मोहन, टीआईई चंडीगढ़ के अध्यक्ष पुनीत वर्मा तथा डीसीएम ग्रुप ऑफ स्कूल्स के डिप्टी सीईओ डॉ. गोपन गोपालकृष्णन ने छात्रों को प्रेरित किया। टीआईई चंडीगढ़ के अध्यक्ष पुनीत वर्मा ने कहा कि टीवाईई कार्यक्रम विद्यार्थियों को मेंटरशिप, व्यावहारिक अनुभव और बिजनेस चुनौतियों का सामना करने का अवसर देकर उन्हें भविष्य के स्टार्टअप फाउंडर्स और इनोवेटर्स के रूप में तैयार कर रहा है। उन्होंने कहा कि छात्रों द्वारा प्रस्तुत आइडियाज ट्राइसिटी के युवाओं में बढ़ती उद्यमशीलता क्षमता को दर्शाते है। उन्होंने बताया कि टीआईई चंडीगढ़ ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों के बीच कुल 2 लाख रुपए की पुरस्कार राशि वितरित की। साथ ही विजेता टीमें अब टीवाईई नेशनल फाइनल में क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेंगी। विजेता टीमों में ट्रैक ईडी (सतलुज पब्लिक स्कूल) एवं स्किल वोरा एआई (डीसीएम ग्रुप ऑफ स्कूल्स), प्रथम रनर-अप बायो रैप (सतलुज पब्लिक स्कूल) और द्वितीय रनर-अप माय कोफोर्ज (डीसीएम ग्रुप ऑफ स्कूल्स) रहा। कार्यक्रम का समापन विजेताओं के सम्मान, पुरस्कार वितरण और धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

विश्वास फाउंडेशन की अनूठी पहल: पौष्टिक आहार से टीबी के खिलाफ जंग

चंडीगढ़/पंचकूला। विश्वास फाउंडेशन सामाजिक व धार्मिक संस्था ने क्षय रोग टीबी के उन्मूलन के लिए एक सराहनीय और व्यावहारिक कदम उठाया है। संस्था के संस्थापक गुरुदेव श्री स्वामी विश्वास जी के आशीर्वाद से, विश्वास फाउंडेशन केवल आध्यात्मिक चेतना ही नहीं, बल्कि समाज के स्वास्थ्य सुधार में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। संस्था का मानना है कि टीबी जैसी गंभीर बीमारी को केवल दवाइयों से नहीं, बल्कि कम्युनिटी सपोर्ट और सही पोषण से ही जड़ से खत्म किया जा सकता है। विश्वास फाउंडेशन की अध्यक्ष साध्वी नीलिमा विश्वास ने बताया कि मरीजों को रोजाना सुबह-शाम 15-15 मिनट मेडिटेशन ध्यान व योगाभ्यास करने की सलाह दी जाती है, जिससे मानसिक तनाव कम हो और फेफड़ों की कार्यक्षमता बढ़े। समाज में टीबी मरीजों के प्रति भेदभाव और हीन भावना को खत्म कर उन्हें प्यार और सामाजिक संबल देना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है। प्रधानमंत्री के टीबी मुक्त भारत अभियान को मजबूती देते हुए, विश्वास फाउंडेशन लगातार टीबी ग्रस्त मरीजों को गोद ले रहा है। संस्था द्वारा स्टेट टीबी ऑफिसर राजेश राजू, सीएमओ मुक्ता कुमार व डिटीओ संदीप छाबड़ा की अध्यक्षता में पंचकुला के जरूरतमंद मरीजों को हर महीने प्रोटीनयुक्त पौष्टिक आहार किट मुफ्त वितरित की जाती हैं। संस्था की अध्यक्ष साध्वी नीलिमा विश्वास के नेतृत्व में इस अभियान को निरंतर चलाया जा रहा है। इस पुनीत कार्य में फाउंडेशन के सेवादार व अनुयायी भी अपना विशेष योगदान दे रहे हैं। संस्था द्वारा 2022 से मरीजों को डाइट देनी शुरू की गई थी। पैक्ड किट में मरीजों के लिए 1 किलो सोया दाल, 1 किलो सोया आटा, 500 ग्राम सोयाबीन बड़ी, 500 ग्राम भूना चना, 500 ग्राम गुड़ व 1 डिब्बा प्रोटीन पाउडर होता है। इस अवसर पर विश्वास फाउंडेशन से रणधीर सिंह, मदन नागपाल व टीबी विभाग से सतीश वत्स मौजूद रहे ।

मुख्यमंत्री साय ने किया ईंधन संरक्षण और संसाधनों के संयमित उपयोग का आह्वान

ऊर्जा संरक्षण की दिशा में उठाया गया हर कदम राष्ट्रनिर्माण में योगदान है : मुख्यमंत्री

एजेंसी (हि.स.)
रायपुर

फोटोः हि.स.

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रहित में ईंधन संरक्षण एवं संसाधनों के संयमित उपयोग को लेकर किए गए आह्वान का समर्थन करते हुए कहा है कि वैश्विक ऊर्जा संकट और पर्यावरणीय चुनौतियों के इस दौर में पेट्रोल-डीजल जैसे मूल्यवान संसाधनों का जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग करना हम सभी का राष्ट्रीय दायित्व है।

मुख्यमंत्री साय ने आज बुधवार को कहा कि ऊर्जा संरक्षण केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ा एक महत्वपूर्ण विषय है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इसी भावना से प्रेरित होकर राज्य शासन द्वारा शासकीय स्तर पर ईंधन की खपत कम करने और संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग की दिशा में ठोस पहल की जा रही है। उन्होंने कहा की कि उनके आधिकारिक भ्रमणों के दौरान अब केवल अत्यावश्यक वाहनों को ही काफिले में शामिल किया जाएगा। साथ ही मंत्रीगणों तथा विभिन्न निगम-मंडलों के पदाधिकारियों से भी वाहनों एवं अन्य सरकारी संसाधनों के संयमित उपयोग का आग्रह किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शासकीय परिवहन व्यवस्था को अधिक पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में भी कार्य करेगी। इसके तहत समस्त शासकीय वाहनों को चरणबद्ध तरीके से इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) में परिवर्तित करने की दिशा में ठोस कार्यवाही प्रारंभ की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह कदम न केवल ईंधन की बचत करेगा, बल्कि प्रदूषण नियंत्रण और हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री साय ने प्रदेशवासियों से सार्वजनिक परिवहन का अधिकाधिक उपयोग करने, कारपूलिंग अपनाने तथा अनावश्यक निजी वाहनों के उपयोग से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी आदतों में बदलाव लाकर हम बड़े सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। यदि प्रत्येक नागरिक ईंधन बचत को अपनी जिम्मेदारी माने, तो यह अभियान एक व्यापक जन-आंदोलन का रूप ले सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नेशन फर्स्ट की भावना के साथ ईंधन संरक्षण को जनभागीदारी का अभियान बनाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने प्रदेशवासियों से राष्ट्रहित में जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक जागरूक कदम ही देश की ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक मजबूती में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

बिहार के किशनगंज में निहार ईंट भट्ठा से 62 सिलेंडर जब्त

एजेंसी (हि.स.)
किशनगंज

फोटोः हि.स.

बिहार में किशनगंज जिले के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत जियापोखर थाना क्षेत्र के मालिनगांव पंचायत स्थित गिलहारी गांव में संचालित एमएस निहार ब्रिक्स ईंट भट्ठा में अवैध रूप से गैस सिलेंडरों के भंडारण के मामले में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले को लेकर प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी सुमित कुमार के आवेदन पर जियापोखर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। जानकारी के अनुसार जिलाधिकारी विशाल राज के निर्देश पर प्रशासनिक टीम द्वारा ईंट भट्ठा परिसर में संयुक्त छापेमारी अभियान चलाया गया। छापेमारी के दौरान भट्ठा परिसर से कुल 62 गैस सिलेंडर बरामद किए गए। इनमें 54 घरेलू गैस सिलेंडर, 8 कॉमर्शियल सिलेंडर तथा छोटे गैस सिलेंडर शामिल हैं।

जांच के दौरान मौके पर मौजूद कर्मियों से सिलेंडरों से संबंधित वैध कागजात की मांग की गई, लेकिन कोई संतोषजनक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया जा सका। प्रशासनिक अधिकारियों ने बरामद सभी सिलेंडरों को जब्त कर सूची तैयार की। इसके बाद पुलिस बल की सहायता से सिलेंडरों को ट्रक पर लादकर पौआखाली स्थित गैस गोदाम भेज दिया गया। बताया गया कि छापेमारी के समय ईंट भट्ठा मालिक एकरामुल हक मौके पर मौजूद नहीं थे। प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी द्वारा दिए गए आवेदन में कहा गया है कि बिना वैध लाइसेंस के बड़ी मात्रा में घरेलू एवं कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों का भंडारण करना द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय एवं वितरण विनियमन) आदेश 2000 तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 का उल्लंघन है। मामले में भट्ठा मालिक एकरामुल हक के विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की मांग की गई है।

जियापोखर थानाध्यक्ष गौतम कुमार ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। इस संबंध में थाना कांड संख्या 32/26 अंकित किया गया है। पुलिस द्वारा आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि जब्त सिलेंडरों में 49 खाली घरेलू सिलेंडर, 5 भरे घरेलू सिलेंडर तथा 8 छोटे भरे कॉमर्शियल सिलेंडर शामिल हैं। प्रशासन को सूचना मिली थी कि ईंट भट्ठा में अवैध रूप से गैस सिलेंडरों का भंडारण किया जा रहा है, जिसके बाद संयुक्त छापेमारी अभियान चलाया गया।

कार्रवाई के दौरान एसडीओ अनिकेत कुमार, खनिज विकास पदाधिकारी प्रणव कुमार प्रभाकर, डीएसपी, इंस्पेक्टर, राजस्व अधिकारी राहुल कुमार, श्रम विभाग के अधिकारी तथा जियापोखर एवं पौआखाली थाना की पुलिस टीम मौजूद रही।

तमिलनाडु के तिरुपुर में सड़क हादसा पुलिसकर्मी समेत छह की मौत

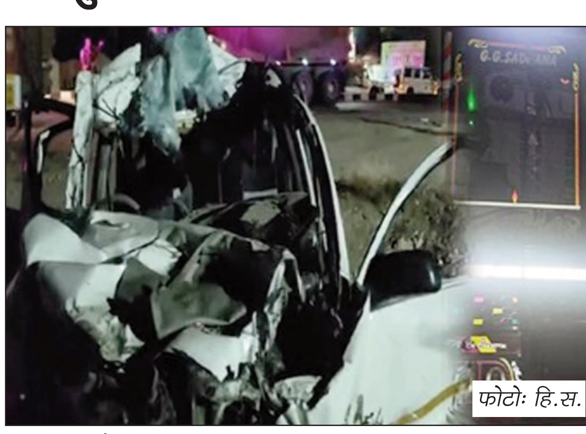

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
तिरुपुर (तमिलनाडु)

तिरुप्पुर जिले के वेल्लाकोविल-करूर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पुलिस चेक पोस्ट के पास आज तड़के सड़क हादसे में ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी समेत 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सड़क के डिवाइडर से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को पुलिसकर्मी रविचंद्रन हटा रहे थे। इस दौरान तेज रफ्तार एक कार अचानक नियंत्रण खो बैठी और ट्रक से टकरा गई। हादसे में पुलिसकर्मी रविचंद्रन , ट्रक चालक और कार में सवार चार लोगों समेत कुल 6 लोगों की मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची। सभी के शव सरकारी अस्पताल भेजे गए हैं। अभी तक मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है। वेल्लाकोविल पुलिस केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सेल अधिकारियों के लिए विदेश में नौकरी का मौका, 31 मई तक सेल के इच्छुक कर सकते है आवेदन

कोलकाता। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) में कार्यरत अधिकारियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करने का सुनहरा अवसर सामने आया है। सेल की संयुक्त उद्यम कंपनी इंटरनेशनल कॉल वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड (आईबीसीएल) में प्रतिनियुक्ति के आधार पर अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार 31 मई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। चयन प्रक्रिया साक्षात्कार के माध्यम से पूरी होगी। कंपनी द्वारा प्रबंधक (परिचालन) और प्रबंधक (वित्त एवं लेखा) पदों पर चार वर्षों के लिए नियुक्ति की जाएगी। इस अवसर के लिए इस्को स्टील प्लांट, दुगार्पुर स्टील प्लांट, बोकारो स्टील प्लांट, राउरकेला स्टील प्लांट, भिलाई स्टील प्लांट सहित सेल की विभिन्न इकाइयों में कार्यरत प्रबंधन से लेकर सहायक महाप्रबंधक स्तर तक के अधिकारी आवेदन कर सकेंगे। योग्यता की बात करें तो प्रबंधक (परिचालन) पद के लिए उम्मीदवार के पास मान्यता प्राप्त संस्थान से इलेक्ट्रिकल या मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिग्री होना आवश्यक है। वहीं प्रबंधक (वित्त एवं लेखा) पद के लिए सीए या आईसीडब्ल्यूए की योग्यता अनिवार्य रखी गई है।

राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री बालेन्द्र नहीं देंगे जवाब

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

फोटोः हि.स.

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह को आज संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में सहभागी होते हुए संसद के जवाब देने के लिए समय तय किया गया था, लेकिन अंतिम समय में उनकी तरफ से इसे स्थगित कर दिया गया है।

प्रधानमंत्री के निजी सचिवालय के मुताबिक, प्रतिनिधि सभा की बैठक में संबोधन नहीं करेंगे। सरकार द्वारा संसद में राष्ट्रपति द्वारा पेश प्रस्तुत नीति तथा कार्यक्रम पर उठे सवालों का जवाब प्रधानमंत्री देंगे, ऐसा बताते हुए संसद सचिवालय ने पहले सूचना जारी की थी। प्रधानमंत्री की प्रेस सलाहकार दीपा दाहाल ने बताया कि प्रधानमंत्री विशेष कारणों से संसद की बैठक को संबोधित नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, ह्लप्रधानमंत्री का आज संसद में संबोधन कार्यक्रम विशेष कारणवश स्थगित कर दिया गया है। संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर उठे सवालों का जवाब वित्तमंत्री स्वर्णिम वागले देंगे।ह्व बताया गया है कि प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की तरफ से दो लाइन का लिखित धन्यवाद प्रस्ताव स्पीकर को सौंप दिया गया है। मंगलवार को हुई संसद बैठक में विभिन्न दलों के प्रतिनिधित्व के आधार पर सांसदों ने सरकार की नीति तथा कार्यक्रम पर अपने विचार रखे थे। इस पर उठे सवालों का आज प्रधानमंत्री को जवाब देना था। प्रधानमंत्री की संसद से दूरी बनाने की यह घटना पहली नहीं है। सोमवार को राष्ट्रपति द्वारा संसद की संयुक्त बैठक में सहभागी होने के लिए जब आए तब भी प्रधानमंत्री उनके स्वागत के समय वहां से नदारद दिखे। जबकि सामान्य शिष्टाचार के तहत राष्ट्रपति के आगमन के समय स्पीकर, डिप्टी स्पीकर और राष्ट्रीय सभा के अध्यक्ष के साथ प्रधानमंत्री को भी मौजूद होना चाहिए। इतना ही नहीं राष्ट्रपति के सदन में पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने संसद में प्रवेश किया। प्रधानमंत्री की सबसे बड़ी आलोचना उस बात को लेकर हो रही है जब राष्ट्रपति के अभिभाषण के शुरू होने के कुछ समय बाद ही बालेन्द्र शाह बीच में ही उठ कर चले गए थे।

देश में बड़ी बिल्लियों के संरक्षण पर पांच थीम आधारित कार्यक्रम आयोजित करेगी केंद्र सरकार

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

केंद्र सरकार देश में बड़ी बिल्लियों के संरक्षण को बढ़ावा देने और इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस के उद्देश्यों को सामने रखने के लिए पांच बिंदुओं की थीम आधारित कार्यक्रम आयोजित करेगी। इन कार्यक्रमों में बाघ, एशियाई शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ और चीता संरक्षण से जुड़े प्रयासों, उपलब्धियों और चुनौतियों को प्रदर्शित किया जाएगा।

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि ये कार्यक्रम इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस शिखर सम्मेलन-2026 से पहले देश के विभिन्न राज्यों में आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रमों का आयोजन गुजरात के गिर, मध्य प्रदेश के भोपाल, ओडिशा के भुवनेश्वर, सिक्किम के गंगटोक और महाराष्ट्र के चंद्रपुर में किया जाएगा। गिर में एशियाई शेर संरक्षण कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें प्रोजेक्ट लायन, वैज्ञानिक निगरानी प्रणाली, आवास सुधार और मालधारी समुदाय की भूमिका को रेखांकित किया जाएगा। चंद्रपुर में बाघ संरक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रोजेक्ट टाइगर, वन्यजीव गलियारों की सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी प्रणाली और मानव-बाघ संघर्ष कम करने के प्रयासों को प्रदर्शित किया जाएगा। भुवनेश्वर में तेंदुआ संरक्षण और जैव विविधता अंतरराष्ट्रीय दिवस से जुड़ा कार्यक्रम आयोजित होगा। इसमें मानव-वन्यजीव संघर्ष कम करने, बचाव तंत्र मजबूत करने और सह-अस्तित्व को बढ़ावा देने पर चर्चा होगी। गंगटोक में हिम तेंदुआ संरक्षण कार्यक्रम के दौरान हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों और स्थानीय समुदायों की भागीदारी पर जोर दिया जाएगा। भोपाल में चीता संरक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से लाए गए चीतों के पुनर्वास, घासभूमि पारिस्थितिकी तंत्र के विकास और वैज्ञानिक निगरानी प्रणाली पर चर्चा होगी।

मंत्रालय के अनुसार, इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस भारत की पहल पर शुरू किया गया वैश्विक मंच है, जिसका उद्देश्य दुनिया की सात प्रमुख बड़ी बिल्ली प्रजातियों के संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना है।

सोना-चांदी पर आयात शुल्क अब 15 फीसदी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के बीच रुपये को सहारा देने के लिए सरकार ने सोना और चांदी पर आयात शुल्क को बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया है। ये दरें बुधवार से प्रभावी हो गई हैं। वित्त मंत्रालय ने इस संबंध में मंगलवार देररात अधिसूचना जारी की । इसके अनुसार, सरकार ने सोना और चांदी के आयात पर 10 फीसदी मूल सीमा शुल्क और 5 फीसदी कृषि अवसंरचना और विकास उपकर लगाया है। इससे प्रभावी आयात कर 6 फीसदी से बढ़कर 15 फीसदी हो गया है। यह दरें 13 मई से लागू हो गई हैं। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना 16/2026 में सीमा शुल्क के माध्यम से कीमती धातुओं और उनसे बनी चीजों (निष्कर्ष) के लिए सीमा शुल्क दरों को अपडेट किया है। अधिसूचना के मुताबिक, सोना और चांदी से बनी चीजों पर पांच फीसदी शुल्क लगेगा, जबकि प्लैटिनम से बनी चीजों पर यह दर 5.4 फीसदी होगी। इसके अलावा कीमती धातुओं से बने इस्तेमाल हो चुके कैटेलिस्ट पर 4.35 फीसदी शुल्क निर्धारित किया गया है, बशर्ते संबंधित अनुपालन मानदंडों को पूरा किया जाए।

प्रधानमंत्री की अपील का गुजरात में असर राज्यपाल अब बस और ट्रेन से करेंगे सफर

एजेंसी (हि.स.)
गांधीनगर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पेट्रोल-डीजल की बचत, कार पूलिंग और अनावश्यक खर्च कम करने की अपील का बड़ा असर गुजरात में दिखा है। प्रधानमंत्री ने स्वयं अपने एसपीजी काफिले में 50 प्रतिशत वाहनों की कटौती करने का निर्देश दिया है। गुजरात यूनिवर्सिटी ने भी कार पूलिंग लागू करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने अपना काफिला छोटा कर लिया है। राज्यपाल ने एसटी बस और ट्रेन से सफर करने का फैसला किया है।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अमरेली जिले के राजुला दौरे में सादगी और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सामान्यतः मुख्यमंत्री के दौरे में 10 से अधिक वाहनों का काफिला रहता है, लेकिन इस बार वे केवल दो कारों के साथ राजुला पहुंचे। राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने अब हेलिकॉप्टर और विमान सेवाओं के बजाय एसटी बस और ट्रेन से यात्रा करने का फैसला किया है। साथ ही राज्यपाल ने अपने काफिले में भी वाहनों की संख्या न्यूनतम रखने का निर्णय लिया है। उन्होंने नागरिकों से प्रदूषण कम करने के लिए साइकिल और इलेक्ट्रिक व्हीकल के अधिकतम उपयोग की अपील भी की है।

राज्य के गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने भी प्रधानमंत्री की अपील का समर्थन करते हुए अपना अमेरिका दौरा रद्द कर दिया है। मई के अंतिम सप्ताह में उन्हें फेडरेशन ऑफ गुजराती एसोसिएशन ऑफ यूएसए कन्वेंशन में शामिल होना था, लेकिन प्रधानमंत्री की एक वर्ष तक विदेश यात्राएं टालने की अपील के बाद उन्होंने अपना दौरा स्थगित कर दिया।

संक्षिप्त-समाचार

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के छोटे भाई प्रतीक का 38 वर्ष की आयु में निधन

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के छोटे भाई प्रतीक यादव का बुधवार को लखनऊ में निधन हो गया। अभी उनकी उम्र महज 38 वर्ष थी। सूत्रों के मुताबिक वह बीमार थे। सिविल अस्पताल के चिकित्सकों के मुताबिक, प्रतीक यादव को सिविल अस्पताल प्रातः 6:00 बजे लाया गया । अस्पताल पहुंचने से पहले उनकी मृत्यु हो चुकी थी। प्रतीक फिटनेस के प्रति काफी गंभीर रहते थे। वह समाजवादी पार्टी के संस्थापक स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के बेटे हैं। उनकी पत्नी अपर्णा यादव भाजपा की नेता हैं और उत्तर प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष हैं।

'शब्द' पुरस्कारों के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित

बेंगलुरु (कर्नाटक)। बेंगलुरु के हिंदी रचनाकारों की प्रसिद्ध संस्था 'शब्द' ने उत्कृष्ट साहित्य लेखन और हिंदी के संवर्द्धन के लिए शुरू किए गए अपने दो वार्षिक पुरस्कारों के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित की है। इनमें पहला पुरस्कार एक लाख रुपये का ''अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान'' है। यह सम्मान देश के किन्हीं एक मूर्द्धन्य साहित्यकार को दिया जाता है। पच्चीस हजार रुपये का दूसरा पुरस्कार ''दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान'' है। इसे दक्षिण भारत में हिंदी भाषा और साहित्य के संवर्द्धन में उल्लेखनीय योगदान के लिए किन्हीं एक विशिष्ट हिंदी सेवी को प्रदान किया जाता है। 'शब्द' के अध्यक्ष डॉ. श्रीनारायण समीर ने आज जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी।

जुबीन हत्याकांडः गौहाटी उच्च न्यायालय में होगी श्यामकानु महंत की जमानत याचिका पर सुनवाई

गुवाहाटी। जुबीन गर्ग हत्याकांड के मुख्य आरोपित श्यामकानु महंत की जमानत याचिका पर आज गौहाटी उच्च न्यायालय में सुनवाई होगी। फास्ट ट्रैक अदालत द्वारा कई बार जमानत आवेदन खारिज किए जाने के बाद श्यामकानु महंत ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। मामले को लेकर कानूनी हलकों में भी चर्चा बनी हुई है। सूत्रों के अनुसार, आज की सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों की दलीलें अदालत के समक्ष रखी जाएंगी। उल्लेखनीय है कि बीते अप्रैल माह में चार्जशीट पर दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायालय ने श्यामकानु महंत की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रखने के बाद इसे 30 अप्रैल को जमानत याचिका को खारिज कर दिया था। एक अन्य मुख्य आरोपित सिद्धार्थ शर्मा की जमानत याचिका भी फास्ट ट्रैक कोर्ट द्वारा खारिज की जा चुकी है।

नेवता करने गए युवक की संदिग्ध मौत, परिजन ने जताई हत्या की आशंका

सीवान। सारण जिले के मशरख थाना क्षेत्र के चांद चुनरिया गांव में नेवता करने गए एक युवक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। घटना के बाद परिजन में कोहराम मच गया। मृतक सीवान जिले के लकड़ीनबीगंज थाना क्षेत्र के पड़ौली चनुआ गांव निवासी धनंजय राय है, जो मनोज राय का पुत्र था। घटना के संबंध में परिजन ने बताया कि धनंजय राय अपने दो अन्य साथियों के साथ बाइक से अपने एक संबंधी के यहां नेवता करने के लिए मशरख थाना क्षेत्र के चांद चुनरिया गांव गया था। बताया जाता है कि गांव पहुंचने से पहले तीनों साथियों ने रास्ते में रुककर ताड़ी पी थी। इसके बाद वे लोग नेवता करने चांद चुनरिया गांव पहुंचे। परिजनों के अनुसार गांव पहुंचने के कुछ देर बाद ही धनंजय की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी और वह कुर्सी से गिर पड़ा। स्थानीय लोगों की सहायता से उसे तत्काल स्थानीय चिकित्सकों के पास ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।घटना की सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और शव को लेकर लकड़ीनबीगंज थाना पहुंचे। परिजनों ने युवक की हत्या किए जाने की आशंका जताते हुए पुलिस से पोस्टमार्टम कराने की मांग की। परिजनों का आरोप है कि द्वार पूजा से पहले साजिश के तहत धनंजय की हत्या की गई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। मामले को लेकर पुलिस जांच में जुट गई है तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

बंशी छपरा के समीप सड़क हादसे में एक की मौत, सात घायल

सारण। जिले में रसूलपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बंशी छपरा गांव के समीप छपरा-सीवान नेशनल हाईवे पर अहले सुबह एक सड़क हादसा हो गया। बारात से लौट रही एक तेज रफ्तार बोलेरो सड़क किनारे खड़े एक अज्ञात ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए और वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे में बोलेरो सवार एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि सात अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस जानकारी के अनुसार बोलेरो सवार सभी लोग एक शादी समारोह में शामिल होकर वापस अपने घर दाउदपुर थाना क्षेत्र की ओर जा रहे थे। जैसे ही उनकी गाड़ी बंशी छपरा गांव के पास पहुंची अंधेरे में सड़क किनारे खड़े एक अज्ञात ट्रक से उनकी सीधी भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके का फायदा उठाकर वाहन सहित फरार होने में सफल रहा। घटना की सूचना मिलते ही रसूलपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची स्थानीय लोगों के सहयोग से बचाव कार्य शुरू किया। घटना में मृतक की पहचान दाउदपुर थाना क्षेत्र के दुमदुमा गांव निवासी 30 वर्षीय राहुल कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। घटना में गंभीर रूप से घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर चिकित्सा हेतु छपरा सदर अस्पताल रेफर कर गया।

टाटानगर स्टेशन यार्ड में तेंदुआ दिखने की चर्चा से हड़कंप, वन विभाग और रेलवे अलर्ट

पूर्वी सिंहभूम। टाटानगर रेलवे स्टेशन यार्ड के पास तेंदुआ देखे जाने की खबर ने मंगलवार शाम शहर में सनसनी फैला दी। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में तेंदुए जैसा दिखने वाला एक बड़ा जंगली जानवर रेलवे यार्ड के समीप दौड़ता नजर आ रहा है।वीडियो सामने आते ही वन विभाग, रेलवे प्रशासन और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) हरकत में आ गए हैं। हालांकि अब तक यह पुष्टि नहीं हो सकी है कि वीडियो में दिख रहा जानवर वास्तव में तेंदुआ है या कोई अन्य जंगली जीव इसकी जांच की जा रही है।

हरे निशान पर खुला शेयर बाजार सेंसेक्स 138 अंक उछला

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का सीधा असर घरेलू शेयर बाजार पर पड़ा है। हालांकि, सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को शेयर बाजार हरे निशान पर खुला। फिलहाल, बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक में तेजी दिख रही है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 137.64 अंक यानी 0.18 फीसदी की उछाल के साथ 74,696.88 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 66.25 अंक यानी 0.28 फीसदी की तेजी के साथ 23,445.80 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है।

30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से एनटीपीसी, बजाज फाइनेंस, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पावर ग्रिड, टाइटन और एक्सिस बैंक के शेयर नुकसान में रहे। हालांकि, एशियन पेंट्स, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर में तेजी दर्ज की गई। इसी तरह एशियाई शेयर बाजारों दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की 225, चीन का एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में कारोबार कर रहा है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव करीब 106.6 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया है। उल्लेखनीय है कि घरेलू शेयर बाजार में कल लगातार चाथे कारोबारी सत्र में गिरावट देखने को मिली थी। सेंसेक्स 1,456 अंक गिरकर 74,559 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी भी 436 अंक की गिरावट के साथ 23,379 के स्तर पर बंद हुआ था। पिछले 4 दिन में सेंसेक्स करीब 3,500 अंक और निफ्टी लगभग 1,000 अंक गिरा है।

सूचना इस साल पहले तीन महीनों में तालिबान-पाकिस्तान संघर्ष

372 अफगान नागरिक मारे गए: रिपोर्ट

एजेंसी (हि.स.)
काबुल (अफगानिस्तान)

फोटोः हि.स.

अफगानिस्तान में इस वर्ष (2026) के पहले तीन महीनों जनवरी, फरवरी और मार्च में तालिबान बलों और पाकिस्तान के बीच हुई झड़पों में कम से कम 372 नागरिक मारे गए और 397 अन्य घायल हुए। यह दावा अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएएमए) की मंगलवार को जारी रिपोर्ट में किया गया है। इसे यूएनएएमए के मानवाधिकार अनुभाग ने तैयार किया है।

अफगानिस्तान के अंग्रेजी समाचार पत्र काबुल नाऊ ने यूएनएएमए के हवाले से अपनी रिपोर्ट में कहा कि सबसे ज्यादा लोग 26 फरवरी को पाकिस्तान के ₹ऑपरेशन गजब लिल हकर₹ के शुरू होने के बाद मारे गए। नागरिकों की कुल मौतों और घायलों में से आधे से ज्यादा मामले 16 मार्च को हुए पाकिस्तान के हवाई हमलों से जुड़े हैं। हमलों में काबुल के उम्मीद नशा मुक्ति अस्पताल को निशाना बनाया गया। यूएनएएमए ने कहा कि उसने स्वतंत्र रूप से इस बात की पुष्टि की है कि अस्पताल पर हुए हमले में 269 लोग मारे गए और 122 घायल हुए। हालांकि, उसने यह भी चेतावनी दी कि सभी पीड़ितों की गिनती करने में आने वाली चुनौतियों के कारण वास्तविक संख्या इससे कहीं ज्यादा हो सकती है। इस अस्पताल परिसर पर तीन बार हवाई हमला किया गया। पहला हमला मस्जिद और सोने के कमरों पर हुआ। दूसरा हमला कंटेनरों से बने भोजन भंडारण क्षेत्र और छात्रावास के एक हिस्से पर हुआ। तीसरा हमला व्यावसायिक प्रशिक्षण भवनों को निशाना बनाकर किया गया। यह भवन लकड़ी के बने थे और उनमें आग लग गई। तालिबान ने मिशन को जानकारी दी है कि केंद्र पर हुए हमले में 411 से अधिक लोग मारे गए और 261 से ज्यादा घायल हुए, जबकि 491 अन्य लोग सुरक्षित बच गए। काबुल स्थित पाकिस्तान के दूतावास ने यूएनएएमए को लिखित जवाब में बताया कि 16 मार्च की रात को की गई उसकी कार्रवाई ₹पूरी तरह से आतंकवादी और सैन्य बुनियादी ढांचे के खिलाफ थी। दूतावास ने इन हमलों को सटीक, लक्षित और पेशेवर बताया पर किसी भी अस्पताल, नशा मुक्ति केंद्र या नागरिक सुविधा को निशाना बनाने से इनकार किया।

रिपोर्ट के अनुसार, इस हिंसा के कारण पहली अप्रैल तक अफगानिस्तान के अंदर ही लगभग 94,000 लोग विस्थापित हो चुके हैं। आम नागरिकों के घरों, बुनियादी ढांचों और निजी व्यवसायों को भारी नुकसान पहुंचा है। मिशन ने दोनों पक्षों से अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का सम्मान करने, आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए कदम उठाने और कथित उल्लंघनों की पूरी जांच करने की अपील की। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों और तालिबान लड़ाकों के बीच झड़पें सबसे पहले अक्टूबर 2025 में शुरू हुईं और इस साल फरवरी के आखिर से और तेज हो गई हैं।

नेशंस कप की तैयारी के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी भारतीय महिला हॉकी टीम

एफआईएच नेशंस कप का शंखनाद: पर्थ में होगा ऑस्ट्रेलिया से आमना-सामना

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

भारतीय महिला हॉकी टीम आगामी एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप न्यूजीलैंड 2025-26 की तैयारियों के तहत ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। हॉकी इंडिया ने बुधवार को उक्त घोषणा की। यह दौरा 21 मई से 3 जून 2026 तक आयोजित होगा, जबकि नेशंस कप का आयोजन 15 से 21 जून तक ऑकलैंड में होना है।

फोटोः हि.स.

ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान भारतीय टीम पर्थ हॉकी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मुकाबले खेलेगी। ये मैच 26, 27, 29 और 30 मई को खेले जाएंगे। पहले दो मुकाबले भारतीय समयानुसार शाम 5 बजे शुरू होंगे, जबकि आखिरी दो मैच सुबह 11 बजे खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद भारतीय टीम न्यूजीलैंड रवाना होगी, जहां नेशंस कप से पहले अभ्यास मुकाबलों के जरिए अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देगी। भारतीय महिला हॉकी टीम इससे पहले इस साल अर्जेंटीना दौरे पर शानदार प्रदर्शन कर चुकी है। टीम ने चार मैचों की सीरीज में दो जीत दर्ज कर मजबूत खेल का प्रदर्शन किया था। दौरे से लौटने के बाद से खिलाड़ी साई बेंगलुरु में राष्ट्रीय शिविर में लगातार अभ्यास कर रही हैं और अंतरराष्ट्रीय सीजन को ध्यान में रखते हुए अपनी कमजोरियों पर काम कर रही हैं। इस दौरे के दौरान टीम की ड्रैग-फ्लिकर खिलाड़ियों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। कोका-कोला इंडिया फाउंडेशन 'आनंदना' के सहयोग से नीदरलैंड के दिग्गज ताएके ताएकेमा 26 मई से 21 जून तक पर्थ और ऑकलैंड में खिलाड़ियों को विशेष ड्रैग-फ्लिक प्रशिक्षण देंगे।

भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच सजोर्ड मारिजने ने इस दौरे को बेहद अहम बताया। उन्होंने कहा, हॉकी इंडिया का धन्यवाद, जिसकी वजह से यह दौरा संभव हो पाया। इन मुकाबलों से हमें अपने खेल की कमियों और सुधार दोनों को समझने का मौका मिलेगा। अर्जेंटीना दौरे में हमने देखा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर का मानक क्या है। अब हम यह परख पाएंगे कि हम उस स्तर के कितने करीब पहुंचे हैं।

उन्होंने आगे कहा, न्यूजीलैंड पहुंचने से पहले यह दौरा खिलाड़ियों को वहां की परिस्थितियों के अनुसार ढलने में मदद करेगा। लंबी यात्रा को हिस्सों में बांटने से खिलाड़ियों को जल्दी अनुकूल माहौल मिलेगा। न्यूजीलैंड का मौसम ठंडा रहता है और पर्थ की परिस्थितियां उससे काफी मिलती-जुलती हैं।

आईपीएल 2026: ऑरेंज कैप की रेस में साई सुदर्शन दूसरे स्थान पर

पर्पल कैप में रबाडा ने की भुवनेश्वर की बराबरी

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में मंगलवार को गुजरात टाइटंस (जीटी) की सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) पर जीत के बाद ऑरेंज कैप और पर्पल कैप की रेस और भी रोमांचक हो गई है। बल्लेबाजों और गेंदबाजों की सूची में कई बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज बी साई सुदर्शन ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 61 रन की शानदार पारी खेलकर ऑरेंज कैप की दौड़ में बड़ा उछाल मारा। यह उनकी लगातार तीसरी फिफ्टी और पिछले पांच मैचों में चौथी अर्धशतकीय पारी रही।

फोटोः हि.स.

साई सुदर्शन कुछ समय के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए थे, लेकिन बाद में एसआरएच के विकेटकीपर बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने उन्हें पीछे छोड़ दिया। क्लासेन ने मैच में सिर्फ 14 रन बनाए, लेकिन उनके कुल रन 508 हो गए, जिससे वह अब भी ऑरेंज कैप अपने पास बनाए हुए हैं। वहीं साई सुदर्शन 501 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। इस सीजन अब तक केवल क्लासेन और साई सुदर्शन ही 500 रन का आंकड़ा पार कर पाए हैं। ऑरेंज कैप सूची में तीसरे स्थान पर एसआरएच के अभिषेक शर्मा हैं, जिनके 481 रन हैं। हालांकि जीटी के खिलाफ वह सिर्फ 6 रन ही बना सके। दिल्ली कैपिटल्स के केएल राहुल 477 रन के साथ चौथे स्थान पर हैं, जबकि गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल 467 रन के साथ पांचवें स्थान पर मौजूद हैं। दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए 28 रन देकर 3 विकेट झटके और पर्पल कैप की रेस में भुवनेश्वर कुमार की बराबरी कर ली। रबाडा ने पावरप्ले में अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और आर स्मरण के विकेट लेकर एसआरएच की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। उनके नाम अब 21 विकेट हो गए हैं, जो भुवनेश्वर कुमार के बराबर हैं। हालांकि बेहतर इकॉनमी रेट (7.46) की वजह से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार अब भी पर्पल कैप अपने पास बनाए हुए हैं, जबकि रबाडा का इकॉनमी रेट 9.15 है। चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कंबोज 19 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर हैं। वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स के प्रिंस यादव, गुजरात टाइटंस के राशिद खान और एसआरएच के ईशान मलिंगा 16-16 विकेट लेकर संयुक्त रूप से अगले स्थानों पर मौजूद हैं। राशिद खान ने एसआरएच के खिलाफ एक विकेट लिया, जबकि ईशान मलिंगा को कोई सफलता नहीं मिली। गुजरात टाइटंस के दो अन्य गेंदबाजों ने भी बड़ी छलांग लगाई। लगभग एक महीने बाद वापसी करने वाले प्रसिद्ध कृष्णा ने दो विकेट लेकर इस सीजन अपने विकेटों की संख्या 14 तक पहुंचा दी। वहीं जेसन होल्डर ने सिर्फ छह मैचों में 13 विकेट लेकर सभी को प्रभावित किया है। प्रसिद्ध और होल्डर क्रमशः नौवें और दसवें स्थान पर हैं।

कोच विटोरी ने कबूला: गुजरात टाइटन्स की घातक गेंदबाजी के सामने 'लाचार' दिखी सनराइजर्स

एजेंसी (हि.स.)

अहमदाबाद

नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ मिली 82 रनों की करारी हार के बाद सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच डेनियल विटोरी ने बड़ा बयान दिया है। विटोरी ने खुले दिल से स्वीकार किया कि गुजरात के गेंदबाजों ने अपनी सटीक लाइन-लेंथ और रफ्तार से उनकी टीम को 'चारों खाने चित' कर दिया। इस हार के साथ हैदराबाद की बल्लेबाजी की कमजोरियां एक बार फिर उजागर हो गई हैं। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में डेनियल विटोरी ने गुजरात टाइटन्स के गेंदबाजी आक्रमण की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि गुजरात के पास न केवल पांच विश्व स्तरीय तेज गेंदबाज हैं, बल्कि राशिद खान जैसा स्पिनर भी है, जिसका सामना करना किसी भी टीम के लिए एक बड़ी चुनौती होती है।

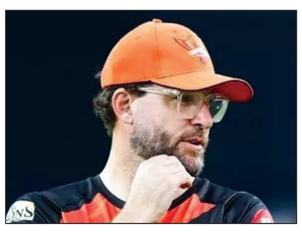

विटोरी के अनुसार, हमें पावरप्ले में वैसी शुरूआत नहीं मिली जैसी हम चाहते थे। जब आप शुरूआत में ही विकेट गंवा देते हैं, तो गुजरात जैसी मजबूत टीम आप पर हावी हो जाती है। कोच ने माना कि गुजरात की टीम अपनी शैली बदलने में माहिर है और उनके गेंदबाजों ने परिस्थितियों का बखूबी फायदा उठाया। 169 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद की टीम शुरू से ही संघर्ष करती नजर आई। पूरी टीम महज 86 रनों पर सिमट गई, जो इस सीजन के सबसे कम स्कोर में से एक है। दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा और जेसन होल्डर ने तीन-तीन विकेट झटककर हैदराबाद की कमर तोड़ दी। प्रसिद्ध कृष्णा ने दो और मोहम्मद सिराज ने एक विकेट लेकर गुजरात की जीत पर मुहर लगा दी।

महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित

सोफी मालिनक्स फिट, डार्सी ब्राउन टीम से बाहर

एजेंसी (हि.स.)

मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। कप्तान सोफी मालिनक्स फिट होकर टूर्नामेंट में वापसी करेंगी, जबकि तेज गेंदबाज डार्सी ब्राउन को टीम से बाहर कर दिया गया है। उनकी जगह 19 वर्षीय बाएं हाथ की तेज गेंदबाज लूसी हैमिल्टन को मौका मिला है। वहीं ग्रेस हैरिस की भी टीम में वापसी हुई है।

ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ताओं ने टीम में दो लेग स्पिनर अलाना किंग और जॉर्जिया वेयरहैम को शामिल किया है। इनके अलावा बाएं हाथ की स्पिनर सोफी मालिनक्स और ऑफ स्पिन ऑलराउंडर एश्ले गार्डनर भी टीम का हिस्सा हैं। राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेग्लर ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हवाले से कहा कि जरूरत पड़ने पर चारों स्पिनर एक साथ प्लेइंग इलेवन में खेल सकती हैं, लेकिन अलाना किंग फिलहाल स्पिन मददगार परिस्थितियों के लिए चौथे विकल्प के रूप में देखी जा रही हैं। उन्होंने कहा, सोफी हमारी कप्तान हैं और वह निश्चित रूप से खेलेंगी। महिला क्रिकेट में बाएं हाथ की स्पिन बेहद अहम मानी जाती है। जॉर्जिया लंबे समय से प्रमुख लेग स्पिनर रही हैं और अलाना ने भी शानदार प्रदर्शन किया है। लेकिन फिलहाल हमारी प्राथमिकता एश, सोफी और जॉर्जिया हैं। परिस्थितियां अनुकूल होने पर अलाना को मौका मिलेगा। डार्सी ब्राउन का बाहर होना काफी चौंकाने वाला माना जा रहा है। उन्होंने 2023 महिला टी20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी।

भारत के खिलाफ सेमीफाइनल में उन्होंने 18 रन देकर 2 विकेट लिए थे, जबकि फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 25 रन देकर 1 विकेट हासिल किया था। हालांकि हाल के समय में उनका प्रदर्शन फीका रहा। 2024 टी20 वर्ल्ड कप में उन्होंने सिर्फ तीन मैच खेले और इस साल भारत और वेस्टइंडीज के खिलाफ चार टी20 मुकाबलों में वह कोई विकेट नहीं ले सकीं। फ्लेग्लर ने कहा, डार्सी निराश जरूर हैं, लेकिन हमने पिछले कुछ वर्षों में उन्हें नई गेंद की प्रमुख गेंदबाज बनाने की कोशिश की। वह अभी युवा हैं और हमें भरोसा है कि उनका भविष्य शानदार रहेगा। यह उनके करियर का अंत नहीं है।

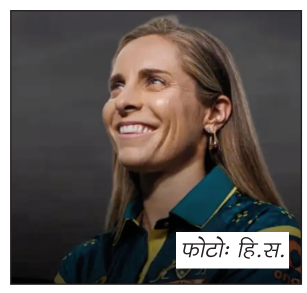

फोटोः हि.स.

लूसी हैमिल्टन का चयन उनके शानदार उभार का नतीजा है। उन्होंने मार्च में कैरेबियन दौरे पर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। अब तक वह सिर्फ एक टी20, दो वनडे और एक टेस्ट खेली हैं, लेकिन भारत के खिलाफ टेस्ट डेब्यू में छह विकेट लेकर उन्होंने सभी को प्रभावित किया था। ऑस्ट्रेलिया की मुख्य कोच शेली निट्शके ने कहा, लूसी अच्छी बाउंस निकालती हैं और उनकी गेंदबाजी में अलग तरह की ताकत है।

ऑस्ट्रेलिया को एनेबेल सदरलैंड की भी वापसी से मजबूती मिली है, जिन्हें कैरेबियन दौरे पर आराम दिया गया था। टीम में मुख्य विकेटकीपर के रूप में सिर्फ बेथ मूनी को चुना गया है। एलिसा हीली के संन्यास के बाद वही विकेटकीपिंग संभालेंगी।

ऑस्ट्रेलिया की महिला टी20 वर्ल्ड कप टीम

सोफी मालिनक्स (कप्तान), एश्ले गार्डनर (उपकप्तान), टालिया मैक्ग्रा (उपकप्तान), निकोला कैरी, किम गर्थ, लूसी हैमिल्टन, ग्रेस हैरिस, अलाना किंग, फोएबे लिचफील्ड, बेथ मूनी (विकेटकीपर), एलिस पेरी, मेगन शुट, एनेबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल और जॉर्जिया वेयरहैम।

रिजर्व खिलाड़ीः टालिया विल्सन (विकेटकीपर)।

धीमी ओवर गति की मार, सनराइजर्स के कप्तान पैट कमिंस पर लगा 12 लाख का जुमार्ना

एजेंसी (हि.स.)

अहमदाबाद

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2026 सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। गुजरात टाइटंस के खिलाफ मिली करारी शिकस्त के बाद अब टीम के कप्तान पैट कमिंस पर 'स्लो ओवर रेट' (धीमी ओवर गति) के लिए 12 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया है।

फोटोः हि.स.

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मंगलवार को खेले गए मुकाबले में तय समय सीमा के भीतर ओवर पूरे न कर पाने के कारण आईपीएल की आचार संहिता के तहत यह कार्रवाई की गई है।

आईपीएल द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, पैट कमिंस पर यह जुमार्ना आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत लगाया गया है। यह आचार संहिता धीमी ओवर गति से संबंधित अपराधों के लिए दंड का प्रावधान करती है। चूंकि इस सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद की टीम द्वारा धीमी ओवर गति का यह पहला अपराध था, इसलिए नियमों के मुताबिक कप्तान पर न्यूनतम 12 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। यदि टीम दोबारा यही गलती दोहराती है, तो जुमार्ने की राशि बढ़ सकती है और टीम के अन्य सदस्यों पर भी मैच फीस का जुमार्ना लगाया जा सकता है। पैट कमिंस के लिए मंगलवार का दिन हर लिहाज से खराब साबित हुआ। मैदान पर जहाँ टीम को 82 रनों के बड़े अंतर से हार का सामना करना पड़ा, वहीं मैदान के बाहर वित्तीय जुमार्ने की मार झेलनी पड़ी।

बच्चे को कूलर के ठीक सामने सुलाने से इसके गंभीर नुकसान और बचाव के तरीके

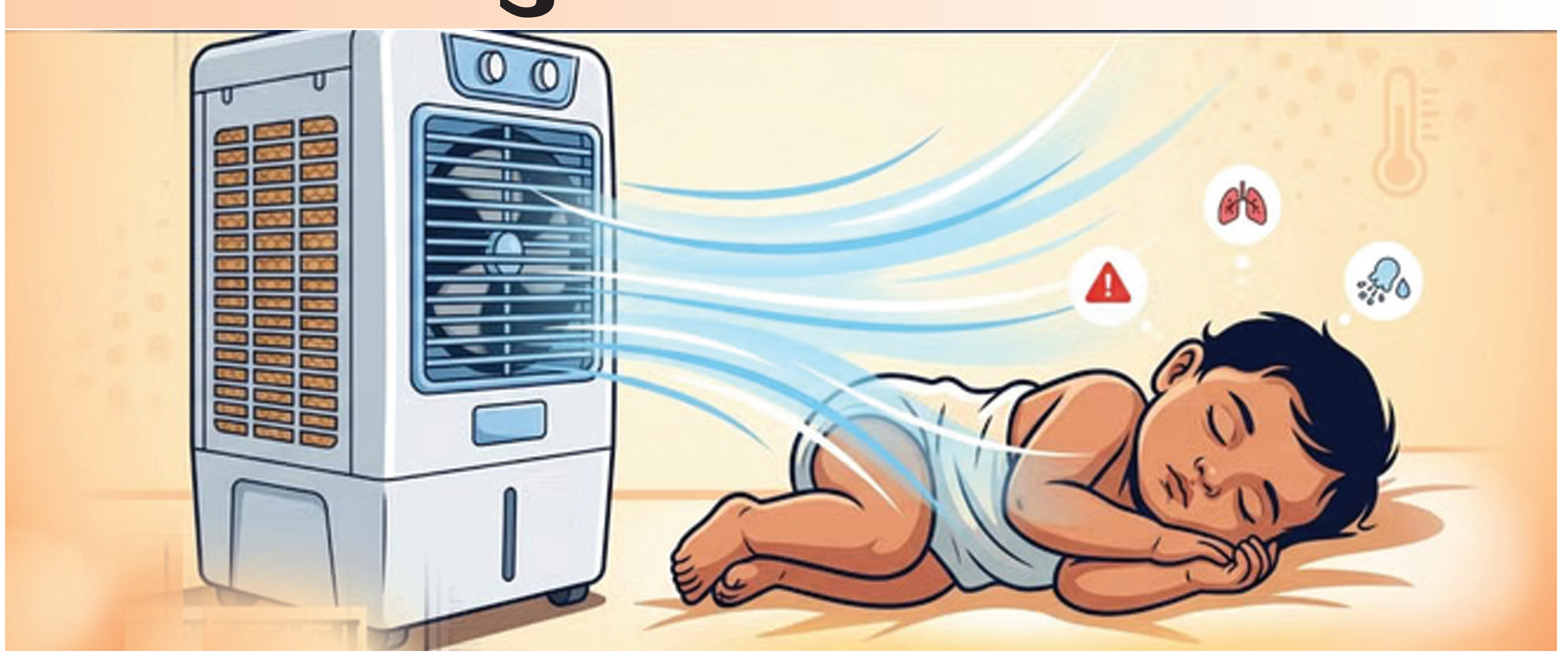

उत्तर भारत समेत पूरे देश में गर्मी का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। पारा 40 डिग्री के पार पहुँचते ही घरों में कूलर और एसी का इस्तेमाल आम हो गया है। माता-पिता अक्सर इस चिंता में रहते हैं कि उनके मासूम बच्चे को गर्मी न लगे, इसलिए वे उसे कूलर के ठीक सामने या सबसे ठंडी जगह पर सुला देते हैं। हालांकि, सुकून देने वाली यह ठंडी हवा बच्चे की सेहत के लिए 'साइलेंट विलेन' साबित हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि शिशुओं की रोग प्रतिरोधक क्षमता वयस्कों की तुलना में बहुत कम होती है। ऐसे में सीधे कूलर के झोंके उनके शरीर के तापमान को असंतुलित कर सकते हैं, जिससे कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो सकती हैं। आइए जानते हैं कि कूलर की सीधी हवा बच्चों के लिए क्यों खतरनाक है और इसका सही तरीका क्या है।

हाइपोथर्मिया का खतरा

छोटे बच्चों का शरीर, विशेषकर नवजात शिशुओं का, अपने आंतरिक तापमान को नियंत्रित करने में उतना सक्षम नहीं होता जितना कि एक वयस्क का शरीर। जब बच्चा कूलर के ठीक सामने सोता है, तो लगातार बहने वाली तेज हवा पसीने को बहुत तेजी से सुखाती है और त्वचा की नमी को सोख लेती है। **तापमान में अचानक गिरावट:** कूलर की सीधी हवा बच्चे के शरीर का तापमान तेजी से गिरा सकती है। चिकित्सकीय भाषा में इसे 'कोल्ड स्ट्रेस' कहा जा सकता है। इससे बच्चे को बेचैनी हो सकती है और वह रात भर चिड़चिड़ा होकर रो सकता है।

मांसपेशियों में अकड़न: सीधी हवा के संपर्क में रहने से बच्चों की नाजुक मांसपेशियों में जकड़न या दर्द की समस्या हो सकती है। कई बार सुबह उठने पर बच्चा हाथ-पैर हिलाने में असहज महसूस करता है। **मेटाबॉलिज्म पर असर:** शरीर का तापमान बनाए रखने के लिए बच्चे के शरीर को अधिक ऊर्जा खर्च करनी पड़ती है, जिससे वह जल्दी थकान महसूस करने लगता है।

रेस्पिरेटरी इन्फेक्शन और एलर्जी

कूलर का इस्तेमाल करते समय सबसे बड़ी लापरवाही इसकी सफाई को लेकर होती है। कूलर की घास और पानी की टंकी में नमी के कारण बैक्टीरिया और फंगस बहुत जल्दी पनपते हैं। **गंभीर श्वसन समस्याएं:** यदि कूलर की टंकी साफ नहीं है, तो हवा के साथ सूक्ष्म कीटाणु और फंगस बच्चे के फेफड़ों तक पहुँच सकते हैं। इससे निमोनिया, ब्रोंकाइटिस और अस्थमा जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। **एलर्जी और छींक:** कूलर की घास में जमा धूल के कण हवा के साथ उड़कर बच्चे की नाक में चले जाते हैं, जिससे उसे लगातार छींक आना, नाक बहना या गला खराब होने जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

त्वचा और आंखों में सूखापन: कूलर की हवा में मौजूद नमी के साथ-साथ अगर हवा बहुत तेज है, तो यह बच्चे की आंखों के कुदरती पानी को सुखा सकती है, जिससे आंखों में जलन और लालिमा हो जाती है। इसके अलावा, स्किन ड्राई होने से 'हीट रैशेज' के बजाय 'ड्रायनेस रैशेज' की समस्या हो सकती है।

बरतें ये सावधानियां

इसका मतलब यह कतई नहीं है कि आप बच्चे के लिए कूलर का इस्तेमाल बंद कर दें। गर्मी से बचाना भी उतना ही जरूरी है, लेकिन सही तरीके से। बाल रोग विशेषज्ञों के अनुसार, निम्नलिखित सावधानियां अपनाकर आप बच्चे को सुरक्षित रख सकते हैं: **क्रॉस वेंटिलेशन है जरूरी:** कूलर को हमेशा ऐसी जगह रखें जहाँ से ताजी हवा अंदर आए और कमरे की गर्म हवा बाहर निकलने के लिए कोई खिड़की या रोशनदान खुला हो। बंद कमरे में कूलर चलाने से उमस बढ़ जाती है, जो बच्चे के लिए सांस लेना मुश्किल कर सकती है। **दूरी बनाए रखें:** बच्चे को कूलर के ठीक सामने सुलाने के बजाय कमरे के किसी कोने में सुलाएं। हवा सीधे बच्चे पर न लगकर दीवार से टकराकर आए। कूलर की 'स्विंग' सेटिंग ऑन रखें ताकि हवा एक जगह केंद्रित न हो।

नियमित सफाई: सप्ताह में कम से कम एक बार कूलर की टंकी को अच्छी तरह सुखाकर साफ करें। पानी में नीम की पत्तियां या हल्का कीटाणुनाशक डालें ताकि लार्वा और बैक्टीरिया न पनपें। **कपड़ों का चयन:** कूलर वाले कमरे में बच्चे को पूरी आस्तीन के पतले सूती कपड़े पहनाएं। इससे उसकी त्वचा सीधे ठंडी हवा के संपर्क में आने से बची रहेगी। साथ ही, उसके पैरों में पतली जुराबें पहनाना एक अच्छा विचार हो सकता है ताकि तलवे ठंडे न हों। **पानी का तापमान:** कूलर में बहुत ज्यादा बर्फ जैसा ठंडा पानी न डालें। सामान्य नल के पानी का इस्तेमाल करें ताकि हवा का तापमान प्राकृतिक बना रहे।

शोध: अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड से 20% तक बढ़ा हृदय रोगों का खतरा

भागदौड़ भरी जिंदगी और 'इंस्टेंट' के जमाने में हम जो खा रहे हैं, वह हमें स्वाद तो दे रहा है लेकिन साथ ही मौत के करीब भी ले जा रहा है। यूरोपियन कार्डियोलॉजी सोसाइटी की एक हालिया और चौंकाने वाली रिपोर्ट ने पैकेट बंद खाने के शौकीनों की नींद उड़ा दी है। शोध के अनुसार, चिप्स, कोल्ड ड्रिंक्स और रेडी-टू-ईट मील जैसे अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड का नियमित सेवन हृदय रोगों के जोखिम को 20 प्रतिशत तक बढ़ा देता है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि खान-पान की इन आदतों में जल्द सुधार नहीं किया गया, तो आने वाले समय में दिल की बीमारियों की महामारी और भी विकराल रूप ले लेगी।

मौत का जोखिम 65% तक अधिक

यूरोपियन हार्ट जर्नल में प्रकाशित इस शोध ने अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड और हृदय स्वास्थ्य के बीच एक सीधा और खतरनाक संबंध स्थापित किया है। रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि प्रोसेस्ड खाना केवल वजन ही नहीं बढ़ाता, बल्कि सीधे दिल की कार्यक्षमता पर हमला करता है।

हृदय रोग: अत्यधिक प्रोसेस्ड भोजन करने वालों में दिल की बीमारियों का खतरा 20% तक अधिक पाया गया। **अनियमित धड़कन :** दिल की धड़कन के असामान्य होने का जोखिम लगभग 13% बढ़ जाता है। **मृत्यु दर:** सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि हृदय संबंधी जटिलताओं के कारण होने वाली मृत्यु का खतरा कुछ मामलों में 65% तक ज्यादा देखा गया है। **मेटाबॉलिज्म पर प्रहार:** ये खाद्य पदार्थ शरीर में सूजन बढ़ाते हैं और आंतों के अच्छे बैक्टीरिया को नष्ट कर देते हैं, जिससे हाई बीपी और कोलेस्ट्रॉल जैसी समस्याएं जन्म लेती हैं।

अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड क्या है

अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड वे उत्पाद हैं जिन्हें प्राकृतिक अवस्था से हटाकर फैक्ट्रियों में कई चरणों में तैयार किया जाता है। इनमें ऐसे रसायनों का इस्तेमाल होता है जो सामान्य किचन में कभी उपयोग नहीं किए जाते।

प्रमुख तत्व: कृत्रिम स्वाद, गाढ़ा करने वाले एजेंट, इमल्सीफायर, सिंथेटिक रंग और प्रिजरवेटिव्स। **सफेद जहर की अधिकता:** इनमें नमक, चीनी और सैचुरेटेड फैट की मात्रा बहुत अधिक होती है, जो धमनियों में ब्लॉकेज पैदा करती है।

कौन से खाद्य पदार्थ हैं इस श्रेणी में

इंस्टेंट नूडल्स और फ्रोजन पिज्जा। पैकेट बंद चिप्स, नमकीन और कुकीज। कोल्ड ड्रिंक्स और एनर्जी ड्रिंक्स। प्रोसेस्ड मीट (सॉसेज, सलामी) और रेडी-टू-ईट मील।

सुविधा की कीमत

रिपोर्ट में इस बात पर गहरा दुख व्यक्त किया गया है कि आधुनिक जीवनशैली ने ताजे, घर के बने भोजन को 'आउटडेटेड' बना दिया है। व्यस्त दिनचर्या और काम के दबाव के कारण लोग पैकेट बंद खाने को प्राथमिकता दे रहे हैं। इन खाद्य पदार्थों को इस तरह डिजाइन किया जाता है कि इनका स्वाद 'हाइपर-पैलेटेबल' (अत्यधिक स्वादिष्ट) लगे। इससे मस्तिष्क में डोपामाइन रिलीज होता है और व्यक्ति को इनकी लत लग जाती है, जिससे वह जरूरत से ज्यादा खाने लगता है। ऑनलाइन फूड डिलीवरी ऐप की आसान पहुँच ने जंक फूड को हर घर की रसोई तक पहुँचा दिया है। ताजी सब्जियों और फलों की जगह अब डिब्बा बंद सीरियल्स और फ्रोजन फूड ने ले ली है।

विशेषज्ञों की सलाह: डॉक्टरों का कहना है कि हमें वापस अपनी जड़ों की ओर लौटना होगा। ताजे फल, सब्जियां, साबुत अनाज और घर के बने सादे भोजन को प्राथमिकता देकर ही हम अपने दिल को सुरक्षित रख सकते हैं। आपकी थाली का चुनाव ही यह तय करेगा कि आपका दिल कितनी लंबी और स्वस्थ धड़कन भरेगा। सुविधा के नाम पर अपनी उम्र कम न करें।

36,252 वोटों से जीतकर श्याम लाल बंसल बने पंचकूला के मेयर

पंचकूला नगर निगम चुनाव परिणाम 2026: 20 वार्ड पार्षद पदों में से 17 पर भाजपा, 2 निर्दलीय और 1 कांग्रेस प्रत्याशी विजयी

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

पंचकूला नगर निगम चुनावों का परिणाम आज घोषित हुआ। मतों की गणना राजकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय सैक्टर-14 में की गई। मेयर पद पर भाजपा प्रत्याशी श्याम लाल बंसल विजयी रहे। 20 वार्ड पार्षदों के लिए हुए चुनाव में 17 पर भाजपा उम्मीदवारों ने जीत हासिल की जबकि 2 पर निर्दलीय और 1 पर कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार विजयी रहे। रिटर्निंग अधिकारी ने बताया कि भाजपा के मेयर प्रत्याशी श्याम लाल बंसल 36,252 मतों के अंतर से विजयी रहे। उन्हें कुल 68,544 वोट मिले, जबकि कांग्रेस की सुधा भारद्वाज को 32,292 वोट, इनैलों के मनोज अग्रवाल को 3465 वोट, आम आदमी पार्टी के राजेश कुमार को 2759 वोट और निर्दलीय उम्मीदवार करनैल सिंह बांगड और चैधरी चंदन सिंह को कमशः 1188 और 1051 वोट मिले। वंही 1444 मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया। उन्होने बताया कि वार्ड 1 से भाजपा की परमजीत कौर 2358 मतों से विजयी रही। उन्हें 3833 वोट मिले वंही कांग्रेस प्रत्याशी पायल सोढी को 1475 वोट, आप पार्टी की अमृत कौर को 402 वोट मिले। 62 मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया। वार्ड 2 से भाजपा की परमजीत कौर 1979 वोटों के अंतर से विजयी रही। उन्हें 3101 वोट मिले। कांग्रेस की चारू चावला को 1122 वोट और निर्दलीय उम्मीदवार जया चानना को 429 वोट मिले। 99 मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया। वार्ड 3 से भाजपा के सुरेश कुमार वर्मा 1087 वोटों के अंतर से विजयी रहे। उन्हें 2059 वोट मिले। कांग्रेस प्रत्याशी रजनीश सिंगला को 972 वोट, निर्दलीय उम्मीदवार बेनू राव को 898 वोट मिले। 31 मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया। वार्ड 4 से भाजपा के भारत हितैषी 2565 वोटों के अंतर से विजयी रहे। उन्हें 3688 वोट मिले। कांग्रेस प्रत्याशी राजीव चैधरी को 1123 वोट मिले। 84 मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया। वार्ड 5 से भाजपा के जय कुमार कौशिक 1810 वोटों के अंतर से विजयी रहे। उन्हें 3394 वोट मिले। इनैलों के तरूण साहनी को 94 वोट, कांग्रेस प्रत्याशी विजय कुमार शर्मा को 1584 वोट, आप पार्टी के विशाल को

222 वोट मिले। 55 मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया। वार्ड 6 से भाजपा के पार्थ गुप्ता 866 वोटों से विजयी रहे। उन्हें 2137 वोट मिले। कांग्रेस के दर्शन लाल को 873 वोट, आप पार्टी के गगन चावला को 113 वोट और निर्दलीय उम्मीदवार प्रवीण कुमार गोयल को 1271 मिले।59 मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया। वार्ड 7 से भाजपा के ज्योति प्रसाद 79 मतों से विजयी रहे। उन्हें 1791 वोट मिले वंही इनैलों के गुरदीश को 551 वोट, कांग्रेस के पंकज को 1712 वोट, आप पार्टी के राकेश मलिक को 300 वोट और निर्दलीय उम्मीदवार दीपक चावरिया, प्रेम कुमार और भानु प्रताप को क्रमशः 206, 1484 और 61 वोट मिले। 67 मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया। वार्ड 8 से भाजपा के राज कुमार जैन 948 वोटों से विजयी रहे। उन्हें 2038 वोट मिले। कांग्रेस की उषा रानी को 1090 वोट, आप पार्टी के विनोद कुमार को 390 वोट, इनैलों के हरिंद्र को 497 वोट और निर्दलीय उम्मीदवार प्रदीप तिवारी, राजीव कुमार, सन्नी को क्रमशः 202, 677 और 145 वोट मिले। 51 मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया। वार्ड 9 से भाजपा के हरेंद्र मलिक 1623 वोटों से विजयी रहे। उन्हें 2966 वोट मिले। कांग्रेस के सुरेंद्र सिंह को 1343, इनैलों के नवल किशोर जयसवाल को 57, आप पार्टी के दीनेश ढांडा को 85 और निर्दलीय उम्मीदवार ममता रविकांत स्वामी और सुखबीर सिंह को क्रमशः 578 और 149 वोट मिले। 51 मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया। वार्ड 10 से भाजपा के शेखर 59 वोटों से विजयी रहे। उन्हें 1279 वोट मिले। इनैलों से अंकुश कुमार को 1220 वोट, कांग्रेस के बलजीत सिंह को 1128 वोट और आप पार्टी के मंजेश को 205 वोट मिले। निर्दलीय उम्मीदवार कार्तिक कौशल, धनंजय कुमार गुप्ता, राजेश कुमार और सौरव चैधरी को क्रमशः 59, 27, 1027 और 126 वोट मिले। 44 मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया। वार्ड 11 से भाजपा की अनुराधा पूरी 1209 वोटों से विजयी रही। उन्हें 3159 वोट मिले वंही कांग्रेस की अंजू ने 1950 वोट हासिल किए। 77 मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया। वार्ड 12 से भाजपा के राकेश जगौता 2872 वोटों से विजयी रहे। उन्हें 3827 वोट मिले। कांग्रेस के जगजीत सोई को 955 वोट, आप पार्टी के संजीव कुमार को 224 वोट और निर्दलीय उम्मीदवार ओमवती पूनिया को 321 वोट प्राप्त हुए। 62 मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया। वार्ड 13 से भाजपा के दीपक गर्ग 2267 वोटों के अंतर से विजयी रहे। उन्हें 3839 वोट मिले। कांग्रेस के अक्षय चैधरी को 1572 वोट और आप पार्टी के विशाल भारद्वाज को 86 वोट मिले। 65 मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया। वार्ड 14 से भाजपा के राकेश गोयल 2502 वोटों के अंतर से विजयी रहे। उन्हें 3689 वोट मिले। कांग्रेस के पीयूष गौतम ने 1187 और आप पार्टी के सुमित कुमार ने 92 वोट हासिल किए। 102 मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया। वार्ड 15 से भाजपा की प्रियंका 965 वोटों के अंतर से विजयी रही। उन्हें 2346 वोट मिले। कांग्रेस की सरस्वती देवी 1381 और आप पार्टी की पिंकी को 87 वोट मिले जबकि निर्दलीय उम्मीदवार मोनिका, राजिंद्र कौर और रितु को क्रमशः 243, 677 और 37 वोट मिले। 42 मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया। वार्ड 16 से भाजपा की निर्मला देवी 360 वोटों के अंतर से विजयी रही। उन्हें 2039 वोट मिले। आप पार्टी की रोशनी देवी को 55 वोट, कांग्रेस की सुनिता को 1679 वोट मिले जबकि निर्दलीय उम्मीदवार जतिंद्र कौर, नैना, रितु परमार और सुनिता बागडी को क्रमशः 673, 415, 1590 और 503 वोट प्राप्त मिले। 51 मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया। वार्ड 17 से निर्दलीय उम्मीदवार अशोक कुमार 754 वोटों के अंतर से विजयी रहे। उन्हें 3043 वोट मिले। भाजपा के सुदेश कुमार को 2289 वोट, कांग्रेस के मुकेश कुमार को 1052 वोट, इनैलों के आशीष कुमार रंगा को 76 वोट, आप पार्टी के अशोक कुमार (वकील) को 151 वोट मिले। 85 मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया। वार्ड 18 से कांग्रेस की अमनदीप कौर 165 वोटों कें अंतर से विजयी रही। उन्हें 3000 वोट मिले जबकि भाजपा की पूजा रानी को 2835 वोट प्राप्त हुए। 138 मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया। वार्ड 19 से भाजपा की मनीषा रानी 1180 वोटों के अंतर से विजयी रही। उन्हें 3811 वोट मिले। कांग्रेस की नजमा को 2631 वोट मिले जबकि निर्दलीय उम्मीदवार रजविंद्र कौर को 72 वोट प्राप्त हुए। 62 मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया। वार्ड 20 से निर्दलीय उम्मीदवार रोहित चैधरी 966 वोटों के अंतर से विजयी रहे। उन्हें 3440 वोट मिले। कांग्रेस के विकास को 785 वोट, भाजपा के गौतम सिंह को 2474 वोट, इनैलों के गुरदास सिंह बईहर को 187 वोट और निर्दलीय उम्मीदवार सचिन गुप्ता को 775 वोट मिले। 24 ने नोटा का प्रयोग किया।

पीजीआई चंडीगढ़ में 18 तक मनाया जाएगा अंतरराष्ट्रीय नर्स सप्ताह

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पीजीआई चंडीगढ़ में 12 मई से 18 मई 2026 तक अंतर्राष्ट्रीय नर्स सप्ताह मनाया जा रहा है। सप्ताह भर चलने वाली गतिविधियों की शुरूआत 12 मई 2026 को अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के आयोजन के साथ हुई। इस वर्ष का विषय है हमारी नर्सें। हमारा भविष्य। सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं। इसका आयोजन पीजीआई चंडीगढ़ के एलटी-1 में किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि पीजीआई के निदेशक प्रो. विवेक लाल थे, और विशिष्ट अतिथि अस्पताल प्रशासन विभाग के अतिरिक्त प्रो. डॉ. पंकज अरोड़ा थे। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना और दीप प्रज्वलन समारोह के साथ हुई। स्वागत भाषण कार्यवाहक मुख्य नर्सिंग अधिकारी श्रीमती जसपाल कौर ने दिया। कार्यक्रम के विषय (थीम) का परिचय NINE की प्राचार्या श्रीमती सुखपाल कौर ने कराया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पीजीआई चंडीगढ़ के निदेशक प्रो. विवेक लाल ने नर्सों की भूमिका की सराहना की। उन्होंने नर्सों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान आधुनिक नर्सिंग पेशे की अग्रदूत फ्लोरेंस नाइटिंगेल को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का समापन केक काटने की रस्म के साथ हुआ।

राष्ट्रीय व्यापारी सम्मेलन में सीबीएम ने उठाए जीएसटी, एमएसएमई और वैट से जुड़े अहम मुद्दे

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सीबीएम (चण्डीगढ़ व्यापार मंडल) के 14 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने संस्था के अध्यक्ष संजीव चड्ढा के नेतृत्व में वृंदावन में ऑल इण्डिया उद्योग व्यापार मण्डल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय व्यापारी सम्मेलन में सक्रिय भागीदारी निभाई। सम्मेलन के दौरान सीबीएम ने चंडीगढ़ के व्यापारियों से जुड़े लंबे समय से लंबित विभिन्न मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से उठाया। प्रतिनिधिमंडल ने बाबू लाल गुप्ता को मांगों का विस्तृत ज्ञापन भी सौंपा। सीबीएम अध्यक्ष संजीव चड्ढा ने जीएसटी सुधारों के तहत ईमानदार खरीदारों के हितों की रक्षा के लिए सीजीएसटी एक्ट की धारा 16 में संशोधन की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि यदि किसी सप्लायर का जीएसटी पंजीकरण पूर्व प्रभाव से रद्द किया जाता है तो वास्तविक खरीदारों का इनपुट टैक्स क्रेडिट प्रभावित नहीं होना चाहिए। इसके अलावा निर्यात अवधि को 90 दिनों से बढ़ाकर 180 दिन करने, कंपोजिशन स्कीम डीलरों के लिए किराए पर जीएसटी को 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने तथा एफएसएसएआई प्रावधानों को और सरल बनाने की मांग भी रखी गई। संजीव चड्ढा ने एमएसएमई नीतियों में व्यापारियों को निमार्ताओं के समान लाभ देने की भी मांग की। इसमें बिना गारंटी ऋण, एमएसएमई समाधान पोर्टल के तहत भुगतान सुरक्षा तथा सरकारी योजनाओं और सब्सिडी में शामिल किए जाने की बात प्रमुख रही। प्रतिनिधिमंडल ने चंडीगढ़ में पुराने वैट मामलों के लिए पंजाब की तर्ज पर वन टाइम सेटलमेंट स्कीम लागू करने की मांग भी उठाई। साथ ही पंजाब और हरियाणा के व्यापारियों की तरह चंडीगढ़ के व्यापारियों को भी समान नीतिगत लाभ और राहत प्रदान करने की बात कही गई। स्थानीय मुद्दों पर व्यापार मंडल ने पुराने भवन उपनियमों, अनुचित पेनल्टी शुल्क, नए उद्यमियों के लिए पर्याप्त सहयोग की कमी तथा ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में प्रशासनिक देरी और जटिल प्रक्रियाओं पर चिंता जताई। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में किरण नारद, वरिंदर गुप्ता, नरेश महाजन, बलविंदर सिंह, राधे लाल बजाज सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। सीबीएम ने कहा कि वह व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए भविष्य में भी सभी उचित मंचों पर इन मुद्दों को मजबूती से उठाता रहेगा।

नियंत्रक संचार लेखा कार्यालय, पंजाब टेलीकॉम सर्किल चंडीगढ़ में विधिक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

संचार मंत्रालय के दूरसंचार विभाग के अंतर्गत आने वाले नियंत्रक संचार लेखा कार्यालय, पंजाब टेलीकॉम सर्किल, चंडीगढ़ में ह्वविधिक ढांचा एवं न्यायालयीन मामलों का प्रभावी प्रबंधनह्व विषय पर एक विधिक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विधिक मामलों के प्रभावी निस्तारण, न्यायालयीन प्रक्रियाओं की समझ, समयबद्ध अनुपालन तथा सरकारी कार्यालयों में कानूनी विषयों के बेहतर प्रबंधन के संबंध में जागरूक करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ विजेंद्र एन. टंडन, नियंत्रक संचार लेखा, पंजाब द्वारा किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने सरकारी कार्यालयों में विधिक मामलों के समयबद्ध एवं प्रभावी प्रबंधन के महत्व पर बल दिया। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को न्यायालयीन प्रक्रियाओं तथा विधिक अनुपालन के संबंध में उचित समझ, समन्वय एवं जागरूकता विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कार्यकुशलता बढ़ाने तथा प्रशासनिक कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यशाला में अधिवक्ता के. के. ठाकुर, भारत सरकार के वरिष्ठ पैनल अधिवक्ता, मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (उअळ), चंडीगढ़ तथा माननीय पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में मामलों के संचालन के अपने व्यापक अनुभव साझा किए तथा विभिन्न विधिक विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की।

अपने व्याख्यान के दौरान उन्होंने न्यायालयीन मामलों के प्रभावी प्रबंधन, समयबद्ध उत्तर दाखिल करने, अवमानना याचिकाओं एवं रिट याचिकाओं के संचालन, अभिलेखों के उचित रख-रखाव, विभागीय समन्वय तथा विधिक प्रक्रियाओं के व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी बताया कि प्रभावी विधिक प्रबंधन से अनावश्यक वाद-विवाद एवं प्रशासनिक जटिलताओं को कम किया जा सकता है।

कार्यक्रम के अंत में राजीव रंजन, वरिष्ठ लेखा अधिकारी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों के क्षमता निर्माण में निरंतर सहयोग एवं दूरदर्शी नेतृत्व हेतु विजेंद्र एन. टंडन, नियंत्रक संचार लेखा, पंजाब का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अधिवक्ता के. के. ठाकुर एवं सभी प्रतिभागियों का भी धन्यवाद किया तथा कहा कि यह कार्यशाला सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी सिद्ध हुई।

पंचकूला की जनता ने विकास की राजनीति पर लगाई मुहर : महंत रामेश्वर गिरी

सिटी दर्पण संवाददाता
मनीमाजरा

महंत रामेश्वर गिरी ने पंचकूला नगर परिषद चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की शानदार जीत पर नव निर्वाचित मेयर एवं सभी विजयी भाजपा पार्षदों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि पंचकूला की जनता ने विकास, पारदर्शिता और जनसेवा की राजनीति पर विश्वास जताते हुए भाजपा को ऐतिहासिक जनादेश दिया है। यह जीत भाजपा कार्यकताओं की मेहनत और आमजन के विश्वास का परिणाम है।

महंत रामेश्वर गिरी ने मेयर पद पर विजयी श्यामलाल बंसल को विशेष बधाई देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में पंचकूला शहर में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी तथा लोगों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि नगर परिषद की नई टीम पंचकूला को स्वच्छ, सुंदर और आधुनिक शहर बनाने की दिशा में प्रभावी कार्य करेगी।

साथ ही उन्होंने उम्मीद व्यक्त की कि सभी पार्षद जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे।

महंत रामेश्वर गिरी ने भाजपा कार्यकताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ता ने पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ चुनाव में मेहनत की, जिसके परिणामस्वरूप पार्टी को पूरे पंचकूला में शानदार सफलता प्राप्त हुई।

संक्षिप्त-समाचार

माजरा महताब क्षेत्र में सफाई एवं विकास कार्यो का निरीक्षण, अधिकारियों को दिए त्वरित समाधान के निर्देश

पंचकूला। नगर निगम पंचकूला के आयुक्त विनय कुमार के निर्देशानुसार कार्यकारी अधिकारी-सह-उप-नगर आयुक्त, नगर परिषद कालका अभे सिंह द्वारा आज सुबह 7.30 बजे माजरा महताब कालका ऐरिया का निरीक्षण किया गया । इस अवसर पर कृष्ण लाल लाम्बा, प्रधान नगर परिषद कालका तथा वार्ड पार्षद कृष्ण लाल, वार्ड न0-28 एंव अन्य गणमान्य नागरिक एंव परिषद अभियन्ता दीपक सुखिजा, अजय कुमार, कनिष्ठ अभियन्ता, अंकित कुमार सफाई निरीक्षक, अनील कुमार, सहायक सफाई निरिक्षक एंव अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे। डोर-टू-डोर कुलेक्शन सफाई, वाटर लोगिंग प्वाईंट एंव चल रहे विकास कार्यो की समीक्षा एंव लाईट ईत्यादी के बारे में निरीक्षण किया गया तथा नागरिको की समस्या एंव सुझाव जाने एंव मौके पर ही सम्बन्धित एजैन्सी तथा अधिकारी को तुरन्त प्रभाव से समस्या का निवारण करने के आदेश दिये गये।

सेक्टर 32 अस्पताल में ओपीडी का समय बदला

चंडीगढ़। गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, सेक्टर-32, चंडीगढ़ तथा साउथ कैंपस अस्पताल, सेक्टर-48, चंडीगढ़ में ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान दिनांक 16.05.2026 से 23.07.2026 तक निम्नलिखित ओपीडी समय निर्धारित किए गए हैं: ओपीडी पंजीकरण समय : प्रातः 7:00 बजे से 10:00 बजे तक। ओपीडी समय : प्रातः 8:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक। ब्लड कलेक्शन सेंटर समय : प्रातः 7:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक। जीएमसीएच-32 में आपातकालीन सेवाएं पूर्ववत 24 घंटे उपलब्ध रहेंगी।

चंडीगढ़ में सजेगी 'एक शाम अग्रसेन जी के नाम', उमड़ेगा अग्रवाल समाज का जनसैलाब

चंडीगढ़। महाराजा अग्रसेन समाज द्वारा समाज के स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर आगामी 17 मई को एक भव्य सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक संध्या 'एक शाम अग्रसेन जी के नाम' का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम चंडीगढ़ के सर्कस ग्राउंड में दोपहर 3 बजे से आयोजित होगा। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक डॉ. प्रदीप गोयल और जगमोहन गर्ग ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि यह आयोजन महाराजा अग्रसेन जी के आदर्शों और समाज की एकता को समर्पित है। इस अवसर पर विश्व प्रसिद्ध वक्ता और आध्यात्मिक गुरु पं. विजयशंकर जी मेहता (डी.लिट., हमारे हनुमान परिवार) मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। वे अपने प्रेरक विचारों से समाज का मार्गदर्शन करेंगे।आयोजन समिति के सदस्य असीम गोयल, टोनी गुप्ता, प्रदीप बंसल, आनंद सिंघला और अन्य गणमान्य साथियों ने बताया कि इस वर्ष अग्रसेन समाज अपनी स्थापना की 5143वीं वर्षगांठ मना रहा है। कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है और पूरे शहर में समाज के बंधुओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है।प्रदीप गोयल और जगमोहन गर्ग ने समस्त अग्रवाल समाज और शहरवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में सपरिवार इस कार्यक्रम का हिस्सा बनें और महाराजा अग्रसेन जी के आशीर्वाद एवं पं. विजयशंकर जी मेहता के ओजस्वी प्रवचनों का लाभ उठाएं।

भाविप ने जीएमएसएसएस-20 में बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया

चंडीगढ़। भारत विकास परिषद ने जीएमएसएसएस-20 में बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। 50 विद्यार्थियों और 10 स्टाफ सदस्यों और एसएमसी सदस्य श्रीमती श्वेता ने कार्यशाला में भाग लिया, जिसमें नरेश कोहली ने छात्रों को कचरे को उपयोगी उत्पादों में परिवर्तित करके कम करने के बारे में मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर बीवीपी सदस्य उषा अरोड़ा (चंडीगढ़ प्रांत संस्कार संयोजक), सुकांत अबरोल (सह संयोजक), अनिल कौशल, श्रीमती पुनीत अबरोल केंद्रीय सह संयोजक, श्रीमती रीनू, संतोष बाला, मुकेश व विजय सिंह रावत आदि उपस्थित रहे। प्रिंसिपल श्रीमती बलजीत कौर व आरआरआर प्रभारी श्रीमती अभिलाषा ने भी भारत विकास परिषद के योगदान की सराहना की।

परिणाम | सीबीएसई वरिष्ठ माध्यमिक परीक्षा परिणाम घोषित

चंडीगढ़ के सरकारी विद्यालयों का परिणाम राष्ट्रीय सीबीएसई औसत से बेहतर

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने आज वरिष्ठ माध्यमिक एवं माध्यमिक कक्षाओं का परीक्षा परिणाम घोषित किया। यू.टी. चंडीगढ़ के सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों का कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 87.25% रहा, जबकि पिछले वर्ष यह 88.79% था। इस प्रकार इस वर्ष परिणाम में 1.54 प्रतिशत अंकों की मामूली गिरावट दर्ज की गई है। राष्ट्रीय स्तर पर सीबीएसई का कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 85.2% रहा, जो पिछले वर्ष के 88.39% की तुलना में 3.19 प्रतिशत अंक कम है। इस प्रकार यू.टी. चंडीगढ़ के सरकारी विद्यालयों का परिणाम राष्ट्रीय सीबीएसई औसत से 2.05 प्रतिशत अंक अधिक रहा।

पंजाब के राज्यपाल एवं यू.टी. चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी तथा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रीय स्तर तथा यू.टी. में उत्तीर्ण प्रतिशत में आई गिरावट का कारण अधिक सख्त एवं दक्षता-आधारित मूल्यांकन प्रणाली, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (ठएढ) 2020 के अंतर्गत अवधारणात्मक समझ पर बढ़ा जोर तथा उत्तर पुस्तिकाओं के डिजिटल मूल्यांकन अर्थात ऑन-स्क्रीन मार्किंग (डरट) प्रणाली को माना जा सकता है। यह प्रवृत्ति रटने की पद्धति से हटकर अनुप्रयोग-आधारित मूल्यांकन की दिशा में बदलाव को दशार्ती है।

वरिष्ठ माध्यमिक परीक्षा परिणाम का विवरण निम्नानुसार है :

कुल 10,255 विद्यार्थियों ने वरिष्ठ माध्यमिक परीक्षा में भाग लिया, जिनमें से 8,948 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए।

वर्तमान सत्र का कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 87.25% रहा, जबकि

शैक्षणिक सत्र 2024-25 में यह 88.79% था।

इस वर्ष दो विद्यालयों – जीएमएसएसएस सेक्टर 32 तथा जीएसएसएस मनीमाजरा टाउन – ने 95% अथवा उससे अधिक परिणाम दर्ज किया। इसके अतिरिक्त 16 विद्यालयों ने 90% अथवा उससे अधिक परिणाम प्राप्त किया। विद्यार्थियों ने गुणवत्तापूर्ण प्रदर्शन भी किया। इस वर्ष 348 विद्यार्थियों ने 90% अथवा उससे अधिक अंक प्राप्त किए, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 225 थी। विशेष उल्लेखनीय है कि 57 विद्यार्थियों ने 95% अथवा उससे अधिक अंक प्राप्त किए, जबकि पिछले शैक्षणिक सत्र में यह संख्या 29 थी। इस प्रकार 28 विद्यार्थियों की वृद्धि दर्ज की गई। सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों की छात्राओं ने एक बार फिर छात्रों से बेहतर प्रदर्शन किया। कुल 4,933 छात्रों में से 4,169 छात्र उत्तीर्ण हुए, जबकि 5,322 छात्राओं में से 4,819 छात्राएं परीक्षा में सफल रहीं।

छात्रों में सीबीएसई का कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 82.13% रहा, जबकि यू.टी. चंडीगढ़ के सरकारी विद्यालयों का उत्तीर्ण प्रतिशत 84.51% दर्ज किया गया। इसी प्रकार छात्राओं में सीबीएसई का कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 88.86% रहा, जबकि यू.टी. चंडीगढ़ के सरकारी विद्यालयों का उत्तीर्ण प्रतिशत 90.55% रहा। यह सरकारी विद्यालयों की छात्राओं के निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन को दशार्ता है।

यह उल्लेखनीय है कि जीएमएसएसएस सेक्टर 35 के छात्र अनूप सैनी ने 99.4% अंक प्राप्त कर संपूर्ण परीक्षा में शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने कक्षा दसवीं की शिक्षा भी इसी सरकारी विद्यालय से प्राप्त की थी। पीएम जीजीएमएसएसएस सेक्टर 18 की छात्रा वंशिका जैन ने श्रवण दिव्यांगता एवं टाइप-1 मधुमेह जैसी चुनौतियों के बावजूद 96% अंक प्राप्त किए।

मेडिकल संकाय का उत्तीर्ण प्रतिशत 82.88% रहा, जबकि वर्ष 2024-25 में यह 93.25% था। नॉन-मेडिकल संकाय का परिणाम 79.06% रहा, जो पिछले वर्ष 87.71% था। कॉमर्स संकाय का उत्तीर्ण प्रतिशत 88.92% रहा, जबकि पिछले सत्र में यह 92.05% था। ह्यूमैनिटीज संकाय ने सुधार दर्ज करते हुए 87.94% परिणाम प्राप्त किया, जो पिछले वर्ष 86.50% था। वहीं स्किल कोर्सेज ने सर्वाधिक 97.17% उत्तीर्ण प्रतिशत दर्ज किया, जो पिछले वर्ष के 94.68% से अधिक है।

जन्मदिन की बधाई

फिरोजपुर की मनस्वी को सिटी दर्पण समाचार पत्र की ओर से जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं